WWW.NAVPRADESH.COM
दैनिक नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...
बिलासपुर, शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025 | कृष्ण पक्ष- तृतीया, | विक्रम संवत -2082 / वर्ष-11 | अंक- 186 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए
रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

यूपीआई ने बनाया रिकॉर्ड, एक दिन में हुआ 1.02 लाख करोड़ का लेनदेन

नई दिल्ली (आईएएनएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) प्लेटफॉर्म से 18 अक्टूबर यानी धनतेरस के दिन 1.02 लाख करोड़ रुपए के लेनदेन हुए हैं और इस दौरान लेनदेन की संख्या 75.4 करोड़ रही है, जो कि एक दिन में लेनदेन का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। वित्त मंत्री ने कहा कि धनतेरस से दीपावली के तीन दिनों के दौरान यूपीआई पर औसत लेनदेन की संख्या 73.69 करोड़ रही है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 64.74 करोड़ थी।

उन्होंने आगे कहा कि इस साल खुदरा विक्रेताओं के लिए दीपावली धमाकेदार रही है और जीएसटी दरों में कटौती से खपत में बढ़ोतरी हुई है, जिससे मध्यम वर्ग को इस त्योहारी सीजन में अपने बजट में ही अधिक शॉपिंग करने का मौका मिला है।

अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) के अनुसार, नवरात्रि से लेकर दीपावली तक चलने वाले फेस्टिव सीजन में गुड्स की बिक्री रिकॉर्ड 5.40 लाख करोड़ रुपए

पर पहुंच गई है। इस दौरान करीब 65,000 करोड़ रुपए की सर्विसेज भी ग्राहकों की ओर से खरीदी गई हैं। कैट की रिसर्च विंग, कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी के अनुसार, यह पिछले साल नवरात्रि से दीपावली की अवधि में हुई 4.25 लाख करोड़ रुपए की फेस्टिव सेल्स की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है। सर्वेक्षण में बताया गया कि इसमें रिटेल की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत रही है। ऑफलाइन ◘ शेष पृष्ठ 6 पर

मांग को प्रोत्साहित करने में मदद की

वित्त मंत्री ने आगे कहा कि लैब में तैयार हीरों से लेकर कैजुअल वियर और घरों को सजाने वाले उत्पादों तक, बाजार के बड़े और प्रीमियम दोनों सेगमेंट में तेजी आई। वित्त मंत्री ने आगे कहा, इस सुधार ने स्लैब को युक्तिसंगत बनाकर और विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं पर दरें कम करके, परिवारों के लिए ठोस बचत प्रदान की है, जिससे खर्च योग्य आय बढ़ी है और मांग को प्रोत्साहित करने में मदद की है।'

खरीदारी में इजाफा

कन्फेक्शनरी, होम डेकोर, जूते-चप्पल, रेडीमेड कपड़े, टिकाऊ उपभोक्ता सामान और दैनिक उपयोग की वस्तुओं जैसी प्रमुख उपभोक्ता और खुदरा श्रेणियों में जीएसटी दरों में कमी से मूल्य प्रतिस्पर्धा में काफी सुधार हुआ, जिससे खरीदारी में इजाफा हुआ है।

आज बेबाक

निर्दलीय सांसद और मान न मान मैं तेरा मेहमान की तर्ज़ पर स्वयंभू कांग्रेसी बन चुके पप्पू यादव अपने पप्पू नाम को सार्थक करते हुए पप्पूगिरी में बड़े-बड़े पप्पुओं को पछाड़ रहे हैं। उन्होंने बयान दिया है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की भाजपा बिलकुल इज्जत नहीं करती और न ही उन्हें मुख्यमंत्री बनाएगी। ऐसे में नीतिश कुमार को कांग्रेस में आ जाना चाहिए। जहां उन्हें पूरा सम्मान दिया जाएगा। यह बात वो पप्पू यादव कह रहे हैं जिन्हें राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा के दौरान धकिया कर उनकी बेइज्जती खराब की गई थी।

छठ: जयपुर से घर लौट रहे यात्रियों की बस पलटी, 22 घायल

कुशीनगर (आईएएनएस)। छठ महापर्व के लिए जयपुर से अपने घर लौट रहे यात्रियों के लिए गुरुवार की सुबह भयावह रही। जयपुर से बिहार के मधुबनी जा रही तेज रफ्तार लग्जरी बस कुशीनगर में एनएच28 पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में करीब 22 यात्री घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह घटना बहादुरपुर पुलिस चौकी के पास चौरसिया मैरेज हाल के नजदीक हुई, जिससे वहां से गुजर रहे लोगों की भी सांस थम गई। हादसे के समय बस में सवार यात्री चीख-पुकार करने लगे। बस में सवार लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। घायलों को सुरक्षित निकालने और उन्हें अस्पताल पहुंचाने में स्थानीय लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चीन ने रूसी तेल कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों का किया विरोध

बीजिंग (आईएएनएस)। चीन ने गुरुवार को कहा कि वह यूक्रेन-रूस जंग को लेकर अमेरिका द्वारा दो सबसे बड़ी रूसी तेल कंपनियों पर लगाए गए हालिया प्रतिबंधों का विरोध करता है और कहा कि इन प्रतिबंधों का अंतर्राष्ट्रीय कानून में कोई आधार नहीं है। रूस के एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार, चीन ने कहा है कि वह युद्ध पर तटस्थ रुख अपनाता है और 2022 में यूक्रेन पर मास्को के पूर्ण आक्रमण की निंदा करने से परहेज करता है। बीजिंग में एक दैनिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नए अमेरिकी प्रतिबंधों के बारे में पूछे जाने पर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, चीन लगातार ऐसे एकतरफा प्रतिबंधों का विरोध करता है जिनका अंतर्राष्ट्रीय कानून में कोई आधार नहीं है और जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा अधिकृत नहीं हैं।।

बैंक खाते में चार नॉमिनी जोड़ने का मिलेगा विकल्प

नई दिल्ली(वार्ता)। अगले महीने से बैंक ग्राहक अपने खाते में अधिकतम चार नॉमिनी का विकल्प चुन सकेंगे। इस सुविधा का मकसद बैंकिंग प्रणाली में दावों के निपटान में एकरूपता और दक्षता सुनिश्चित करना है। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक बयान में इस फैसले की जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत नामांकन से संबंधित प्रमुख प्रावधान 1 नवंबर 2025 से प्रभावी होंगे। बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम 2025 को 15 अप्रैल 2025 को अधिसूचित किया गया था। इसमें पांच कानूनों- भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 और बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम 1970 और 1980 - में किए गए कुल 19 संशोधन शामिल हैं।

आईपीएस सेक्स स्कैंडल

अधिकारी चाहे कोई भी हो, जांच में शिकायत सही मिली तो कार्रवाई निश्चित : सीएम साय

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही /नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आईपीएस रतन लाल डांगी पर लगे आरोपों के संदर्भ में सख्त लहजे में कहा कि चाहे कोई भी अधिकारी हो। अगर आरोप लगे हैं तो उस पर जांच होगी, और अगर जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो निश्चित ही कार्रवाई होगी। मरवाही विधायक प्रणव मरपच्ची की माता के निधन के पश्चात आयोजित तेरहवीं कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के साथ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पहुँचे थे। इस अवसर पर पत्रकारों के आईपीएस रतन लाल डांगी पर लगे यौन उत्पीडऩ से जुड़े सवाल पर सीएम ने जवाब दिया। बता दें कि एक सब इंस्पेक्टर की पत्नी ने 2003 बैच के आईपीएस अधिकारी रतनलाल डांगी पर बीते सात सालों से उत्पीडऩ का आरोप लगाते हुए कई आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य के साथ उच्च पदस्थ अधिकारियों से शिकायत की है. इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि साल 2017 में वह रतनलाल डांगी के संपर्क में आई थी। तब डांगी कोरबा एसपी के पद पर तैनात थे। शुरू-शुरू में सोशल मीडिया पर बातचीत शुरू हुई थी। रतनलाल डांगी की दंतेवाड़ा पदस्थापना के दौरान पीड़िता वीडियो काल के ज़रिए उन्हें योगा सिखाया करती थी। दंतेवाड़ा के बाद रतनलाल डांगी का तबादला राजनांदगांव हो गया। तब भी वह संपर्क में बनी रही।

पीड़िता ने यह आरोप लगाया है कि सरगुजा आईजी बनने के बाद रतनलाल डांगी ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया। बिलासपुर आईजी बनने के बाद यह सिलसिला लगातार बढ़ता चला गया। उच्च पदस्थ अफसरों से की गई शिकायत में पीड़िता ने यह आरोप लगाया है कि रतनलाल डांगी अपनी पत्नी की ग़ैर मौजूदगी में उसे बंगले पर बुलाते थे।

सीनियर आईपीएस रतनलाल डांगी पर यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप, 7 सालों से शोषण का दावा

छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। सीनियर आईपीएस अधिकारी रतनलाल डांगी पर एक सब-इंस्पेक्टर (एसआई) की पत्नी ने यौन उत्पीडऩ का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने दावा किया है कि पिछले सात वर्षों से डांगी द्वारा उसका शारीरिक और मानसिक शोषण किया जा रहा है। इस शिकायत ने न केवल विभाग में सनसनी फैला दी है, बल्कि पुलिस मुख्यालय को भी जांच के लिए बाध्य कर दिया है। महिला ने 15 अक्टूबर को

डीजीपी से सीधे शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद आईजी आनंद छाबड़ा को जांच सौंपी गई। दूसरी ओर, डांगी ने इसे ब्लैकमेल की ◘ शेष पृष्ठ 6 पर

पीड़िता का दर्दभरा बयान: 7 सालों से चला आ रहा उत्पीड़न

पीड़िता ने अपनी शिकायत में विस्तार से बताया कि यह सिलसिला 2017 में कोरबा से शुरू हुआ, जब रतनलाल डांगी वहां एसपी के पद पर तैनात थे। शुरुआत सोशल मीडिया पर सामान्य बातचीत से हुई, जो धीरे-धीरे व्यक्तिगत हो गई। दंतेवाड़ा में डांगी की पोस्टिंग के दौरान पीड़िता वीडियो कॉल पर उन्हें योग सिखाती थी। ◘ शेष पृष्ठ 6 पर

टॉप 9 माओवादी कमांडर ढेर

नक्सलवाद के खिलाफ अंतिम लड़ाई, संगठन की रीढ़ टूटी

■ अब पुनर्गठन की चुनौती

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर से लेकर झारखंड तक माओवादी संगठन के शीर्ष कमांडरों के खात्मे से संगठन की नींव हिल चुकी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के सख्त रुख और लगातार चल रहे ऑपरेशनों ने माओवादियों के नेटवर्क को झटका दिया है। सिर्फ इस साल, सुरक्षा बलों ने देशभर में टॉप 9 माओवादी कमांडरों को अलग-अलग मुठभेड़ों में ढेर किया है। इनमें से चार बड़े कमांडर सिर्फ बस्तर क्षेत्र में मारे गए।

सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभाला: केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा माओवादी ◘ शेष पृष्ठ 6 पर

टाइमलाइन: कब, कहां और कौन मारा गया

21 जनवरी 2025, गरियाबंद (कुल्हाड़ी घाट) : केंद्रीय समिति सदस्य जयराम उर्फ़ चलपति को सुरक्षा बलों ने भालू डिग्गी जंगल में मुठभेड़ के दौरान मार गिराया।

21 अप्रैल 2025, झारखंड (बोकारो): केंद्रीय समिति सदस्य विवेक दा उर्फ प्रयाग मांझी को पुलिस ने लुगु पहाड़ इलाके में ढेर किया।

पखांजूर महला कैंप में मची हलचल

50 नक्सलियों के साथ सीसी मेंबर रामधेर ने किया सरेंडर!

उत्तर बस्तर में सक्रिय सीसी मेंबर रामधेर के अपने 50 नक्सली साथियों के साथ महला कैंप में आत्मसमर्पण की खबर है। सभी नक्सलियों पर कुल मिलाकर 50 लाख रुपए का ईनाम बताया जा रहा है। पखांजूर से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर महला कैम्प में सुबह से हचलच मची हुई है। बड़े नक्सली नेता सोनू उर्फ भूपति के बाद रूपेश के आत्मसमर्पण के बाद अब तीसरी कड़ी में सीसी मेंबर रामधेर का नाम शामिल हो गया है। उसकी संगठन पर पकड़ का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वह अकेले नहीं बल्कि अपने 50 साथियों के साथ नक्सली विचारधारा को त्याग कर समाज की मुख्य धारा में शामिल होने के लिए आत्मसमर्पण कर रहा है।

"मोदीज मिशन' : वडनगर से प्रधानमंत्री कार्यालय तक के सफर पर किताब होगी लॉन्च

नई दिल्ली (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की असाधारण जिंदगी और राजनीतिक सफर पर लिखी गई बायोग्राफी की लिस्ट में 'मोदीज मिशन नाम की एक नई किताब भी शामिल होने वाली है। इस किताब को शुक्रवार को मुंबई में लॉन्च किया जाएगा। जाने-माने लेखक बर्जिस देसाई की लिखी यह किताब, वडनगर में एक साधारण बचपन से लेकर प्रधानमंत्री ऑफिस (पीएमओ) तक पीएम मोदी के असाधारण सफर के बारे में है।

महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत शुक्रवार को किताब को रिलीज करेंगे। इस इवेंट में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के अलावा कई जाने-माने लोग भी शामिल होंगे। लेखक के मुताबिक, 'मोदीज मिशन कोई बायोग्राफी नहीं, बल्कि आइडिया की कहानी है। किताब में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बड़ी मुश्किलों और अनगिनत चुनौतियों के बावजूद देश को जगाने वाले एक जरिया के तौर पर उभरने पर बात की है। इस किताब में पीएम मोदी के बचपन और जवानी के शुरुआती अनुभवों के बारे में बताया गया है, जिसने उनकी सामाजिक-आर्थिक सोच और गवर्नेंस को लेकर उनके नजरिए को बनाया है। यह किताब उन झूठों को 'बेनकाब करने की कोशिश करती है, जो इंटेलेक्चुअल एलीट के एक हिस्से ने गवर्नेंस को 'पटरी से उतारने के लिए पीएम मोदी के बारे में फैलाए हैं। यह किताब भारत के सांस्कृतिक गर्व को मजबूत करने और एक अच्छा वेलफेयर स्टेट बनाने के लिए पीएम मोदी की लगातार कोशिशों का एक पूरा लेकिन आसान ब्यौरा भी देती है। यह इस बात पर भी रोशनी डालती है कि कैसे पीएम मोदी की लीडरशिप ने भारत की समग्र एकाग्रता को बढ़ाया और पारदर्शी, परिणाम से जुड़े शासन को पक्का किया। भारतीय अर्थव्यवस्था के फॉर्मलाइजेशन से लेकर आर्टिकल 370 को हटाने तक, यह किताब पीएम मोदी के बड़े फैसले लेने के तरीकों को बताती है।

महागठबंधन का एलान: तेजस्वी मुख्यमंत्री का चेहरा

पटना (वार्ता)। बिहार चुनाव को लेकर महागठबंधन ने गुरुवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद के चेहरों का एलान कर दिया। महागठबंधन ने स्पष्ट कहा कि पूरा गठबंधन एकजुट है। बिहार में बदलाव लाने के लिए तैयार है। महागठबंधन में मुख्यमंत्री का चेहरा तेजस्वी यादव होंगे। वहीं मुकेश सहनी को महागठबंधन ने उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया है। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि, सरकार बनने पर अन्य वर्गों से भी उपमुख्यमंत्री बनाएं जाएंगे। सभी दलों ने एक स्वर में कहा कि भारी बहुमत से हमलोग सरकार बनाने जा रहे हैं। वहीं वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि हमलोग पिछले साढ़े तीन साल से इस समय का इंतजार कर रहे थे। हमलोगों ने प्रण लिया था कि जब ◘ शेष पृष्ठ 6 पर

हाईकोर्ट ने पलटा ट्रायल कोर्ट का फैसला, सभी सातों आरोपी बरी

■ जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की डिविजन बेंच ने सुनाया फैसला

बिलासपुर /नवप्रदेश । महासमुंद जिले के बहुचर्चित अविनाश पांडेय हत्या मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। यह फैसला जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की डिविजन बेंच ने सुनाया। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के पहले के फैसले को पलटते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष अपने आरोप साबित करने में असफल रहा।

बता दें कि यह मामला जून 2013 का है, जब अविनाश पांडेय गंभीर रूप से घायल अवस्था में एफसीआई गोदाम, बागबहरा के पास पाया गया था। शुरुआती जांच में पुलिस ने इसे सड़क दुर्घटना

माना था, लेकिन बाद में हत्या का मामला दर्ज कर सात आरोपियों विश्वजीत राय, सनी राय, संटू राय, रवि चंद्राकर, रवि खरे, मनीष सोनी और ढाबा कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा चलाया गया।

हमले के ठोस प्रमाण नहीं मिले

हाईकोर्ट ने डॉक्टरों की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि घायल अवस्था में मिली चोटें सड़क दुर्घटना से मेल खाती हैं और किसी हमले के ठोस प्रमाण नहीं मिले। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अभियोजन की कहानी संदेह से परे साबित नहीं होती और कथित मौखिक या लिखित डाइंग डिक्लेरेशन भी कानूनन भरोसेमंद नहीं है। अदालत ने संदेह का लाभ देते हुए सभी आरोपियों को बरी कर दिया।

बयान विरोधाभासी और अविश्वसनीय

आरोपियों की अपील पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पाया कि अभियोजन पक्ष के मुख्य गवाह मुकेश शर्मा का बयान विरोधाभासी और अविश्वसनीय है। कोर्ट ने कहा कि गवाह खुद घटना स्थल से भाग गया था, कई दिन बाद अपना बयान दिया और मृतक का मोबाइल फोन अपने पास रखा। इसके अलावा, मृतक के पिता और मामा सहित अन्य गवाहों ने घटना की जानकारी होने के बावजूद पुलिस को समय पर सूचित नहीं किया।

गरमा - गरम

सुरक्षा व्यवस्था पर जोर

उप मुख्यमंत्री साव के साथ वन मंत्री कश्यप और वित्त मंत्री चौधरी थे मौजूद

राज्योत्सव में पीएम का आगमन ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां

रायपुर /नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप और वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के साथ राज्योत्सव व प्रधानमंत्री के नवा रायपुर प्रवास की तैयारियों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप और वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के साथ राज्योत्सव व प्रधानमंत्री के नवा रायपुर प्रवास की तैयारियों की समीक्षा की

उप मुख्यमंत्री अरुण साव उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप तथा वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के साथ राज्योत्सव तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नवा रायपुर प्रवास की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने राज्योत्सव की तैयारियों में जुटे अधिकारियों ◘ शेष पृष्ठ 6 पर

पीएम के आगमन को ऐतिहासिक और यादगार बनाना

उप मुख्यमंत्री साव ने अधिकारियों को संपूर्ण आयोजन में किसी भी तरह की कोताही न बरतते हुए पूरी क्षमता और योग्यता से समय पूर्व सभी तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की स्थापना के रजत जयंती वर्ष में राज्योत्सव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन को ऐतिहासिक और यादगार बनाना है। इसके लिए तैयारियों में कोई कोर-कसर न छोड़ें। प्रधानमंत्री के प्रवास के दौरान सभी कार्यक्रमों के भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए तेजी से कार्य ◘ शेष पृष्ठ 6 पर

लोकेशन एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

उप मुख्यमंत्री साव तथा मंत्रीद्वय केदार कश्यप और ओ.पी. चौधरी ने राज्योत्सव के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं के प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम स्थल पर सेक्टर्स की स्थिति, बैठक क्षमता, परिक्रमा पथ के लोकेशन एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में पुलिस बल की तैनाती, पार्किंग व्यवस्था व पेयजल व्यवस्था के साथ ही वीवीआईपी सेक्टर की क्षमता, सुव्यवस्थित पहुंच मार्ग तथा सभी कार्यक्रमों के व्यवस्थित आयोजन की रुपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा हुई। आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, रायपुर के कलेक्टर डॉ. गौरव ◘ शेष पृष्ठ 6 पर

रोहित की मेहनत पर फिर पानी; सीरीज गंवाई

भारत का एडिलेड में 17 साल से चला आ रहा विजयी अभियान थमा

एडिलेड (वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दो विकेट से हराकर 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। गुरुवार एडिलेड में खेले गए रोमांचक मुकाबले में भारत ने रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 50 ओवर में नौ विकेट पर 264 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 46.2 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ भारत का एडिलेड में चला आ रहा विजयी अभियान थम गया। इससे पहले भारत ने 2008 के बाद से इस मैदान पर कोई मैच नहीं हारा था। भारत ने आखिरी बार फरवरी, 2008 में एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया

के खिलाफ 50 रन से हार झेली थी। 2019 के बाद पहली बार इस मैदान पर भारत एडिलेड में वनडे मैच खेलने उतरा था। **भारतीय गेंदबाजी पर भारी पड़े शॉर्ट और कॉनोली:** लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 54 रन के स्कोर पर दो विकेट गंवा दिए थे, लेकिन मैथ्यू शॉर्ट ने पारी को संभाला और अर्धशतक लगाने में सफल रहे।

बिहार चुनाव में 4 'सी' फैक्टर...जो गठबंधन रहा हावी, वही जीतेगा बाजी

गठबंधन की एकजुटता बनाम कलह

एनडीए समन्वय के मामले में विपक्ष से आगे दिख रहा है। हालांकि 'हम' और रालोमो जैसे छोटे सहयोगियों ने सीट बंटवारे पर नाखुशी जताई थी, लेकिन समझौते के बाद वे संयुक्त रूप से प्रचार कर रहे हैं। दूसरी ओर, विपक्षी गठबंधन सहयोगियों के बीच मुद्दों को सुलझाने के लिए जूझ रहा है। आखिरी समय में वीआईपी और आईआईपी (एक नई पार्टी) जैसे सहयोगियों को शामिल करने के कारण सीटों के बंटवारे में देरी हुई, जिसके परिणामस्वरूप 11 सीटों पर विपक्षी दलों के एक से अधिक उम्मीदवार खड़े हैं।

जातिगत गणित पर गहन फोकस

बिहार चुनाव में हमेशा से जाति सबसे ऊपर रही है, लेकिन इस बार हर पार्टी अपने मूल मतदाताओं को मजबूती से साधने की कोशिश कर रही है। बिहार चुनाव में इस बार 4 सी- कास्ट, कैंडिडेट, कैश और कोऑर्डिनेशन फैक्टर महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

पटना/ए.। 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव कई मायनों में 2020 से अलग है, जब एनडीए ने 125 सीटें और 37.26 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया था, जबकि विपक्षी महागठबंधन को 110 सीटें (37.23 प्रतिशत वोट शेयर) मिली थीं। इस बार, नीतीश कुमार की लोकप्रियता में कमी और भाजपा के नए सहयोगियों के साथ प्रयोग (चिराग पासवान की लोजपा-आरवी और उपेंद्र कुशवाहा की रालोमो) के कारण एनडीए एक नया प्रयोग कर रहा है। वहीं, तेजस्वी यादव की युवा अपील, कांग्रेस, भाकपा (माले) और वीआईपी के साथ गठबंधन मिलकर महागठबंधन की ताकत को परिभाषित कर रहे हैं।

एनडीए का समीकरण

भाजपा और जदयू दोनों 101-101 सीटों पर लड़ रहे हैं। भाजपा ने अपनी मुख्य उच्च जाति की मतदाता आधार पर भरोसा करते हुए अधिकतम 49 उच्च जाति के उम्मीदवारों को टिकट दिया है। वहीं, जदयू की मुख्य ताकत ईबीसी, ओबीसी और एससी हैं। जदयू ने अपने 101 टिकटों में से 74 टिकट ओबीसी, ईबीसी और एससी को दिए हैं, जिसमें नीतीश के समर्थक माने जाने वाले लव-कुश (कुर्मी-कुशवाहा) समुदाय को 25 टिकट मिले हैं।

महागठबंधन का दांव

राजद ने 143 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, जिसमें उसका एम-वाई (मुस्लिम-यादव) फैक्टर अभी भी मजबूत है। पार्टी ने 50 यादव और 18 मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। हालांकि, पार्टी ने अन्य प्रमुख ओबीसी समूहों (लव-कुश से 18) और उच्च जातियों (14 उम्मीदवार) में भी सेंध लगाने की कोशिश की है। कांग्रेस ने अपने पुराने आधार (उच्च जाति, दलित और मुस्लिम) पर लौटते हुए 61 में से 21 उच्च जाति, 12 एससी और 10 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं।

मुफ्त घोषणाओं का नया चलन

इस चुनाव में 'मुफ्त उपहार' की संस्कृति पहली बार बड़े पैमाने पर देखी जा रही है। नीतीश कुमार ने 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत महिलाओं को 10,000 रुपये, सभी पेंशनभोगियों के लिए पेंशन में वृद्धि, और 'श्रम कार्ड' वाले श्रमिकों के लिए 5,000 रुपये देने की घोषणा की है। दूसरी तरफतेजस्वी यादव ने 'माई बहन योजना' के तहत महिलाओं को 2,500 रुपए प्रति माह, हर परिवार में एक सरकारी नौकरी और संविदा कर्मचारियों को स्थायी दर्जा देने का वादा किया है। यह छोटा चुनावी अभियान, जहां पार्टियां अपने मूल आधार को मजबूत करने और गैर-पारंपरिक मतदाताओं को लुभाने के लिए पूरी ताकत लगा रही हैं, यह तय करेगा कि बिहार की सत्ता की चाबी किसे मिलती है।

कुछ लोग सत्ता में रहते हुए सिर्फ अपने परिवार के लिए काम करते रहे

सिवान/गोपालगंज(आईएएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान को तेज करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को सिवान और गोपालगंज जिले में ताबड़तोड़ जनसभाओं को संबोधित किया। एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित विशाल सभाओं में नीतीश कुमार ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और विपक्ष पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने जनता से एनडीए को भारी मतों से जिताने की अपील की। सिवान की सभा को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने कहा, ÷2005 से पहले बिहार में अपराध और भय का राज था। लोग शाम को घर से निकलने में डरते थे, लेकिन अब कानून का राज कायम है। कोई अपराधी बच नहीं सकता, व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है। उन्होंने राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए बताया कि सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम हुए हैं। 10 लाख सरकारी नौकरियां दे चुके हैं, अब लक्ष्य 40 लाख रोजगार का है। एक करोड़ 21 लाख महिलाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। सीएम नीतीश कुमार ने नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, पेंशन राशि 400 से बढ़ाकर 1,100 रुपए, मुफ्त बिजली (125 यूनिट तक) और सोलर ऊर्जा योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने मुस्लिम समुदाय और अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए शिक्षा सुधार और वेतनमान बढ़ोतरी का उल्लेख करते हुए कहा, ÷मुस्लिमों के लिए कब्रिस्तान की घेराबंदी की गई, तो मंदिरों की चारदीवारी भी बनवाई गई है।

रक्षा मंत्रालय ने 79 हजार करोड़ के सौदे को दी मंजूरी

आधुनिक हथियारों से थर-थर कांपेंगे दुश्मन देश

नौसेना की बढ़ेगी समुद्री शक्ति व वायुसेना को मिलेगा अत्याधुनिक सिस्टम

नई दिल्ली। देश की सुरक्षा क्षमताओं को और अधिक मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने करीब 79 हजार करोड़ रुपये के रक्षा सौदों को मंजूरी दी है। इस निर्णय से थलसेना, नौसेना और वायुसेना की युद्धक क्षमता में जबरदस्त इजाफा होगा। यह मंजूरी आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में भी एक अहम कदम मानी जा रही है।

23 अक्तूबर 2025 को नई दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक में हुई इस अहम बैठक में तीनों सेनाओं की कई परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। इस मंजूरी में भारतीय थलसेना के लिए

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इन सभी प्रस्तावों से भारत की रक्षा क्षमताएं न केवल आधुनिक होंगी बल्कि स्वदेशी निर्माण को भी बढ़ावा मिलेगा। कई प्रणालियां देश में ही विकसित की जाएंगी, जिससे 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के उद्देश्यों को बल मिलेगा। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इन परियोजनाओं के लागू होने से भारत की तीनों सेनाएं एक नई ऊंचाई पर पहुंचेंगी और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार होंगी।

नाग मिसाइल सिस्टम एमके-II, ग्राउंड बेस्ड मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस सिस्टम और हाई मोबिलिटी व्हीकल्स की खरीद शामिल है। वहीं नौसेना और वायुसेना के लिए भी कई उन्नत हथियार प्रणालियों को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं के लागू होने से भारत की रक्षा तैयारियों में बड़ी छलांग लगने वाली है।

नौसेना को मिली स्वदेशी तकनीक से बनी पहली एंटी-सबमरीन युद्धपोत

भारत की नौसैनिक शक्ति को मजबूती देने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने भारतीय नौसेना को स्वदेशी रूप से निर्मित पहली एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट 'माहे' को सौंप दिया है। यह आठ युद्धपोतों की श्रृंखला में पहला जहाज है, जिसे गुरुवार को कोच्चि में औपचारिक रूप से नौसेना को डिलीवर किया गया।

इस मौके पर सीएसएल के निदेशक डॉएस हरिकृष्णन और 'माहे' के कमांडिंग ऑफिसर कमांडर अमित चंद्र चौबे के बीच हस्ताक्षर हुए। इस दौरान वेस्टर्न नेवल कमांड के चीफ स्टाफ ऑफिसर रियर एडमिरल आर. अधिस्त्रीनिवासन, वॉरशिप प्रोडक्शन सुपरिंटेंडेंट कमोडोर अनुप मेनन और नौसेना व सीएसएल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

थलसेना को नई ताकत

थलसेना के लिए स्वीकृत नाग मिसाइल सिस्टम एमके-II दुश्मन के टैंकों, बंकरों और अन्य किलेबंद ठिकानों को नष्ट करने में सक्षम है। यह मिसाइल सिस्टम 'ट्रैक्ड वर्जन' में होगा, जिसे कठिन इलाकों में भी आसानी से तैनात किया जा सकेगा। ग्राउंड बेस्ड मोबाइल सिस्टम सेना को दुश्मन की रेडियो तरंगों और इलेक्ट्रॉनिक उत्सर्जनों की 24 घंटे निगरानी की क्षमता देगा, जिससे खुफिया जानकारी जुटाने की गति और सटीकता बढ़ेगी। वहीं हाई मोबिलिटी व्हीकल्स से रसद आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा, जिससे सैनिकों तक भारी सामान और उपकरण कठिन भौगोलिक इलाकों में भी पहुंचाए जा सकेंगे।

एक वोट हटवाने की कीमत 80 रुपए' एसआईटी जांच में खुलासा

छह संदिग्धों पर कसा शिकंजा,छापेमारी और सबूतों की बरामदगी

बंगलूरू। कर्नाटक के कालाबुरगी जिले के आलंद विधानसभा क्षेत्र में हुए 'वोट चोरी' कांड की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने पाया है कि साल 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाता सूची से वोट डिलीट करने की साजिश रची गई थी। जांच में सामने आया कि प्रत्येक हटाए गए वोट के लिए संदिग्धों को ?80 का भुगतान किया गया था। अब एसआईटी ने इस घोटाले में छह लोगों को मुख्य संदिग्ध मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, आलंद क्षेत्र में करीब 6,994 वोट डिलीट करने के लिए आवेदन दिए गए थे। इनमें से ज्यादातर फर्जी थे। यह क्षेत्र कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का गृह जिला है और यहां से कांग्रेस विधायक बीआर पाटिल चुने गए हैं। पाटिल और मंत्री प्रियांक खरगे ने इस साजिश का खुलासा किया था और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को इसकी जानकारी दी थी। पाटिल के मुताबिक, डिलीट करने के लिए जो वोट चुने गए थे, वे अधिकतर दलित और अल्पसंख्यक वर्ग से जुड़े कांग्रेस समर्थक थे।

कांग्रेस की चेतावनी और एसआईटी की कार्रवाई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कई हफ्ते पहले नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस 'वोट चोरी' कांड को गंभीर चुनावी अपराध बताते हुए चेतावनी दी थी। राहुल गांधी ने आलंद के उदाहरण का हवाला देते हुए कहा कि मतदाता सूची से जानबूझकर वोट हटाने की कोशिशें लोकतंत्र के साथ धोखा हैं।

इसी के बाद कर्नाटक सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया, जिसकी जिम्मेदारी सीआईडी के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस बीके सिंह को सौंपी गई। एसआईटी ने अब तक करीब 30 लोगों से पूछताछ की है, जिनमें से पांच से छह लोगों को मुख्य आरोपी के रूप में चिन्हित किया गया है। एसआईटी ने संदिग्धों से जुड़े डेटा सेंटरों पर छापेमारी की, जहां वोट डिलीट करने के लिए 'वॉइस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल' तकनीक का इस्तेमाल किया गया था।

समीकरण की पटरी पर चली गहलोत की गाड़ी साथ ही चल दिया कांग्रेस के फायदे वाला दांव

पटना। अंततः महागठबंधन की अंदरूनी बैठक में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जो लगातार सीएम फेस के खुलासे की बात कर रहे थे, उन्होंने अपनी जिद पास करवा ही ली। कांग्रेस बिहार चुनाव 2025 के एकदम मुहाने पर इस बात पर न केवल तैयार हुई बल्कि कांग्रेस के विशेष दूत पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तेजस्वी यादव के सीएम चेहरे का ऐलान भी कर दिया। कांग्रेस ने खुद ही तय कर दिया कि बिहार में चुनाव राहुल गांधी नहीं बल्कि तेजस्वी यादव के चेहरे पर लड़ा जाएगा। आखिर अंतिम पलों में इस घोषणा के पीछे की राजनीति क्या है? जानते हैं महागठबंधन

किस समीकरण को साधना चाहता है। बिहार में डैमेज कंट्रोल करने को आए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने साफ कह दिया कि तेजस्वी यादव हमारे सीएम के चेहरे होंगे और मुकेश सहनी उप मुख्यमंत्री। वे यहीं नहीं रुके बल्कि उप मुख्यमंत्री के नाम को ले कर मुकेश सहनी के नाम की घोषणा तो की ही, साथ ही यह भी कह डाला कि और भी डिप्टी सीएम होंगे। इस घोषणा के आधार पर जाएं तो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने पहले ही कहा था कि मुकेश सहनी उप मुख्यमंत्री होंगे पर इसके साथ एक मुस्लिम और एक दलित से भी उप मुख्यमंत्री होंगे। बिहार विधान सभा चुनाव के सापेक्ष इतना तो कहा ही जा रहा था कि सोशल इंजीनियरिंग के प्लेटफार्म पर महागठबंधन मजबूत है। रूड्ड समीकरण का मतलब ही करीब 32 प्रतिशत। अब इसने निषाद जाति के वोट को जोड़ दे तो मुकेश सहनी के अनुसार 12 प्रतिशत। अब दलितों की बात करें तो वह भी करीब 18 प्रतिशत। यानी कुल 62 प्रतिशत के लिए महागठबंधन ने ये किलेबंदी करने की कोशिश की है।

विधानसभा चुनाव के लिए एफएसटी और एसएसटी को सख्त निर्देश

भागलपुर(आईएएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए भागलपुर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। समाहरणालय भागलपुर के व्यय एवं अनुश्रवण कोषांग ने फ्लाइंग स्क्वायड टीम (एफएसटी) और स्टैटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) को सख्त निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में नकदी, शराब, रिश्वत, हथियारों और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना है।

जिला प्रशासन ने एफएसटी और एसएसटी को निर्देश दिया है कि नकदी, शराब, रिश्वत की वस्तुओं, हथियारों, या गोला-बारूद के परिवहन और वितरण से संबंधित किसी भी शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उड़न दस्ता (एफएसटी) को मौके पर पहुंचकर संदिग्ध गतिविधियों की जांच करनी होगी। यदि कोई अपराध होने की आशंका हो, तो एफएसटी के प्रभारी पुलिस अधिकारी नकदी, रिश्वत की वस्तुएं, या अन्य निषिद्ध सामग्री जब्त करेंगे। जब्ती के दौरान संबंधित व्यक्तियों और गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे, और साक्ष्य एकत्र किए जाएंगे। जब्त सामग्री का पंचनामा भारतीय नवीन संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के अनुसार तैयार किया जाएगा।

राजद का मतलब ही 'रंगदारी, जंगलराज और दादागीरी' : नड्डा

औरंगाबाद(आईएएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर अब प्रचार अभियान तेज होता जा रहा है। एनडीए के पक्ष में गुरुवार को चुनाव प्रचार के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा भी उतर गए। उन्होंने औरंगाबाद के गोह में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राजद शासनकाल को लेकर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि राजद अध्यक्ष लालू यादव और तेजस्वी यादव ने अपने कुशासन के बारे में एक शब्द नहीं बोला है और न ही अपने गुंडाराज को लेकर आज तक जनता से माफी मांगी।

उन्होंने राजद द्वारा बाहुबली पूर्व सांसद शहाबुद्दीन के बेटे को टिकट देने को लेकर कहा कि यह साफ बताता है कि ये बिहार में गुंडाराज लाना चाहते हैं। राजद का मतलब ही रंगदारी, जंगलराज और दादागीरी है। राजद का मतलब विनाश है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि बिहार की जनता ने एनडीए की सरकार बनाने का मन बना लिया है। इस चुनाव में साफ दिख रहा है कि विकास एनडीए के साथ और विनाश राजद के साथ। आज बिहार प्रगति के रास्ते पर तीव्र गति से चल पड़ा है। एनडीए सरकार में सड़क हो, रेल हो, बिजली हो, हर क्षेत्र में, हर दृष्टि से विकास को पटरी पर लाते सबने देखा है। पिछले 10 सालों में बिहार के लिए रेल का बजट 10 गुना बढ़ा दिया गया है। 26 वंदे भारत ट्रेनें बिहार से चलती हैं। इसी तरह अमृत भारत ट्रेन से लेकर रेलवे स्टेशन के निर्माण, पुनर्निर्माण तक, यहां बहुत काम हुआ है। इसी तरह दीपावली और छठ पर्व को लेकर पीएम मोदी के आशीर्वाद से भारत सरकार द्वारा 12 हजार ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

पीएम मोदी के मन में बिहार बसता है, छठ को दिलाया वैश्विक सम्मान

भागलपुर (आईएएनएस)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि बिहार राज्य का महापर्व छठ अब वैश्विक पहचान हासिल कर चुका है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर्व को यूनेस्को के पटल पर रखा, जो यह दर्शाता है कि बिहार पीएम मोदी के दिल में बसता है। झारखंड के गोड्डा लोकसभा क्षेत्र से सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को बिहार के भागलपुर का दौरा किया।

उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि छठ सिर्फ बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली या मुंबई तक सीमित नहीं है, बल्कि अब इसे मॉरीशस, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और अमेरिका जैसे देशों में भी मनाया जा रहा है। यह प्रधानमंत्री मोदी के बिहार के प्रति प्रेम और भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रचार को दर्शाता है।उन्होंने कहा, ÷21 जून को विश्व योग दिवस की शुरुआत भी पीएम नरेंद्र मोदी जी की पहल पर शुरू हुई।

नीतीश पर निर्भरता, नेतृत्व का भी संकट, भाजपा के लिए आज भी अभेद्य दुर्ग है बिहार

नई दिल्ली। बिहार में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। दो चरणों में चुनाव संपन्न होंगे। इस चुनाव में भाजपा और जेडीयू नीत गठबंधन एनडीए का आरजेडी-कांग्रेस नीत महागठबंधन से मुकाबला है। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज ने इस लड़ाई को तृकोणीय बनाने की कोशिश की है। एनडीए की बात करें तो इसका नेतृत्व इस चुनाव में भी नीतीश कुमार ही कर रहे हैं। भाजपा की निर्भरता अभी भी जेडीयू के मुखिया पर बनी हुई है।

बिहार के सियासी इतिहास पर

नजर डालें तो 1990 तक राज्य में कांग्रेस का वर्चस्व रहा। बीच में केवल दो छोटे अंतराल को छोड़कर। यही कारण है कि देश की सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद भाजपा अब तक बिहार में पूरे राज्य में व्यापक जनसमर्थन नहीं बना सकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल और पड़ोसी उत्तर प्रदेश में 2017 से भाजपा सरकार होने के बावजूद बिहार भाजपा के लिए अब भी एक 'अभेद्य दुर्ग' बना हुआ है।

नीतीश पर निर्भर भाजपा

इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए राजनीतिक विश्लेषक प्रेम कुमार मणि कहते हैं, "बिहार में कम्युनिस्ट, समाजवादी और जनसंघ/भाजपा का उदय कांग्रेस के प्रभुत्व वाले दौर में एक साथ हुआ। फिर भी भाजपा 'संपूर्ण बिहार' की पार्टी नहीं बन सकी। नीतीश कुमार पर 20 वर्षों से निर्भर रहना इस बात का सबूत है।"

उन्होंने बताया कि शाहाबाद और मगध (औरंगाबाद, गया, जहानाबाद, अरवल) जैसे क्षेत्र समाजवादी और वामपंथी आंदोलनों के केंद्र रहे हैं। भाजपा की 2020 विधानसभा चुनाव में यहां की 21 सीटों में सिर्फ दो पर जीत और पिछले लोकसभा चुनाव में एक भी सीट न जीत पाना इसकी सीमा दर्शाता है। मणि कहते हैं, ÷कोसी बेल्ट में नीतीश प्रभावशाली हैं, जबकि लालू प्रसाद यादव अब भी अपने मूल मुस्लिम-यादव वोट बैंक पर कायम हैं। इन परिस्थितियों में भाजपा को बिहार में सत्ता साझेदारी की जरूरत बनी हुई है।÷

1950 के दशक में भारतीय जनसंघ ने 1952 और 1957 के चुनावों में एक भी सीट नहीं जीती थी। पहली सफलता 1962 में मिली, जब उसने तीन सीटें सिवान, मुंगेर और नवादा जीतीं। 1967 में कांग्रेस विरोधी लहर के दौरान समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया और आरएसएस प्रमुख एम. एस. गोलवलकर की समझदारी से संयुक्त विधायक दल सरकार बनी। इसमें जनसंघ को 26 सीटें मिलीं और तीन मंत्री रामदेव महतो, विजय कुमार मित्रा और रुद्र प्रताप सारंगी बने।

स्कूल में चिकन, शराब पार्टी करने वाले दो शिक्षकों को डीईओ ने किया निलंबित

अतिथि शिक्षक की मेहमान नवाजी में मुर्गा मंगाकर कटवाया, बच्चों के सामने शराब पी, दी गालियां

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर जिले के एक सरकारी स्कूल में शराब-मुर्गा पार्टी करने का मामला सामने आया है। स्कूल के टीचरों ने मध्यान्ह भोजन के किचन में रसोइयों से मुर्गा मंगाकर कटवाया। फिर चिकन बनाकर पार्टी की। मामला मस्तूरी ब्लॉक के रहटाटोर प्राइमरी स्कूल का है। दरअसल अन्य स्कूल के हेडमास्टर ऑफिशियली अतिथि शिक्षक बनकर रहटाटोर के स्कूल पहुंचे थे। जहां उनकी मेहमानवाजी में ये पार्टी की गई। इसमें स्कूल के टीचर हेडमास्टर भी शामिल हुए। स्कूल के बच्चों ने बताया की सब बैठकर शराब पी रहे थे, जिसके बाद नशे में उन्होंने गाली गलौज भी की। मामला सामने आने पर जिला शिक्षा अधिकारी ने हेडमास्टर और टीचर को सस्पेंड कर दिया है।

दरअसल, घटना बीते 7 अक्टूबर की है। रहटाटोर स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में सामाजिक अंकेक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें आधिकारिक रूप में अतिथि बनकर मानिकचौरी मिडिल स्कूल के हेडमास्टर गोपीलाल मार्शल शामिल हुए। उनकी मेहमान नवाजी के बहाने हेडमास्टर राजेश्वर मरावी और सहायक शिक्षक मनोज नेताम ने मुर्गा पार्टी का आयोजन किया, जिसमें स्कूल के शिक्षकों को भी बुलाया गया। इस दौरान मुर्गा मंगाकर स्कूल के मध्यान्ह भोजन बनाने वाले रसोइयों से चिकन बनवाया गया। इससे पहले शिक्षकों ने दारू पार्टी भी की। स्कूली बच्चों ने बताया कि कार्यालय कक्ष में बैठकर प्रधान पाठक राजेश्वर मरावी, शिक्षक मनोज नेताम और एक अन्य शिक्षक ने शराब पी रहे थे। इस दौरान कक्षा में बच्चे और महिला रसोईयां भी मौजूद थीं। शराब के नशे में शिक्षक स्कूली बच्चों से गाली-गलौज करने लगे, जिससे बच्चे डर गए और घर चले गए। उन्होंने पूरी घटना की जानकारी अपने अभिभावकों को दी। जिस पर अभिभावक और जनप्रतिनिधि स्कूल पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने कहा कि स्कूल में विद्यार्थियों की कुल दर्ज संख्या 145 है और यहां चार शिक्षक पदस्थ हैं। लेकिन, शराबी प्रधान पाठक और शिक्षक की वजह से शैक्षणिक माहौल खराब हो गया है।

अभिभावकों और जनप्रतिनिधियों का भड़का आक्रोश

स्थानीय लोगों ने शिक्षकों के स्कूल में मुर्गा पार्टी और शराबखोरी करने की जानकारी मस्तूरी विकासखंड के शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को दी थी। लेकिन, उन्होंने इस मामले में कार्रवाई करना तो दूर सूचना तक मुख्यालय के अफसरों को नहीं दी। करीब 15 दिन बाद भी मामले में कार्रवाई नहीं होने पर स्थानीय लोगों के साथ ही जनप्रतिनिधियों ने आक्रोश जताया। साथ ही बच्चों और रसोइयों से जानकारी लेकर उनका वीडियो बनाया और इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। स्थानीय लोगों के साथ ही बच्चों ने बताया कि यह पहली बार नहीं है कि शिक्षक स्कूल में शराब पी रहे हैं। इससे पहले भी शिक्षक अक्सर नशे में स्कूल आते रहे हैं। गुटखा-खैनी खाते हैं और बच्चों से साफ-सफाई कराते हैं। पहले भी इन शिक्षकों के खिलाफ शिकायतें ब्लॉक शिक्षा कार्यालय तक पहुंच चुकी है। लेकिन, विभाग के अफसरों ने कार्रवाई करने के बजाय उनकी करतूतों को दबाने का प्रयास किया।

मामले को दबाने में जुटे रहे ब्लॉक के अधिकारी

स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिक्षकों के दारू-मुर्गा पार्टी करने का मामला सामने आने के बाद भी मस्तूरी विकासखंड के शिक्षा अधिकारी इस मामले को दबाने का प्रयास करते रहे। यही वजह है कि जानकारी के बाद भी उन्होंने इसकी सूचना जिला मुख्यालय के अफसरों को नहीं दी।

न्यूज गैलरी

देवकीनंदन दीक्षित सभागार मैदान में सुआ नृत्य कल से

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर में लोक संस्कृति की खुशबू बिखेरने तैयार है। दो दिवसीय छत्तीसगढ़ी सुआ नाच महोत्सव 2025 का आयोजन 25 और 26 अक्टूबर को देवकीनंदन दीक्षित सभागार मैदान में शाम 5 से रात 10 बजे तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक छत्तीसगढ़ महतारी वंदना से होगी। इसके बाद छत्तीसगढ़ के विभिन्न ग्रामीण और शहरी अंचलों से पहुंचे कलाकार सुआ नृत्य की विविध प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। कार्यक्रम की आयोजिका लता राठौर ने बताया कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं से दूर होती जा रही है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम उन्हें अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ना चाहते हैं।

छठ पूजा के दौरान पटना के तरफ आने व के लिए मिलेगी कंफर्म बर्थ, सीसीटीवी से लगातार निगरानी

दुर्ग-पटना, गोंदिया-पटना के मध्य एक फेरे के लिए छठ स्पेशल ट्रेन की सुविधा

बिलासपुर/नवप्रदेश। छठ पूजा के अवसर पर दुर्ग एवं पटना के मध्य रेल यात्रियो की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन के द्वारा छठ स्पेशल गाड़ी 08795/ 08796 दुर्ग-पटना-दुर्ग के मध्य एक-एक फेरे के लिये चलाई जा रही है । यह गाड़ी दुर्ग से 08795 नंम्बर के साथ 25 अक्टूबर को तथा पटना से 08796 नम्बर के साथ 26 अक्टूबर को चलेगी। इस गाड़ी में सभी श्रेणी में पर्याप्त संख्या में सीटें उपलब्ध है, यात्रीगण अपनी सुविधा अनुसार आरक्षण कर आरक्षित सीट का लाभ उठा सकते हैं। इस स्पेशल ट्रेन में 01 एसएलआरडी , 04 सामान्य, 04 स्लीपर, 08 एसी थ्री, 02 एसी थ्री इकॉनमी, 01 एसी टू तथा जनरेटर कार सहित कुल 21 कोच की सुविधा रहेगी।

छठ पूजा के अवसर पर छठ पूजा में शामिल होने जाने व आने वाले यात्रियो की विशेष सुविधा तथा उन्हे कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुनिश्चित करने हेतु रेलवे प्रशासन द्वारा छठ स्पेशल गाड़ी 08889/ 08890 गोंदिया-पटना-गोंदिया के मध्य एक-एक फेरे के लिये चलाई जा रही है। यह गाड़ी गोंदिया से 08889 नंम्बर के साथ 25 अक्टूबर को तथा पटना से 08890 नम्बर के साथ 26 अक्टूबर को चलेगी । इस गाड़ी में सभी श्रेणी में पर्याप्त संख्या में सीटें उपलब्ध है, यात्रीगण अपनी सुविधा अनुसार आरक्षण कर आरक्षित सीट का लाभ उठा सकते हैं। गाड़ी संख्या 08889 गोंदिया से दोपहर 12:30 बजे रवाना होकर डोंगरगढ़ 13.26 बजे, राजनांदगाँव 13.50 बजे, दूर्ग 14.45 बजे, रायपुर 15.35 बजे, भाटापारा 16.30 बजे, बिलासपुर 18.00 बजे, चांपा 19.00 बजे, रायगढ़ 20.10 बजे तथा झारसुगुड़ा 21.45 बजे होते हुये अगले दिन 16:30 बजे पटना स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08890 पटना से 18:10 बजे रवाना होकर रास्ते के ठहराव वाले स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन झारसुगुड़ा 14.23 बजे, रायगढ़ 15.28 बजे, चांपा 16.38 बजे, बिलासपुर 18.50 बजे, भाटापारा 19.40 बजे, रायपुर 21.50 बजे, दुर्ग 23.20 बजे होते हुए तीसरे दिन 3:00 बजे गोंदिया स्टेशन पहुंचेगी।

भीड़ नियंत्रण व रियल टाइम मॉनिटरिंग जारी

दीपावली और छठ पर्व पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल ने व्यापक प्रबंध किए हैं। मंडल से 9 फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जिनसे सवा लाख से अधिक कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराई जा रही है। भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त स्टाफ, आरपीएफ और सिविल डिफेंस टीमें 24 घंटे ड्यूटी पर हैं।

त्यौहारी सीजन में 12 हजार अतिरिक्त यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया

छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और भीड़ नियंत्रण के लिए व्यापक इंतज़ाम किए हैं। पिछले साल की तुलना में इस बार यात्रियों की संख्या करीब सात हजार से बढ़कर बारह हजार तक पहुंच गई है, जिसके मद्देनज़र स्टेशन परिसर में अतिरिक्त होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं ताकि भीड़ को नियंत्रित रखा जा सके ।रेलवे प्रबंधन के अनुसार बिलासपुर स्टेशन समेत उसलापुर और रायगढ़ स्टेशनों पर विशेष फेस्टिवल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। भीड़ के दबाव को कम करने के लिए कुछ रेगुलर ट्रेनों को अस्थायी रूप से स्पेशल ट्रेन में मिलाया गया है, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त सीटें और बेहतर सुविधा मिल सके। इसके अलावा टिकट बिक्री व्यवस्था को और पारदर्शी बनाने के लिए जनरल बुकिंग केंद्रों पर अतिरिक्त काउंटर खोले गए हैं ।स्टेशन परिसर में व्यवस्था बनाए रखने के लिए रेलवे सुरक्षा बल और जीआरपी की संयुक्त टीमों को चौबीसों घंटे तैनात किया गया है। सीसीटीवी और कंट्रोल रूम के माध्यम से हर प्लेटफॉर्म की निगरानी की जा रही है। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया दल भी अलर्ट पर है ।रेलवे अधिकारियों ने बताया कि फेस्टिवल सीजन में प्रतिदिन लाखों की संख्या में यात्री आवाजाही कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। स्टेशन पर बैरिकेडिंग, फूड स्टॉल्स, पेयजल और पब्लिक एनाउंसमेंट सिस्टम को दुरुस्त किया गया है। रेलवे का कहना है कि भीड़ प्रबंधन के ये प्रयास त्योहारों के दौरान यात्रियों की यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने में मददगार साबित होंगे।

यादव समाज ने श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया गोवर्धन पूजा

करगीरोड (कोटा)/ नवप्रदेश। रतनपुर में यादव समाज कल्याण समिति ने गोवर्धन पूजा का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया, जिसमें क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि के लिए कामना की। उक्त कार्यक्रम यादव समाज प्रांगण राधा कृष्ण मंदिर के पास आयोजित हुआ। गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण को समर्पित एक महत्वपूर्ण हिंदू त्यौहार है। गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत को उठाकर क्षेत्र में हो रही मूसलाधार बारिश से ग्रामीणों को आश्रय देने की पौराणिक कथा का उत्सव है। यह त्योहार आज भी भगवान कृष्ण के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए मनाया जाता है। यह संकट के समय प्रभु की शरण लेने और भगवान कृष्ण द्वारा अपने भक्तों की सहायता करने का प्रतीक है। यह कहानी प्रकृति की शक्तियों का सम्मान करने और यह हमेशा याद रखने की चेतावनी भी देती है कि मनुष्य होने के नाते हम प्रकृति माँ पर निर्भर हैं और हमें उनके द्वारा हमें दिए गए सभी आशीर्वादों के लिए कृतज्ञ होना चाहिए। इस अवसर पर मनबोध यादव, शिव यादव, बसंत यादव, डी सी यादव, कन्हैया यादव, राजा यादव, देवनारायण यादव, संतोष यादव, राजेश यादव, मनोज यादव, सुनीता यादव, शीलू यादव, चमेली यादव, पूनम यादव, सपना यादव, ईश्वरी यादव, सकुन गुप्ता, रामेश्वरी जैसवाल, किरण साहू, सरिता कश्यप, राधा सोनी यादव समाज एवं नगर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में उपस्थित रहे।

गोवर्धन पूजा अनुष्ठान

हिंदू धर्म के विभिन्न संप्रदायों के अनुसार गोवर्धन पूजा से जुड़ी रस्में अलग-अलग हैं। कुछ राज्यों में, इस विशेष दिन अग्नि, इंद्र और वरुण, जो अग्नि, वज्र और समुद्र के देवता हैं की भी पूजा की जाती है। इस दिन गोवर्धन पर्वत के आकार का गोबर का ढेर बनाकर उसे फूलों से सजाया जाता है। जल, धूप, फल और अन्य नैवेद्य अर्पित करके पूजा की जाती है। यह पूजा सुबह जल्दी या देर शाम की जाती है। इस दिन कृषि में लोगों की मदद करने वाले बैल और गाय जैसे पशुओं का सम्मान किया जाता है। इस दिन गोवर्धन पर्वत की पूजा स्वयं भगवान के रूप में की जाती है। गोबर से एक प्रतिमा बनाकर उसे ज़मीन पर स्थापित किया जाता है।

निजी स्कूलों में दाखिला के लिए ऑनलाइन आवेदन 30 तक

बिलासपुर/नवप्रदेश। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार की श्रेष्ठ योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में निजी आवासीय स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए अनुसूचित जाति वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों से 30 अक्टूबर तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गये है। योजना के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली निजी आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं एवं 11वीं में निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा।

स्काउट्स व गाइड्स ने 'जज्बा वेलफेयर सोसायटी' के साथ किया वस्त्रदान

बिलासपुर /नवप्रदेश। दीपावली पर्व पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स बिलासपुर द्वारा जज्बा वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से मुर्राभाठा क्षेत्र में वस्त्रदान एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों तक खुशियाँ पहुँचाना रहा।

कार्यक्रम स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा, राज्य सचिव जितेन्द्र कुमार साहू के मार्गदर्शन तथा जिला मुख्य आयुक्त चन्द्र प्रकाश बाजपेयी, जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला आयुक्त स्काउट विजय टांडे और राज्य संगठन आयुक्त स्काउट विजय कुमार यादव के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ गाइडर पुष्पा शर्मा एवं जिला संगठन आयुक्त गाइड डॉ. पूनम सिंह के सहयोग से स्काउट-गाइड ने क्षेत्र के गरीब परिवारों के बच्चों तक पहुँचकर कपड़े और खाने हेतु प्रसाद वितरित किया। जज्बा वेलफेयर सोसायटी से संजय मतलानी ने समाज सेवा के इस कार्य में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्काउट-गाइड के मानवीय प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम में रोवर स्काउट लीडर सूर्यकांत खूंटे, गाइड-काम्या मरकाम, खूशबू पटेल, प्राची बर्मन, प्रकाश साहू, दिव्य दास, आकृती सिंह जिले के स्काउट-गाइड, रोवर्स-रेंजर्स उपस्थित रहें।

एक ही परिवार के तीन सदस्यों को मिली पीएचडी की उपाधि

बिलासपुर/नवप्रदेश। डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में एक प्रेरणादायक और ऐतिहासिक क्षण देखने को मिला, जब एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने डॉक्टरेट (पीएचडी) की उपाधि प्राप्त कर समाज में शिक्षा, परिश्रम और समर्पण का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। यह गौरवशाली उपलब्धि डॉ. तविंदर पाल सिंह अरोरा के परिवार ने हासिल की है। डॉ. तविंदर पाल सिंह अरोरा ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग, उनके सुपुत्र डॉ. नवदीप सिंह अरोरा ने मैनेजमेंट, तथा उनकी पुत्रवधू डॉ. रमनदीप कौर अरोरा ने कंप्यूटर साइंस एवं इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, सांसद टोखन साहू, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार घोष, एवं अन्य गणमान्य अतिथि विशेष रूप से उपस्थित रहे। डॉ. तविंदर पाल सिंह अरोरा ने कहा कि यह उनके परिवार के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। उन्होंने बताया कि शिक्षा ही वह साधन है जो व्यक्ति और समाज दोनों को उन्नति के मार्ग पर ले जाती है। एक ही परिवार के तीन सदस्यों का पीएचडी प्राप्त करना उनके लिए सौभाग्य और प्रेरणा का विषय है। छत्तीसगढ़ में ऐसे परिवार बहुत कम हैं, जिनके एक ही घर में तीन पीएचडी उपाधि प्राप्त सदस्य हों। यह उपलब्धि न केवल परिवार, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है।

सीवीआरयू का प्रेरणादायी दीक्षांत समारोह

कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में संभागीय बैठक 29 को

बिलासपुर/नवप्रदेश। कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव की अध्यक्षता में खरीफ वर्ष 2025 की समीक्षा तथा रबी वर्ष 2025-26 के कार्यक्रम निर्धारण के लिए संभागीय बैठक 29 अक्टूबर को सवेरे 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार कोरबा में आयोजित होगी।

बैठक में संभागायुक्त बिलासपुर, संचालक कृषि, उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, पशुपालन, मछली पालन, समेती, प्रबंध संचालक, बीज निगम, मार्कफेड, बीज प्रमाणीकरण संस्था, अपेक्स बैंक, मण्डी बोर्ड, दुग्ध महासंघ, विद्युत वितरण कंपनी छ.ग., प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छ.ग. राज्य जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन एजेंसी, रायपुर, पंजीयक सहकारी संस्थाएं छ.ग., निर्देशक, अनुसंधान सेवाएं, विस्तार सेवाएं, इं.गां.कृ.वि.वि. रायपुर छ.ग., दाउ श्री कामधेनु, वि.वि. अंजोरा, दुर्ग, क्षेत्रीय प्रबंधक, नाबार्ड एवं विभागों के राज्य स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे।

पर्यटन | जिप्सी सफारी और एसी रिसॉर्ट रूम का किराया तय

1 नवंबर से खुल रहा अचानकमार टाइगर रिजर्व, दिखेंगे वन्य प्राणी

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े अचानकमार टाइगर रिजर्व (एटीआर) में वन्य प्राणियों को देखने और सैर-सपाटे का इंतजार खत्म होने वाला है। 1 नवंबर से एटीआर प्रबंधन पर्यटकों को जंगल घूमने की अनुमति देगा। इस बार प्रबंधन ने सैर-सपाटे को किफायती रखने के साथ-साथ सुविधाओं में भी इजाफा किया है। जानकारी के अनुसार, एटीआर की सैर दूसरे टाइगर रिजर्व की तुलना में सस्ती होगी, जिससे नेचर लवर्स की संख्या में और बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

एटीआर प्रबंधन ने पर्यटकों के लिए सैर-सपाटे की पूरी तैयारी कर ली है। वन्य प्राणियों के दीदार के लिए इस बार एक जिप्सी किराए पर लेने के लिए पर्यटकों को 3500 रुपए का भुगतान करना होगा। इसी तरह, टाइगर रिजर्व के अंदर बने रिसॉर्ट में एक कमरा बुक करने के लिए भी पर्यटकों को 3500 रुपए खर्च करने होंगे। मैकल पर्वत की गोद में फैला अचानकमार टाइगर रिजर्व खतरनाक वन्य प्राणियों का बसेरा है। इसके कोर और बफर एरिया में टाइगर, तेंदुआ, भालू, सोनकुत्ता और बाइसन जैसे वन्य प्राणी विचरण करते हैं। इसके अलावा, यहां चीतल, बारहसिंघा, सांभर और मोर भी बहुतायत में पाए जाते हैं। अफसरों के मुताबिक, एटीआर में 400 से अधिक प्रकार के पक्षियों का भी बसेरा है, जो पक्षी प्रेमियों के लिए एक बड़ा आकर्षण है। प्रबंधन को उम्मीद है कि बढ़ी हुई सुविधाओं और किफायती दरों के कारण इस बार पर्यटकों की संख्या में और ज्यादा इज़ाफा होगा।

एसी, एलईडी और होटल जैसी सुविधा

प्रबंधन ने इस बार पर्यटकों को जंगल में भी होटल जैसा अनुभव देने की तैयारी की है। बैगा रिसॉर्ट में उपलब्ध 24 कमरों का रंग-रोगन कर उन्हें अच्छी हालत में लाया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस बार रिसॉर्ट के हर कमरे में एसी और एलईडी की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे पर्यटकों को रुकने में कोई परेशानी न हो। वर्तमान में रिजर्व में 7 जिप्सी उपलब्ध हैं, जो पर्यटकों को कोर एरिया के अंदरूनी हिस्सों में ले जाकर वन्य प्राणियों की चहलकदमी दिखाएंगी।

सुविचार

बेशक आप तेजी से गुजरते समय को रोक नहीं सकते लेकिन उसे सही दिशा में मोड़ तो सकते हैं। - अज्ञात

प्रशांत किशोर की बौखलाहट

चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर जो जनसुराज पार्टी बनाकर इस बार खुद चुनावी अखाड़े में उतर चुके हैं वे इन दिनों बुरी तरह बौखलाए हुए हैं उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव के पूर्व लगातार 2 साल तक जमकर मेहनत की बिहार में पदयात्रा का नया कीर्तिमान रचा और फिर जनसुराज पार्टी बनाकर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया था। किन्तु अब उन्हें यह बात समझ में आ गई है कि चुनावी रणनीतिकार बनकर किसी पार्टी को चुनाव लड़ाना आसान है खुद अपनी पार्टी बनाकर चुनाव लड़ना बेहद मुश्किल है। यही वजह है कि उन्होंने पहले तो खुद ही विधानसभा चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया जबकि पूर्व में उन्होंने यह घोषणा की थी कि वे राघोपुर विधानसभा सीट से तेजस्वी यादव के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने राघोपुर में सैकड़ों वाहनों के साथ बड़ी रैली भी निकाली थी किन्तु येन नामांकन पत्र दाखिल करने के पूर्व उन्होंने खुद चुनाव लड़ने से यह कहकर इंकार कर दिया कि उनके चुनाव लड़ने से जनसुराज पार्टी के अन्य प्रत्याशियों का चुनाव प्रसार प्रभावित होगा। यदि ऐसा था तो उन्होंने पहले क्यों चुनाव लड़ने का एलान किया था। जाहिर है बिहार में अपनी और अपनी पार्टी की संभावित हार का एहसास होने के बाद उन्होंने खुद चुनाव न लड़ना बेहतर समझा। तालिक लाखों की बंद मुट्ठी खुलकर खाक की न हो जाये वे खुद चुनावी रणनीतिकार रहे हैं ऐसे में उनसे ज्यादा बेहतर ढंग से चुनावी हवा का रूख भला और कौन पहचान सकता है। शुरू में तो उन्होंने यह भी दावा किया था कि जनसुराज पार्टी की सरकार बनने जा रही है क्योंकि बिहार की जनता परिवर्तन चाहती है। लेकिन अब उन्होंने ऐसा दावा करना भी बंद कर दिया है। यही वजह है कि अब वे अपनी खीझ निकाल रहे हैं। उनकी बौखलाहट का आलम यह है कि वे मीडिया कर्मियों से ही भिड़ने लगे हैं। एक खबरिया चैनल को इंटरव्यू देने के दौरान प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव की पढ़ाई को लेकर टीका टिप्पणी की और यह कहा कि बिहार की जनता पढ़ा लिखा मुख्यमंत्री चाहता है तो टीवी एंकर ने प्रशांत किशोर से उनकी डिग्री पूछ ली तो इससे नाराज होकर प्रशांत किशोर ने इंटरव्यू अधूरा छोड़ दिया। एक अन्य पत्रकार द्वारा उनकी शैक्षणिक योग्यता पूछे जाने पर उन्होंने गुस्से में आकर खुद को अनपढ़ बता दिया था। प्रशांत किशोर की यह मनोदशा बताती है कि उन्हें अपनी नवगठित जनसुराज पार्टी की करारी हार का पूर्वानुमान लग गया है। इसी बौखलाहट में अब वे अनर्गल आरोप लगाने में लगे हैं ताकि वे चर्चा में बने रहे। उन्होंने केन्द्रीय गृहमंत्री पर आरोप लगा दिया है कि वे जनसुराज पार्टी के प्रत्याशियों को डरा धमका कर उन्हें चुनाव लड़ने से रोक रहे हैं। उन्होंने कहा है कि जनसुराज पार्टी के तीन प्रत्याशियों के साथ अमित शाह और बिहार के भाजपा चुनाव प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान ने बैठक की और उन्हें चुनाव मैदान छोड़ने पर विवश कर दिया। प्रशांत किशोर जैसे सुलझे हुए व्यक्ति से इतने छिछले बयान की किसी को उम्मीद नहीं थी। यह बात देश का बच्चा जान रहा है कि बिहार में सीधा चुनावी मुकाबला एनडीए और आईएनडीआईए के बीच होने जा रहा है। प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी तो इस दौड़ में कहीं नजर ही नहीं आ रही है। ऐसे में अमित शाह जनसुराज पार्टी के तीन प्रत्याशियों को भला चुनाव मैदान से बाहर करने के लिए दबाव बनाएंगे। यदि उन्हें ऐसा कोई दबाव बनाना ही होगा तो वे राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के प्रत्याशियों पर बनाएंगे जो एनडीए को कड़ी चुनौती दे रहे हैं। जाहिर है प्रशांत किशोर ने मीडिया की सुर्खियां बटोरने के लिए ही केन्द्रीय गृह मंत्री पर अनर्गल आरोप लगाया है ऐसा करके उन्होंने खुद अपनी ही पार्टी की ही फजीहत करा डाली है। उनके इस बयान का यह भी मतलब निकाला जा रहा है कि जनसुराज पार्टी सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। लेकिन उसमें सिर्फ तीन ही ऐसे प्रत्याशी थे जो चुनाव जीत सकते थे इसलिए उन्हें भाजपा ने दबाव डालकर मैदान से बाहर किया है। विपक्ष के नेता अब प्रशांत किशोर से सवाल कर रहे हैं। उन्होंने खुद किसके दबाव में आकर राघोपुर से चुनाव न लड़ने का फैसला किया था। कुल मिलाकर प्रशांत किशोर अपनी पार्टी की पराजय को भांप चुके हैं और बौखलाहट में कुछ भी बयान दे रहे हैं।

महेन्द्र तिवारी

तमिलनाडु की राजनीतिक पार्टियों के लिए भाषाई मुद्दा न केवल सत्ता की राजनीति का हथियार बना रहा है बल्कि यह क्षेत्रीय अस्मिता के प्रहरी की भूमिका अपना चुका है। विरोधी गुट सरकार के फैसले को 'राजनीतिक स्टंट' बताते हैं, तो समर्थक इसे तमिल स्वाभिमान की रक्षा के तौर पर प्रस्तुत करते हैं। सरकारी बयान के अनुसार, भविष्य में भी अगर हिंदी को अनिवार्य रूप से थोपने के प्रयास होंगे तो राज्य कानून के दायरे में रहकर कदम उठाएगा। फिलहाल जनता, व्यापारिक समुदाय, फिल्म उद्योग, और राजनीतिक दल इस विषय पर सतर्क हैं। तमिलनाडु में हिंदी विरोधी विधेयक का स्थगन संविधान, व्यापार और सामाजिक जटिलताओं को ध्यान में रखकर लिया गया निर्णय है, जो आने वाले समय में राज्य की भाषा नीति और केंद्र-राज्य संबंधों की दिशा को भी प्रभावित करेगा।

हिंदी के खिलाफ बिल: तमिलनाडु सरकार को क्यों लेना पड़ा यू-टर्न?

तमिलनाडु में हिंदी के खिलाफ राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन लंबे समय से राज्य की पहचानों और सांस्कृतिक स्वायत्तता का प्रतीक बनकर सामने आया है। हाल के घटनाक्रम में डीएमके नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने राज्य में हिंदी फिल्मों, हिंदी गानों और सार्वजनिक होर्डिंग्स तथा बोर्ड्स पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से एक नया विधेयक लाने की घोषणा की थी। इस प्रस्तावित बिल ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर बड़ी बहस और तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दिया।

मुख्यमंत्री एमकेस्टालिन और उनकी सरकार का तर्क था कि यह कदम तमिल भाषा और तमिल संस्कृति की रक्षा के लिए जरूरी है, जबकि विपक्ष और कानूनी विश्लेषकों ने इसे संविधान के विरुद्ध और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर आघात बताकर विरोध जताया।

बिल के मसौदे में यह स्पष्ट किया गया था कि पूरे तमिलनाडु में सार्वजनिक स्थानों, सिनेमाघरों, मीडिया, विज्ञापन होर्डिंग्स, और गानों में हिंदी के प्रयोग पर रोक होगी। डीएमके नेताओं का कहना था कि हिंदी का 'थोपना' तिरस्कारपूर्ण और तमिल आत्मसम्मान के विपरीत है। राज्य सरकार ने केंद्र शासन, खासकर भाजपा पर ये आरोप लगाए हैं कि त्रिभाषाफॉर्मूला और नई शिक्षा नीति के तहत हिंदी को दक्षिण भारत में जबरन लागू किया जा रहा है। इसी साल राज्य बजट के लोगो में भी भारतीय रुपया चिन्ह '₹' की जगह तमिल अक्षर '??' रखा गया था, जिसे तमिल पहचान और भाषा सम्मान का प्रतीक बताया गया।

हालांकि, सरकार द्वारा घोषणा के तुरंत बाद जबरदस्त राजनीतिक और कानूनी प्रतिक्रिया सामने आई। सरकारी सूत्रों के अनुसार, विधेयक पेश करने से पहले एक आपात कानूनी बैठक हुई, जिसमें तमिलनाडु बार और विभिन्न संवैधानिक विशेषज्ञों के सुझाव लिए गए। कई विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि विधेयक भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) और अनुच्छेद 343-351 (संघ की भाषाएँ) के तहत असंवैधानिक साबित हो सकता है। विपक्षी बीजेपी और तमिल फिल्म इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों

ने तर्क दिया कि यह कदम सिर्फराजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल हो रहा है और व्यापार, लोकप्रिय संस्कृति और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर नकारात्मक असर डालेगा। भाजपा नेता ने इसे मूर्खतापूर्ण और बेतुका बताया तथा इसे राज्य-स्तरीय भावना भड़काने वाला बताया।

जनता और फिल्मी समुदाय ने सोशल मीडिया और सार्वजनिक प्रसार माध्यमों पर इसकी आलोचना की। कई लोगों ने तमिलनाडु की भाषा नीति का समर्थन किया, लेकिन हिंदी के पूर्ण बहिष्कार को अनुपयुक्त और संकीर्ण सोच बताया। ऐसा माहौल बना कि तमिल पहचान की रक्षा और भाषाईबहुलता का संतुलन साधना एक मुश्किल राजनीतिक चुनौती है। साथ ही, यह भी आरोप लगे कि डीएमकेसरकार यह विवाद ऐसे समय ला रही है जब प्रशासन पर निवेश और रोजगार के कई अहम मसले लंबित हैं। विरोधियों ने इसे ध्यान भटकाने का हथकंडा करार दिया।

इन सारे दबावों के बीच सरकार को अपने फैसले की समीक्षा करनी पड़ी। 15 अक्टूबर को प्रस्तावित विधेयक को विधानसभा में रखने से पहले ही स्थगित कर दिया गया। एक बार फिर, सरकार ने बयान दिया कि वह संविधान की सीमा में रहकर ही कोई फैसला लेगी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा व्यापारिक-अधिकारों का सम्मान करेगी। राज्य के वरिष्ठ नेता ने कहा कि डीएमके हिंदी भाषा या उत्तर भारतीय संस्कृति का विरोध नहीं करता, बल्कि उसका विरोध उस प्रक्रिया से है जिसमें एक भाषा को जबरदस्ती थोपने का प्रयास हो। सामाजिक और कानूनी बहस के बाद प्रदेश सरकार ने बिल को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया।

तमिलनाडु की यह घटना भाषाई-सांस्कृतिक संवेदनशीलता, संविधान की रक्षा, कारोबार के व्यापक हित और जनभावना की जटिलता को फिर सामने लाती है। केंद्र सरकार के साथ राज्य का रिश्ता लंबे समय से भाषाई नीतियों के विवाद की वजह से तनावपूर्ण रहा है। दक्षिण भारत में खासकर तमिलनाडु ने हिंदी के "थोपे जाने" का दशकों से विरोध किया है, और यह मुद्दा सिर्फ स्कूलों या कार्यालयों की भाषा तक सीमित नहीं, बल्कि तमिल अस्मिता के रक्षार्थ व्यापक सामाजिक संघर्ष का हिस्सा बन चुका है। वर्तमान दौर में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ सांस्कृतिक विविधता और क्षेत्रीय पहचान के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। सार्वजनिक दबाव, व्यापारिक हित और कानूनी दायरे की टकराहट ने इस बार भी सरकार को कदम पीछे हटाने पर मजबूर कर दिया।

तमिलनाडु की राजनीतिक पार्टियों के लिए भाषाई मुद्दा न केवल सत्ता की राजनीति का हथियार बना रहा है बल्कि यह क्षेत्रीय अस्मिता के प्रहरी की भूमिका अपना चुका है। विरोधी गुट सरकार के फैसले को 'राजनीतिक स्टंट' बताते हैं, तो समर्थक इसे तमिल स्वाभिमान की रक्षा के तौर पर प्रस्तुत करते हैं। सरकारी बयान के अनुसार, भविष्य में भी अगर हिंदी को अनिवार्य रूप से थोपने के प्रयास होंगे तो राज्य कानून के दायरे में रहकर कदम उठाएगा। फिलहाल जनता, व्यापारिक समुदाय, फिल्म उद्योग, और राजनीतिक दल इस विषय पर सतर्क हैं। तमिलनाडु में हिंदी विरोधी विधेयक का स्थगन संविधान, व्यापार और सामाजिक जटिलताओं को ध्यान में रखकर लिया गया निर्णय है, जो आने वाले समय में राज्य की भाषा नीति और केंद्र-राज्य संबंधों की दिशा को भी प्रभावित करेगा।

संजीव ठाकुर

अक्टूबर 2025 में भारत ने काबुल में अपनी तकनीकी मिशन को पूर्ण दूतावास में परिवर्तित किया, जिससे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने का संकेत मिला और क्षेत्रीय संतुलन में भारत की भूमिका भी स्पष्ट हुई। पाकिस्तान ने इस कदम को लेकर भारत पर आरोप लगाए, लेकिन अफ़ग़ान अधिकारियों ने इसे निराधार बताया और स्पष्ट किया कि अफ़ग़ानिस्तान ने अपनी धरती का उपयोग कभी भी किसी अन्य देश के खिलाफ नहीं होने दिया। इसने यह संदेश दिया कि अफ़ग़ानिस्तान अब अपनी संप्रभुता के प्रति गंभीर है और किसी भी विदेशी दबाव में नहीं आएगा। अमेरिका की भूमिका इस परिदृश्य में निर्णायक रही है। अमेरिका ने पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच संघर्ष को कम करने और शांति स्थापित करने में सक्रिय मध्यस्थता की है।

अफ़गानिस्तान पाकिस्तान संघर्ष, भू-राजनीतिकरण का दबाव

अक्टूबर 2025 में अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर संघर्ष ने दक्षिण एशिया की सुरक्षा और कूटनीतिक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण बदलावों की ओर संकेत किया है। इस संघर्ष में अमेरिका की भूमिका और भारत पर प्रभाव की भूमिका को समझना आवश्यक है।

9 अक्टूबर 2025 को पाकिस्तान द्वारा अफ़ग़ानिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों में हवाई हमले किए गए, जिनमें काबुल, खोस्त, जलालाबाद और पक्तिका शामिल थे। इन हमलों का उद्देश्य पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) के नेता नूर वली मेहसूद को निशाना बनाना था। हालांकि, मेहसूद के जीवित रहने की पुष्टि होने के बाद, 11-12 अक्टूबर को अफ़ग़ान तालिबान ने पाकिस्तान की सीमा पर कई सैन्य चौकियों पर हमला किया। इस संघर्ष में दोनों पक्षों के सैकड़ों सैनिकों की मौत हुई। अमेरिका ने इस संघर्ष में मध्यस्थता की भूमिका निभाने की कोशिश की है। तुर्की और कतर की मदद से दोहा में हुई वार्ता में अमेरिका ने सकारात्मक भूमिका निभाई, जिससे दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम संभव हो सका। अमेरिका की यह सक्रियता दर्शाती है कि वह दक्षिण एशिया में स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत ने अफ़ग़ानिस्तान में अपनी कूटनीतिक उपस्थिति को फिर से स्थापित किया है। 21 अक्टूबर 2025 को भारत ने काबुल में अपनी तकनीकी मिशन को पूर्ण दूतावास में परिवर्तित किया, जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया गया। हालांकि, पाकिस्तान ने भारत पर अफ़ग़ानिस्तान में हस्तक्षेप का आरोप लगाया था, जिसे अफ़ग़ानिस्तान ने निराधार बताया है। अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान के बीच वर्तमान विरोधाभास केवल हाल की राजनीतिक घटनाओं का परिणाम नहीं है, बल्कि यह ऐतिहासिक संबंधों, भू-राजनीतिक समीकरणों और वैश्विक दबावों का संयोजन है। इतिहास में अफ़ग़ानिस्तान और भारत के बीच गहरा सांस्कृतिक और राजनीतिक जुड़ाव रहा है। प्राचीन और

मध्यकालीन समय में भारत का प्रभाव आधुनिक अफ़ग़ानिस्तान के क्षेत्रों तक फैला हुआ था, जिससे व्यापार, भाषा, कला और संस्कृति का व्यापक आदान-प्रदान संभव हुआ। यह साझा इतिहास दोनों देशों के बीच मित्रता और सहयोग की नींव था। अफ़ग़ानिस्तान के स्वतंत्र राष्ट्र बनने के बाद उसने अपने पड़ोसी पाकिस्तान के साथ दशकों तक सामरिक और राजनीतिक जुगलबंदी बनाए रखी। 1990 और 2000 के दशक में पाकिस्तान ने तालिबान को समर्थन दिया और अफ़ग़ानिस्तान के भीतर स्थिरता और पाकिस्तान के रणनीतिक हितों को जोड़ने का प्रयास किया। तालिबान के उदय के समय यह जुगलबंदी विशेष रूप से स्पष्ट हुई, क्योंकि पाकिस्तान ने दक्षिण एशिया में अपनी प्रभावशीलता बनाए रखने और अफ़ग़ानिस्तान में अपने हित सुरक्षित करने के लिए तालिबान का राजनीतिक और सैन्य समर्थन किया।

अक्टूबर 2025 तक, अफ़ग़ानिस्तान को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने वाले देशों की संख्या सीमित रही है। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने अफ़ग़ानिस्तान को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी है, जबकि पाकिस्तान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों ने तालिबान के अधीन अफ़ग़ानिस्तान को मान्यता दी थी। हालांकि, इन देशों ने 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद अपनी नीतियों में बदलाव किया है।

भारत ने अफ़ग़ानिस्तान को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी है, लेकिन तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद भारत ने अफ़ग़ानिस्तान के साथ अपने संबंधों में सतर्कता बरती है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अफ़ग़ानिस्तान को लेकर लाए गए एक प्रस्ताव पर वोटिंग से दूरी बनाई है, जिससे यह संकेत मिलता है कि भारत की विदेश नीति अब बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के अनुरूप अधिक व्यावहारिक हो रही है। अफ़ग़ानिस्तान की संप्रभुता को लेकर विभिन्न देशों की नीतियाँ समय के साथ बदलती रही हैं। आगामी कुछ वर्षों में, अफ़ग़ानिस्तान के अंतरराष्ट्रीय संबंधों और संप्रभुता की स्थिति में और बदलाव देखने को मिल सकते हैं, जो दक्षिण एशिया की भू-राजनीति पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे।

हालांकि, 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद यह सामंजस्य धीरे-धीरे विरोध में बदल गया। तालिबान सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान ने अपने रणनीतिक हितों के अनुसार समर्थन जारी रखा, लेकिन अफ़ग़ानिस्तान ने स्वतंत्र और संप्रभु नीतियों की दिशा में कदम बढ़ाए। अफ़ग़ान नेतृत्व ने यह स्पष्ट किया कि उसकी धरती का उपयोग किसी विदेशी शक्ति या आतंकवादी गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया जाएगा। इससे पाकिस्तान और तालिबान के बीच पुराने गठबंधनों को चुनौती मिली। इसके अलावा, अफ़ग़ानिस्तान ने क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए नए भू-राजनीतिक समीकरण अपनाए, जिसमें भारत और अन्य वैश्विक शक्ति केंद्रों के साथ सहयोग की संभावना शामिल थी। अमेरिका और अन्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के सक्रिय दबाव और समर्थन ने भी पाकिस्तान के पुराने रणनीतिक हितों को प्रभावित किया और अफ़ग़ानिस्तान को स्वतंत्र निर्णय लेने की दिशा में सशक्त बनाया। इस बदलाव का लाभ भारत ने भी उठाया। भारत ने अफ़ग़ानिस्तान में अपनी कूटनीतिक उपस्थिति को मजबूत किया और विकास एवं मानवीय परियोजनाओं में सक्रिय भूमिका निभाई।

सदगुरू बोधामृतम

सदगुरू ऋतेश्वर जी

- अपने घर के लिए विरले लोग सच्चे प्रेमी होते हैं।
- सच्चा प्रेमी होना विरले लोगों के जीवन में संभव है।
- ऐसे परिवार बनो, ऐसे मित्र बनो कि स्वयं भी बुद्धत्व की ओर और एक-एक परिवार का सदस्य बुद्धत्व की ओर, समझ की ओर।
- गुरु वचन सुनने में अच्छा लगा होगा तो जीने में भी अच्छा लगेगा और जी लोगे और ऐसा मूर्त रूप में हो जाएगा तो मौज ही मौज है, आनंद आनंद है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1793 फ्रेंच रिपब्लिकन कैलेंडर राष्ट्रीय सम्मेलन द्वारा अपनाया गया। 1795 पोलैंड के तीसरे विभाजन के परिणामस्वरूप, पोलिश-लिथुआनियाई राष्ट्रमंडल का अस्तित्व एक स्वतंत्र प्रतिमा के रूप में मौजूद था, जिसका क्षेत्र ऑस्ट्रिया, प्रशिया और रूस के बीच विभाजित था। 1855 वान डायमेन के भूमि का आधिकारिक तौर पर तस्मानिया नाम दिया गया। 1856 दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया ने संविधान को मान्यता दी। 1861 कैलिफोर्निया के जस्टिस स्टीफन जे फील्ड ने अमेरिकी राष्ट्रपति लिंकन को पहला अंतरमहाद्वीपीय टेलीग्राफ संदेश भेजा। 1901 एक स्कूल शिक्षक, अन्ना एडसन, नियाग्रा फॉल्स पर पहली सफल बैरल सवारी में सुरक्षित रूप से सवारी करता है। 1912 प्रथम बाल्कन युद्ध-सर्बियाई सेनाओं ने वरदार मैसेडोनिया में कुमानोवो की लड़ाई में तुर्क सेना को हराया। 1915 अमेरिकी शहर न्यूयॉर्क में 25 हजार महिलाओं ने मतदान के अधिकार के लिए प्रदर्शन किया। 1947 पाकिस्तान के पहले राष्ट्रपति ने आज़ाद कश्मीर को पाकिस्तान में स्थापित किया।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

दीवाली के दीप

दीवाली के दीप दें जीवन पुनित उजास लक्ष्मि पधारें आंगना ले वैभव उल्लास। अच्छाई की जीत हो दुष्ट गहें अवकाश रामराज पाए धरा द्वेष मुक्त आकाश।। हृदय अंधेरा दे मिटा तनुज जलाओ दीप जीवन तनय सँवार यूँ ज्यों मोती मह सीप।। अग्निपरीक्षा चल रही सदियों से है राम नारी तुम्हें दूषित ना मिले अब भोगी रही परिणाम।। तेरे मेरे राग में गई उमरिया बीत दूषित मन वीणा रचे कैसे जीवन गीत।। दीपोत्सव त्यौहार की हाथ जोड़ जय राम छोड़ मुबाइल फेसबुक तनिक करें विश्राम। - सतीश मैथिल तनुज

तुम आये याद

तुम आये याद हमेशा ही रौशनी की तरह ये और बात कि मिलते हो अजनबी की तरह न कोई फूल न तितली न कोई रंग हयात है आज ज़ीस्त भी तस्वीर-बेकशी की तरह मैं तन्हा रोई हूँ सावन की तरह रोती हूँ न सूख जाएं ये आँखें किसी नदी की तरह मैं घर को लौट रही हूँ कि शाम ढलने लगी कि दिल में बढ़ने लगी याद तीरगी की तरह कब आओगे कि उतरूँ तुम्हारा सदक़ा मैं कि जल रही हूँ शबो- रोज़ 'आरती' की तरह - आरती कुमारी

कि गोवर्धन को जिसने एक उँगली

कि गोवर्धन को जिसने एक उँगली पर उठाया है समर में ज्ञान गीता का भी अर्जुन को पढ़ाया है हरण जब द्रोपदी के चीर का होने लगा था तब बहन की लाज को कान्हा ने पापी से बचाया है। - *संजय कुमार गिरि

डिप्रेशन में जा रहा हूं या जा रही

डिप्रेशन में जा रहा हूं या जा रही हूं सुन कर मजाक न उड़ाये जीवन में कुछ भावात्मक पल हर इंसान के आते हैं कुछ लोग व्यक्त करते हैं कुछ अंदर ही रखते हैं। मशीनरी और इन्टरनेट की दुनिया में भाव शुन्य हर इंसान हो गया है जो नहीं हो पाया वो ही डिप्रेशन झेलता है। - सुनीता पुष्पराज पांडेय

लाता है खबरें नई ,रोज़ सुबह

लाता है खबरें नई ,रोज़ सुबह अखबार। कहीं जताए प्यार वह,कहीं करे तकरार।। कहीं करे तकरार ,बताए कैसा मौसम। खेती, कारोबार ,खेल की खबरें हमदम। बाँटे सबको ज्ञान, मनोरंजन करवाता। हर दिन, पूरे साल,ढूँढ़कर खबरें लाता।। - डॉ बिपिन पाण्डेय

सुनो ज़माना ख़राब है चाहत है मेरी

सुनो ज़माना ख़राब है चाहत है मेरी रख मैं आऊँ दो जलते दिए चौखट पर तेरी जिसके भीतर न जाने की मजबूरी है मेरी मगर पूरी कैसे हो ये मासूम सी चाहत ज़माना ख़राब है, सुनो चलो दीप बन जल लें हम मैं इधर तुम उधर और माँग लें दुआएँ कि ये प्रेम दीप सदा रहें प्रज्वलित दोनों ही तरफचुपचाप कि ज़माना ख़राब है, - शुचि 'भवि'

जो मस्त करे वो मय कहाँ, पीने वाले

जो मस्त करे वो मय कहाँ, पीने वाले तर गए जिन खरीद के पीने ÷मसीहा÷ सब मर गए जले कौन जिस्म में बैठ के,चिराग माटी हुए नहीं तख्त, न बुत कोई, लखा नूर औ तर गए। - केदारनाथ शब्द मसीहा

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन भी सामान्य से उत्तम रहेगा आज आपका मिलनसार व्यवहार अवश्य ही कुछ ना कुछ लाभ दिलाएगा। **वृष:** आज के दिन आपके व्यवहार एवं परोक्षियों में काफी बदलाव आएगा। आपके व्यक्तित्व में विकास होगा **मिथुन:** आज के दिन आपका व्यवहार अत्यंत मधुर रहेगा लेकिन आज आप जैसा व्यवहार करेंगे अंदर से उसके एकदम विपरीत रहेंगे। **कर्क:** आज के दिन आपका व्यवहार बीते कल की तुलना में विपरीत रहेगा। **सिंह: आज का दिन सेहत के दृष्टिकोण से** लगभग ठीक ही रहेगा प्रातः काल के समय आलस्य अवश्य रह सकता है। **कन्या:** आज के दिन आपको मनचाहा सुख मिलने से मानसिक संतोष होगा लेकिन इसके लिये इंतजार करना ही आज भारी पड़ेगा। **तुला:** आज का दिन आपके लिये कम समय और परिश्रम में अधिक लाभ दिला सकता है लेकिन किसी भी कार्य एवं व्यवसाय में आपकी कार्य शैली अत्यंत धीमी रहने के कारण इसका पूरा लाभ उठा पाना संदिग्ध ही रहेगा। **वृश्चिक:** आज दिन के पहले भाग को छोड़ शेष समय उत्पादक में बीतेगा। सुख प्राप्ति की इच्छा प्रबल रहेगी लेकिन आपके पूर्व में किये व्यवहार से शत्रु वृद्धि होने एवं दिन भर आर्थिक कारणों से तनावग्रस्त रह सकते है। **धनुः** आज का दिन लाभदायक रहने वाला है लेकिन अपने स्वभाव में परिवर्तन लाना भी आवश्यक है। **मकर:** आज का दिन आपके लिये आर्थिक एवं व्यावसायिक रूप से शुभ फलदायी रहेगा। स्वभाव से लापरवाह रहेंगे। **कुंभ:** आज का दिन लगभग सामान्य ही रहेगा आध्यात्मिक कार्यों में रुचि रहने से मानसिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। **मीनः** आज का दिन आपके लिये विषम परिस्थितियों वाला रहेगा। सेहत में विकार रहने से दिन के आरम्भ से ही आपका स्वभाव उखड़ा हुआ सा रहेगा।

सूर्योदय : 06:35, सूर्यास्त : 05:48, चन्द्रोदय : 07:56, चन्द्रास्त : 18:26, अयन : दक्षिणायण (उत्तरगोलीय), ऋतु : हेमन्त, शक सम्वत : 1947 (विश्वावसु), विक्रम सम्वतः : 2082 (सिद्धार्थी), मास : कार्तिक, पक्ष : शुक्ल, तिथि : तृतीया, नक्षत्र : अनुराधा, योग : सौभाग्य, प्रथम करण : बालव (09:30 तक), द्वितीय करण : कौलव (22:46 तक)

॥ गोचर ग्रहाः ॥

सूर्य : तुला, चंद्र : वृश्चिक (22:05 से), मंगल : तुला (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : तुला (उदय, पूर्व, मार्गी), गुरु : कर्क (उदित, पूर्व, मार्गी), शुक्र : कन्या (उदित, पश्चिम, मार्गी), शनि : मीन (उदय, पूर्व, वक्री), राहु : कुम्भ, केतु : सिंह।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) मे गोंग फेस्टिवल 2024 किस राज्य में मनाया जाता है?

2) जीजी टाऊ ए प्रणाली क्या है, जो हाल ही में खबरों में थी?

3) कौन से दो देशों ने मिलकर फेवा संवाद श्रृंखला शुरू की?

4) टाटा स्टील चेस मास्टर्स 2025 का खिताब किसने जीता?

5) शैव (भगवान शिव) और वैष्णव (भगवान विष्णु) नक्काशी वाली एक दुर्लभ 15वीं सदी की प्राचीन दीपक किस राज्य में खोजी गई?

उत्तरमाला- (1) मणिपुर (2) बिहार ग्रिड तत्काल प्रणाली (3) भारत और नेपाल (4) आर प्रज्ञानानंद (5) कर्नाटक

शब्द सागर

संक्षिप्त खबरें

52 मार्गो की मैकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीन से रात्रिकालीन सफाई

रायपुर /नवप्रदेश। दीपावली पर्व में भारी मात्रा में निकलने वाले कचरे को साफकरने के उद्देश्य से रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा महापौर मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर राजधानी शहर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र मे सिविल लाइन, पंचशील नगर सहित लगभग 52 मार्गो में रात्रि को विशेष रात्रिकालीन सफाई अभियान मैकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीन से सात रोड स्वीपिंग वाहन लगाकर लगभग 52 मार्गो में दीपावली पर्व के दौरान जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से स्वच्छता कायम की गयी है। जिससे दीपवाली पर्व के दौरान मुख्य मार्गो में पटाखों का कचरा सहित अन्य सामग्रियों, रैपर आदि के कचरे के ढेर ना दिखें और इस विशेष रात्रिकालीन मैकेनाइज्ड स्वीपिंग अभियान के माध्यम से राजधानी शहर के रहवासियों को दीपावली पर्व के दौरान त्वरित राहत मिले और दीपावली पर्व के दौरान राजधानी शहर क्षेत्र के मार्गो में स्वच्छ वातावरण कायम रह सके।

रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 26 अक्टू.से 9 नव.तक स्वच्छता पखवाड़ा

रायपुर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस समारोह राज्योत्सव- 2025 का आयोजन 1 से 5 नवम्बर, 2025 तक किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 राज्य के लिए ऐतिहासिक अवसर है। यह वर्ष छ.ग. राज्य गठन के रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। उक्त परिप्रेक्ष्य में राज्य शासन की मंशानुसार दिनांक 26 अक्टूबर से 9 नवम्बर 2025 तक विशेष स्वच्छता पखवाड़ा- 2025 का आयोजन किया जाना है। उपरोक्त अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव के मार्गदर्शन में, राज्य के नगरीय निकाय क्षेत्र अंतर्गत दिषा निर्देश राज्य शहरी विकास अभिकरण ने दिये है। रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में विशेष स्वच्छता पखवाड़ा 2025 दिनांक 26 अक्टूबर से 9 नवंबर 2025 के दौरान राज्य शासन की मंषा अनुसार राज्योत्सव 1 से 5 नवम्बर 2025 तक के आयोजन पर नगरीय निकाय क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में आयोजन के संबंध में नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त विश्वदीप ने नगर निगम रायपुर के सभी 10 जोनो के जोन कमिष्नरो और जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये है।

राज्य शासन की मंशा अनुसार राज्य शहरी विकास अभिकरण के दिशा निर्देष अनुरूप विशेष स्वच्छता पखवाडा 26 अक्टूबर से 9 नवंबर 2025 के आयोजन के अंतर्गत 26 अक्टूबर को घर घर जारूकता अभियान, 27 व 28 अक्टूबर को नागरिको के सहयोग से स्वच्छता लक्षित इकाई में श्रमदान, 29 व 30 अक्टूबर को सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन, 31 अक्टूबर को वृक्षारोपण, 1 नवंबर को स्वच्छ रंगोली एवं इंटर स्कूल प्रतियोगिता, 2 नवंबर को स्वच्छता श्रमदान, 3 नवंबर को स्वच्छ फूड स्ट्रीट, 4 नवंबर को स्वच्छ खेल महोत्सव, 5 व 6 नवंबर को एसएलआरएम सेन्टरो का रखरखाव, 7 नवंबर को एसएलआरएम विजिट एवं वेस्ट टू आर्ट प्रदर्षन, 8 व 9 नवंबर 2025 को सार्वजनिक, सामुदायिक शौचालयो की सफाई से संबंधित सकारात्मक स्वच्छता गतिविधियां की जानी है।

जमीन पर काबिज लोगों को वक्फबोर्ड ने भेजा नोटिस, स्थानीय लोगों में रोष

रायपुर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ वक्फबोर्ड ने रायपुर के पुरानी बस्ती इलाके में रहने वाले तीन परिवारों को नोटिस जारी किया है। बोर्ड का दावा है कि ये परिवार दशकों से वक्फकी जमीन पर रह रहे हैं।वक्क बोर्ड की नोटिस में कहा गया है कि परिवार दो दिन के भीतर कलेक्टर के समक्ष उपस्थित होकर जवाब दें, अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। दीपावली से एक दिन पहले थमाए एक नोटिस से लोगों में गहरी नाराजगी है। प्रभावित परिवारों ने बताया कि वे पिछले 60 से 70 सालों से यहां रह रहे हैं, और उनके पास 1948 व 1965 के रजिस्ट्री दस्तावेज मौजूद हैं।स्थानीय निवासियों का कहना है कि वक्फबोर्ड ने कभी भी जमीन पर कब्जा होने दावा नहीं किया, लेकिन अब अचानक दिवाली के दौरान नोटिस देकर लोगों को भयभीत किया जा रहा है। लोगों ने इस मामले में जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। वहीं वक्फबोर्ड अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने इसे सामान्य प्रक्रिया बताते हुए कहा कि तीन घर वालों को नोटिस गया है।

बस्तर ओलिंपिक 2025 : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में खेलों के माध्यम से शांति और समरसता का संदेश

- **बस्तर संभाग के 7 जिलों से 3 लाख 91 हजार 289 खिलाड़ियों ने कराया पंजीयन**

रायपुर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जनजातीय बाहुल्य बस्तर संभाग में युवाओं की ऊर्जा, उत्साह और प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से 'बस्तर ओलंपिक 2025' का आयोजन किया जा रहा है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में गृह (पुलिस) विभाग और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में होने वाला यह आयोजन प्रदेश के रजत जयंती वर्ष में बस्तर की नई पहचान बनेगा।

बस्तर ओलंपिक 2025 के प्रति लोगों में उत्साह का अंदाज़ा इसी से लगाया जा सकता है कि अब तक बस्तर संभाग के 7 जिलों से 3 लाख 91 हजार 289 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। इनमें 1 लाख 63 हजार 668 पुरुष और 2 लाख 27 हजार 621 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। यह संख्या न केवल बस्तर के युवाओं का खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि बस्तर की धरती पर अब खेल एक नई सामाजिक चेतना और समान भागीदारी का प्रतीक बन चुके हैं।

बस्तर की खेल प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच पर लाने की पहल

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बस्तर के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना और उनके भीतर निहित नैसर्गिक खेल प्रतिभा को पहचानना है। यह पहल केवल खेल आयोजन नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास व संवाद का सेतु बनेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा था ङ्क ÷बस्तर ओलंपिक केवल एक खेल आयोजन नहीं है, यह ऐसा मंच है जहां विकास और खेल का संगम हो रहा है, जहां हमारे युवा अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं और एक नए भारत का निर्माण कर रहे हैं।÷यह मॉडल पूरे देश में 'खेल के माध्यम से शांति और विश्वास' की अनूठी पहल के रूप में देखा जा रहा है।

प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, फुटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, कराते, वेटलिफ्टिंग और हॉकी जैसे खेल शामिल हैं। इसमें न केवल आधुनिक खेलों को बढ़ावा दिया जाएगा, बल्कि स्थानीय परंपरा से जुड़े खिलाड़ियों को भी मंच मिलेगा।

बस्तर ओलंपिक में जूनियर (14-17 वर्ष) और सीनियर वर्ग के अलावा विशेष श्रेणी के प्रतिभागियों–नक्सल हिंसा से दिव्यांग हुए व्यक्ति और आत्मसमर्पित नक्सलियों–को भी सम्मिलित किया जा रहा है। यह पहल खेल के माध्यम से पुनर्वास, पुनर्जीवन और सामाजिक एकीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

वित्त मंत्री ने किया गजमार पहाड़ के सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण

- **विकास कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के दिए निर्देश**

रायपुर /नवप्रदेश प्रदेश के वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने रायगढ़ के गजमार पहाड़ स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर परिसर में जारी सौंदर्यीकरण एवं अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर कलेक्टर रायगढ एवं डीएफओ रायगढ़ उपस्थित रहे।

पर्यटन के एक नए केंद्र के रूप में भी विकसित होगा

निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि शासन की योजनाओं का केवल निर्माण तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन ही असली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य जनसामान्य को वास्तविक लाभ पहुंचाना है और इसके लिए योजनाओं का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है। उन्होंने कहा कि हनुमान मंदिर परिसर में हो रहे सौंदर्यीकरण कार्यों से न केवल धार्मिक पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि यह क्षेत्र धार्मिक पर्यटन के एक नए केंद्र के रूप में भी विकसित हो सकेगा। उन्होंने कहा कि गजमार पहाड़ी रायगढ़ की शान है। ऐसा स्थल शहर के बीच इतनी ऊँचाई और प्राकृतिक सौंदर्य के साथ बहुत कम जगहों पर देखने को मिलता है।

वाच टॉवर, चिल्ड्रन एरिया और कैंटीन जैसी सुविधाओं से पर्यटकों और श्रद्धालुओं को मिलेगा साथ ही वाच टॉवर, चिल्ड्रन एक्टिविटी एरिया, कैन्टीन, पैगोड़ा, पब्लिक वाशरुम, वाश एरिया निर्माण, यूटिलिटी एरिया, पार्किंग एवं प्रवेश स्थल का विकास कार्य, पाथ-वे निर्माण एवं प्रवेश द्वार निर्माण कार्य हो रहा है।

इन सभी सुविधाओं के विकसित हो जाने पर गजमार पहाड़ी न केवल धार्मिक स्थल के रूप में, बल्कि पर्यटन और स्वास्थ्य गतिविधियों के दृष्टिकोण से भी एक आकर्षक गंतव्य बन जाएगा।

गजमार पहाड़ी इको टूरिज्म स्थल के रूप में होगा विकसित

वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी की पहल पर रायगढ़ जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक और आस्था का केंद्र गजमार पहाड़ी स्थित हनुमान धाम अब आधुनिक स्वरूप में इको पार्क और इको टूरिज्म स्थल के रूप में विकसित होगा। बीते दिवस वित्त मंत्री श्री चौधरी ने 08 करोड़ रुपए की लागत से यहां होने वाले विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का भूमि पूजन किया था। गजमार पहाड़ी मंदिर विकास योजना की जानकारी देते हुए डीएफओ ने कहा कि विभागीय मार्गदर्शन और सुव्यवस्थित योजना के तहत पहाड़ मंदिर को नया स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यहां श्रद्धालु एवं पर्यटक आसानी से ऊपर तक पहुंच सकें, इसके लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। जिसके तहत स्वीकृत सीढ़ियों का विकास कार्य, अवेयरनेस एक्टिविटी के लिए ओपन प्लेटफार्म का निर्माण किया जा रहा है।

वार्ड 52 के 8000 जनगणना भवनों में संख्या डालने और सूचीबध्द करने का कार्य निरन्तर प्रगति पर

- **2500 भवनों में भवन संख्या डाली जा चुकी**
- **जनगणना निदेशालय के अधिकारी हीरेन्द्र सिंहा ने किया कार्य का प्रत्यक्ष निरीक्षण**

रायपुर /नवप्रदेश। भारत सरकार गृह मंत्रालय जनगणना कार्य निदेशालय के आदेशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 10 के अंतर्गत डॉ राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्रमांक 52 को छत्तीसगढ़ राज्य में जनगणना के लिए नगरीय क्षेत्र में प्री टेस्ट जनगणना पूर्व परीक्षण हेतु चयनित किया गया है।

आज जनगणना निदेशालय के अधिकारी हीरेन्द्र सिंहा ने नगर निगम जोन 10 के वार्ड 52 अंतर्गत कार्य का स्थल पर नगर निगम जोन 10 राजस्व विभाग और नगर निवेश विभाग की टीम सहित रायपुर नगर निगम के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 10 द्वारा किये जा रहे कार्य की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण नगर निगम जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, नोडल अधिकारी सहायक अभियंता योगेश यदु, सहायक नोडल अधिकारी जोन सहायक राजस्व अधिकारी गौरीशंकर साहू की उपस्थिति में किया.

नगर निगम जोन 10 राजस्व विभाग और नगर निवेश विभाग की टीम के कर्मचारियों द्वारा वार्ड क्रमांक 52 क्षेत्र अंतर्गत स्थित सभी लगभग 8000 जनगणना भवनों में भवन संख्या डालने और भवनों को सूचीबध्द करने का कार्य निरन्तर तेज गति से प्रगति पर है और लगभग 2500 भवनों में भवन संख्या डालने का कार्य किया जा चुका है, कार्य को तय समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाना है।

रायपुर नगर पालिक निगम ने नगर पालिक निगम जोन 10 के डॉ राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्रमांक 52 क्षेत्र की समस्त रहवासी जनता से प्री टेस्ट जनगणना पूर्व परीक्षण के कार्य में नगर पालिक निगम रायपुर जोन कमांक 10 के राजस्व विभाग और नगर निवेश विभाग की टीम को सभी लगभग 8000 जनगणना भवनों में भवन संख्या डालने और भवनों को सूचीबध्द करने के कार्य में भारत सरकार गृह मंत्रालय जनगणना कार्य निदेशालय के आदेशानुसार किये जा रहे आवश्यक कार्य में सहयोग देने की एक बार पुनः विनम्र अपील की है।

महाराष्ट्र मंडल में मंगलवार को धूमधाम से मनाई गई दिवाली

- **सचिव चेतन दंडवते ने बृहन्महाराष्ट्र मंडल के छत्तीसगढ़ कार्यवाह सुबोध टोले से कराई लक्ष्मी पूजा**

रायपुर/ नवप्रदेश। महाराष्ट्र मंडल में दिवाली के अवसर पर मुख्य लक्ष्मी पूजा मंगलवार को दोपहर 12 बजे की गई। मंडल के सचिव चेतन गोविंद दंडवते ने बृहन्महाराष्ट्र मंडल के छत्तीसगढ़ कार्यवाह सुबोध टोले को यजमान बनाकर यह पूजा करवाई। इससे पहले कार्यालय सहायक प्रकाश गुरव ने पूजा की लगभग पूरी तैयारी कर ली थी।

चेतन ने पहले ही जानकारी दे दी थी कि महाराष्ट्र मंडल दाते पंचांग के अनुसार, अमावस्या के सूर्योदय और सर्वाधिक पहर के अनुसार मंगलवार को ही दीपावली मनाएगा।

मंडल के कार्यालय, संत ज्ञानेश्वर स्कूल सहित सभी प्रकल्पों में भी मंगलवार को ही मुख्य लक्ष्मी पूजा की गई। साथ ही समूची कार्यकारिणी, विभिन्न प्रकल्पों के पदाधिकारियों समेत अधिकांश सभासदों ने भी अपने- अपने घरों पर मंगलवार को ही लक्ष्मी पूजा की और दीपावली मनाई।पूजा संपन्न होते ही महाआरती की गई। तत्पश्चात मंडल में उपस्थित कार्यकारिणाी सदस्यों व पदाधिकारियों के बच्चों ने पटाखों, धूम- धड़ाकों के साथ जमकर दिवाली मनाई।

संत ज्ञानेश्वर स्कूल में बच्चों की मम्मियों के साथ दिवाली मिलन

- **बच्चों के साथ शिक्षिकाओं ने भी बेहतरीन प्रस्तुतियां से कार्यक्रम को बनाया मनोरंजक**

रायपुर/ नवप्रदेश। महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर विद्यालय (एसडीवी) में दीपावली के पूर्व पैरेंट्स (मम्मी) ने दिवाली मिलन समारोह का विशेष आयोजन किया गया। प्राचार्य मनीष गोवर्धन ने इस अवसर पर बच्चों की मम्मियों को संबोधित किया और सभी से दिवाली की व्यस्ततम दिनचर्या के बीच समय निकालने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि स्कूल में होने वाले ऐसे आयोजन स्कूल प्रबंधन और पैरेंट्स को समीप लाते हैं, जो बच्चों के अच्छे भविष्य के निर्माण में सहायक होते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षिका श्वेता चौधरी और प्रीति तिवारी ने बच्चों की मम्मियों का स्वागत तिलक लगाकर किया। नन्हें बालक राम-सीता बनकर आए क्रमशः शिवम, ऋषभ, सोनल, प्रथम ने मम्मियों का दिल जीत लिया।

सभी ने उनका स्वागत पुष्प वर्षा से किया। सबसे पहले मम्मियों ने दीप प्रज्जवलन कर दिवाली मिलन की शुरुआत की। तत्पश्चात शिक्षिकाओं ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति से आयोजन को आगे बढ़ाया।

पांचवीं की छात्रा पावना लासिया ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। शिक्षिकाओं ने 'दीपावाली मनाई सुहानी' गीत के सुमधुर गायन से सभी को प्रभावित किया। म्यूजिक टीचर विवेक सिंह राजपूत ने सुमधुर गीत गाया।

कांग्रेस जिलाध्यक्षों के एलान से पहले मचा घमासान

- **मेनन ने बयां किया दर्द, कांग्रेस प्रवक्ता देते फिर रहे सफाई**
- **कांग्रेस के भीतर मचे घमासान पर भाजपा नेता कस रहे हैं तंज**

रायपुर / नवप्रदेश । छत्तीसगढ़ कांग्रेस के जिलाध्यक्षों के नाम ऐलान से पहले घमासान मचा हुआ है। एक तरफ दावेदार सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जहां अपना दर्द बयां रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के प्रवक्ता सफाई देते फिर रहे हैं। कांग्रेस के भीतर मचे इस घमासान को पार्टी की संस्कृति करार देते हुए भाजपा के नेता तंज कस रहे हैं। रायपुर शहर कांग्रेस जिलाध्यक्ष की दौड़ में शामिल श्रीकुमार मेनन ने सोशल मीडिया पर जारी की पोस्ट के जरिए अपना दर्द बयां करते हुए सोशल मीडिया पोस्ट में 'धोखा', 'गद्दार' और 'पीठ में छुरा' जैसे शब्दों का प्रयोग किया है। पोस्ट में लिखा कि किसी ने कहा कि आप इतना धोखा कैसे सह सकते हो। धोखा वो भी अपने लोगों से, तो मैंने कहा धोखा तो नमकहराम और गद्दार करते हैं। जिनको हमने सब कुछ दिया, वही हमारी पीठ में छुरा भोंकते हैं. मेनन से पहले कांग्रेस नेता शिव सिंह ठाकुर ने भी सोशल मीडिया पर अपनी निराशा जाहिर की थी। इस बीच कांग्रेस जिला अध्यक्ष चयन के पहले सोशल मीडिया पर दावेदारों की नाराजगी पर कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत पीड़ा है। कुछ लोगों ने अपना क्लेरिफिकेशन दे दिया है। पार्टी ने सभी को समान अवसर दिया।

उन्होंने कहा कि हमारी तरफ से कोई बंधन नहीं लगाया गया। किसी व्यक्ति विशेष से किसी की अपेक्षा हो और वह पूरी ना हो तो वह पार्टी से लेना-देना नहीं है। यह उनकी व्यक्तिगत पीड़ा है, अंतर्कलह वाली कोई बात नहीं है. इसके साथ उन्होंने कहा कि भारत के किसी भी राजनीतिक दल ने इतना लोकतांत्रिक प्रक्रिया नहीं अपनाया है।वहीं श्रीकुमार मेनन के पोस्ट से मचे सियासी घमासान पर भाजपा नेता केदार गुप्ता ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस का चाल, चरित्र, चेहरा ऐसा ही रहा है। कांग्रेस ने राजनीति को सत्ता का हथियाना समझा. राज्य की संपत्ति को अपने नाम करना, यह कांग्रेस के चरित्र में रहा है। कांग्रेस ने लूटपाट मचाई है। सत्ता में रहते धन लूटने की प्रवृत्ति ने इन्हें चाकू और तलवार पर ला दिया है।

रानाटोला जलाशय और चुहरीनाला बांध के कार्यों के लिए 5.82 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर / नवप्रदेश । छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के विकासखण्ड-मोहला की रानीटोला जलाशय के लाईनिंग कार्य कराने 2 करोड़ 37 लाख 91 हजार रुपये स्वीकृत किये हैं। इस सिंचाई योजना के कार्य हो जाने पर योजना की रूपांकित सिंचाई 273 हेक्टेयर के विरूद्ध 120 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति तथा जल से 90 हेक्टेयर में अतिरिक्त सिंचाई सहित कुल 282 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। राजनांदगांव जिले के विकासखण्ड-डोंगरगांव की चुहरीनाला बांध की मरम्मत एवं नहीं लाईनिंग कार्य के लिए 3 करोड़ 44 लाख 17 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। प्रस्तावित कार्यों के पूर्ण हो जाने पर रूपांकिंत सिंचाई क्षमता 308 हेक्टेयर के विरूद्ध 210 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति तथा बचत जल से 20 हेक्टेयर क्षेत्र मे अतिरिक्त सिंचाई सहित कुल 328 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।

न्यूज गैलरी

टेली-मानस-मानसिक स्वास्थ्य के लिए भारत सरकार की 24 बाई 7 नि:शुल्क सहायता सेवा

कोरिया/ नवप्रदेश। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता और सहायता को आमजन तक सुलभ बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने 'टेली-मानस' योजना शुरू की है। यह एक राष्ट्रीय स्तर की 24 घंटे और सप्ताह के सातों दिन चलने वाली मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन सेवा है, जिसके माध्यम से लोग अपने मानसिक तनाव, चिंता, अवसाद या अन्य मनोवैज्ञानिक समस्याओं के लिए मुफ्त परामर्श प्राप्त कर सकते हैं।लोग टोल-फ्री नंबर 14416 पर कॉल करके प्रशिक्षित परामर्शदाताओं से बात कर सकते हैं। यह सेवा हिंदी, अंग्रेजी सहित 20 से अधिक भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है, जिससे विभिन्न राज्यों और भाषाई क्षेत्रों के नागरिकों को आसानी से सहायता मिल सके।

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संचालित इस योजना में दो-स्तरीय प्रणाली अपनाई गई है। पहले स्तर पर प्रशिक्षित परामर्शदाता आम समस्याओं जैसे तनाव, पारिवारिक कलह या कार्यस्थल के दबाव से निपटने में मदद करते हैं। जबकि दूसरे स्तर पर मनोचिकित्सक और मनोवैज्ञानिक गंभीर मानसिक समस्याओं के लिए विशेषज्ञ परामर्श प्रदान करते हैं।टेली-मानस ऐप भी गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है, जिसके माध्यम से लोग डिजिटल माध्यम से भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।सरकार का उद्देश्य है कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ हर व्यक्ति तक पहुँचे, विशेषकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के उन लोगों तक जो मनोचिकित्सक से प्रत्यक्ष रूप से परामर्श नहीं कर पाते। इस पहल से मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कलंक को कम करने और लोगों को खुले मन से सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करने की उम्मीद की जा रही है।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य हेतु स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देश

कोरिया/ नवप्रदेश। विद्यार्थियों में बढ़ते मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाओं को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित दिशानिर्देश जारी किए हैं। ये निर्देश सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में तैयार किए गए हैं।विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी सरकारी व निजी स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर, प्रशिक्षण संस्थान और छात्रावासों में 'उम्मीद'और 'मनोदर्पण' से प्रेरित मानसिक स्वास्थ्य नीति लागू करनी होगी।कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच के साथ

आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए।नई व्यवस्था के तहत 100 या अधिक विद्यार्थियों वाले संस्थानों में प्रशिक्षित परामर्शदाता या मनोवैज्ञानिक की नियुक्ति अनिवार्य होगी, जबकि छोटे संस्थानों को बाह्य मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों से सहयोग लेना होगा। इस पहल से विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने, आत्महत्या जैसी घटनाओं की रोकथाम और संवेदनशील शैक्षणिक वातावरण निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित होगी।

कोरिया में तीन दिवसीय राज्योत्सव की तैयारियां शुरू

कोरिया / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के अवसर पर जिले में 2 से 4 नवम्बर तक तीन दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने अधिकारियों को आज बैठक में दिशा-निर्देश देते हुए सभी तैयारियों की जवाबदेही तय की। जिले के सभी शासकीय भवनों में 1 से 5 नवम्बर तक विशेष रोशनी की जाएगी। कलेक्टर ने सभी विभागों को अपने उपलब्धियों की प्रदर्शनी और स्टॉल लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों में हासिल की गई विकास यात्रा आम जनता के सामने प्रदर्शित की जानी चाहिए।कृषि क्षेत्र की तैयारियों पर भी कलेक्टर ने जोर दिया। उन्होंने कहा कि 30 अक्टूबर तक एग्रीस्टेक पोर्टल पर किसानों का पंजीकरण होना जरूरी है। सभी एसडीएम और तहसीलदार समय सीमा के भीतर पंजीकरण सुनिश्चित करें। धान खरीदी 15 नवम्बर से शुरू होगी और 9 नवम्बर को पंजीकृत किसानों को टोकन जारी किए जाएंगे। इसके लिए बारदाना की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।कलेक्टर ने मार्कफेड अधिकारी से कहा कि किसानों को कटे-फटे बोरी नहीं दें। धान खरीदी केंद्रों में सुरक्षा और बिजली, पानी जैसी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के लिए सहकारिता एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

गोवर्धन पूजा हमारी संस्कृति का आधार

गोवंश संरक्षण से ही सशक्त होगा ग्रामीण भारत: स्वास्थ मंत्री

■ **धनपुर में गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट उत्सव की धूम, नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर में सैकड़ों पशुपालकों को मिला लाभ**

एमसीबी/ नवप्रदेश। जिले के खड़गवां विकासखंड के ग्राम धनपुर स्थित श्रीहरि गौशाला में पारंपरिक आस्था और ग्रामीण उत्सव का प्रतीक गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ ग्राम जनप्रतिनिधि, स्थानीय जनपद सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के दौरान निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पशुपालकों के गाय, बैल, भैंस, बकरी आदि पशुओं की स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण तथा रोग निवारण संबंधी दवाओं का वितरण किया गया। पशु चिकित्सा विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पशुओं के रखरखाव, पोषण, दुग्ध उत्पादन वृद्धि तथा मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि गोवर्धन पूजा केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि यह प्रकृति, गोवंश और मानव जीवन के गहरे संबंध का प्रतीक है। हमारी संस्कृति में गौ माता का स्थान सर्वोच्च है, और गोवंश संरक्षण से ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। सरकार किसानों व पशुपालकों के कल्याण हेतु अनेक योजनाएं चला रही है, जिसका लाभ हर घर तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि गौ ग्राम और गंगा हमारी सभ्यता की आत्मा हैं, और इन तीनों की रक्षा से ही भारत आत्मनिर्भर व समृद्ध बनेगा। कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने गौ सेवा के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हुए श्री हरि गौशाला के संचालकों के कार्यों की सराहना की। अन्नकूट प्रसाद वितरण में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जिससे पूरे परिसर में भक्ति, आनंद और सामाजिक एकता का वातावरण व्याप्त रहा।

तब और अब - 25 बरस-कोरिया में 151 सड़कों और 589 किमी का सफर

■ **7 पुलों ने बढ़ाई आवागमन की सुविधा-सुदूर गांवों को मिला संपर्क**

कोरिया / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। इस दौरान राज्य के प्रत्येक जिले में विकास की गाथाएँ लिखी गई हैं। कोरिया जिला भी इससे अछूता नहीं रहा। बीते 25 वर्षों में यहां सड़क निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

वर्ष 2000 में जब राज्य का गठन हुआ था, तब प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना या मुख्यमंत्री ग्राम गौरवपथ जैसी योजनाओं का नाम तक ग्रामीण अंचलों में नहीं सुना गया था। लेकिन वर्ष 2025 तक का यह 25 वर्ष का सफर, सड़कों के निर्माण के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हुआ है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 97 सड़कों का निर्माण किया गया, जिनकी कुल लंबाई 495.12 किलोमीटर है।मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना में 25 सड़कों (83.20 किमी) और मुख्यमंत्री ग्राम गौरवपथ योजना के अंतर्गत 29 सड़कों (10.40 किमी) का निर्माण हुआ। इसके साथ ही 7 पुलों के निर्माण ने आवागमन को और सुगम बना दिया है।

इन सड़कों और पुलों ने न केवल ग्रामीण अंचलों को जोड़ने का काम किया, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन के क्षेत्र में नई संभावनाएँ भी खोली हैं। जो गांव पहले वर्षों से एक-दूसरे से कटे हुए थे, अब सहज संपर्क में हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार ने ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देते हुए सड़कों के जाल को मजबूती देने पर विशेष ध्यान दिया है। इससे दूरस्थ अंचलों में रहने वाले आम नागरिकों, स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ-साथ पर्यटन क्षेत्र को भी बड़ा लाभ मिला है।

25 वर्षों की इस विकास यात्रा ने यह साबित कर दिया है कि मजबूत सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि और आत्मनिर्भरता की रीढ़ हैं। कोरिया जिले की धरती अब पर्यटन, व्यवसाय और आधुनिक जीवनशैली की नई राहों पर आगे बढ़ रही है।

केवटी के सुरक्षाबलों ने जाना जीवन रक्षक तकनीक गुण

कोरिया / नवप्रदेश। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से सशस्त्र सीमा बल कैंप केंवटी में सीपीआर जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। जिला संगठक पवन सेन ने बताया कि कलेक्टर/अध्यक्ष के दिशा निर्देश पर जिले में आमजन को सीपीआर का प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं। जागरूकता सप्ताह के तहत सीपीआर प्रशिक्षण देने का उद्देश्य जीवन और स्वास्थ्य की रक्षा करना,आम जनता, कर्मचारियों में कार्डियों पल्मोनरी रिससिटेशन सीपीआर के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, ताकि दिल के दौरे जैसी आपात स्थिति से लोगों की जान बचाई जा सके।

सीपीआर जागरूकता सप्ताह एक बड़ी सफलता है जिसने जनता के बीच जीवन रक्षक तकनीकों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।रेड क्रॉस सोसायटी की पहल से समाज को अपात स्थितियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार होने में मदद मिली है।

ग्राम माड़ीसरई में रजत जयंती महोत्सव की गूंज

एमसीबी / नवप्रदेश। जिले के भरतपुर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत माड़ीसरई में रजत जयंती महोत्सव का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास और ग्रामीण उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषकों को विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी देना और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित करना था। आयोजन स्थल पर सुबह से ही ग्रामीणों, कृषकों, महिला स्व-सहायता समूहों और युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही । कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण विकास का आधार मजबूत किसान हैं, और आज राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं कृषकों के आर्थिक उत्थान की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध हो रही हैं।

आपसी रंजिश के चलते युवक पर ब्लेड से हमला, आरोपी गिरफ्तार

कांकेर / नवप्रदेश। त्यौहार के दिन लोग घरों में जब खुशियां मना रहे थे तभी शहर के राजापारा वार्ड में मामूली बात को लेकर आपसी रंजिश के चलते राजापारा का आरोपी युवक आशीष शर्मा पिता वासुदेव शर्मा उम्र 32 ने युवक को अश्लील गलौच कर जान से मारने की नियत से ब्लेड से गर्दन को में वार कर प्राणघातक हमला कर दिया लहूलुहान हालत में पीड़ित युवक को जिला अस्पताल लाया गया जहां उसका उपचार जारी है। पीड़ित के रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी अनुसार उमनि/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई.के.एलिसेला के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल भानुप्रतापपुर तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में एवं अनु.अधिकारी पुलिस श्री मोहसीन खान के पर्यवेक्षण में थाना कांकेर में दर्ज अपराध मामले संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी शुभम यादव पिता स्व:सुखदेव यादव उम्र 24 वर्ष श्यामानगर टिकरापारा कांकेर ने थाना कांकेर मे उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 21अक्टूबर 25 को अपने दोस्त रविन्द्र ठाकुर के साथ कोमल को राजापारा में छोडकर वापस अपने घर श्यामानगर जाने आ रहा थे समय लगभग रात्रि के 12.00 बजे राजापारा नीम पेड के पास आशीष शर्मा निवासी राजापारा काकेर मिला जो मुझे कहा कि तु हमारे बस्ती में कैसे घुम रहा है मादरचोद कहकर गाली गलौच करने लगा मैने गाली देने से मना किया जो आशीष शर्मा ने धक्का मुक्का देते हुये अपने पास रखा ब्लेड से मेरे गर्दन में जान से मारने की नियत से मारने लगा मैने अपने बचाव के लिये अपने दांये हाथ से रोकने का प्रयास किया जिससे मेरे दाये हाथ में कट गया है गदर्न भी कट गया है कि रिपोर्ट पर थाना कांकेर में अपराध क्रमांक 378/2025 धारा- 296,109 बीएनएस का अपराध कायम का विवेचना में लिया गया विवेचना के दौरान पुलिस कांकेर द्वारा त्वारित कार्यवाही करते हुए आरोपी आशीष शर्मा पिता वासुदेव शर्मा उम्र 32 वर्ष निवासी राजापारा कांकेर जिला जिला उत्तर बस्तर कांकेर को गिरफ्तार कर आरोपी को माननीय न्यायालय कांकेर में न्यायिक रिमाण्ड पर 22अक्टूबर 2025 को पेश किया गया सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना कांकेर से उप निरीक्षक सुरेन्द्र मानिकपुरी के नेतृत्व में उप निरीक्षक मनोरथ जोशी, सउनि सोमेन्द्र सिंह भुनेवश्पर भगत, प्रआर.फ्लेश्वर कुदराम कौशल साहू आरक्षक देवदत्त कड़ियाम प्यारे नेताम चैन सिंह शोरी गजेन्द्र नागवंशी, एवं थाना कांकेर सहित पेट्रोलिंग पार्टी का अहम भूमिका एवं विशेष योगदान रहा है।

पालिका में स्वच्छता दीदीयो के साथ विधायक अध्यक्ष ने मनाया भाईदूज

स्वच्छता दीदियों ने विधायक अध्यक्ष की आरती उतारकर भाईदूज मनाया

कांकेर / नवप्रदेश। 23 को नगर पालिका परिषद कांकेर के सभाकक्ष में स्वच्छता दीदियों एवं स्वच्छता कर्मचारियों द्वारा भाईदूज (भाई टीका) का पावन पर्व अत्यंत उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया गया। इस आत्मीय कार्यक्रम में कांकेर के जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ भाजपा नेता शामिल हुए, जिन्होंने स्वच्छता दीदियों से टीका लगवाकर उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम में कांकेर के लोकप्रिय विधायक आशाराम नेताम नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक नगर पालिका उपाध्यक्ष उत्तम यादव पार्षद विकास अंभोरे पार्षद वीरू नरेंद्र साहू मत्स्य कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्वच्छता दीदियों ने पारंपरिक ढंग से तिलक लगाकर, आरती उतारकर और श्रीफल भेंट कर सभी अतिथियों को भाईदूज की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि स्वच्छता दीदियां शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और वे समाज के सच्चे कर्मवीर हैं। उन्होंने दीदियों के समर्पण और मेहनत की सराहना की।नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक ने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल पर्व मनाने का माध्यम है,बल्कि यह दर्शाता है कि नगर पालिका परिवार में एक-दूसरे के प्रति कितना स्नेह और सम्मान है। उन्होंने दीदियों के उज्जवल भविष्य और स्वास्थ्य की कामना की। विधायक एवं अध्यक्ष द्वारा स्वच्छता विभाग के कर्मचारियों को सभी समस्याओं के त्वरित निवारण का आश्वासन देते हुए हर परिस्थिति में साथ देने की बात भी कही गई ।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने स्वच्छता दीदियों के प्रति आभार व्यक्त किया और उन्हें नेग भी भेंट किए। दीदियों ने भी सभी अतिथियों का सम्मान पाकर खुशी जाहिर की और इस आयोजन के लिए नगर पालिका प्रशासन का धन्यवाद किया एवं नगर को स्वच्छ बनाए रखने का वादा भी किया,यह कार्यक्रम नगर पालिका परिवार और शहर के जनप्रतिनिधियों के बीच आत्मीय संबंधों को और मजबूत करने का एक सुंदर उदाहरण बन गया।

पेज 1 का शेष

यूपीआई ने बनाया रिकॉर्ड...

मार्केट में भी मांग अच्छी रही है।

सीनियर आईपीएस रतनलाल ...

साजिश बताते हुए अपनी सफाई दी है। यह मामला पुलिस की आंतरिक नैतिकता पर सवाल खड़े कर रहा है।

डांगी का खंडनः ब्लैकमेल और बदनामी की साजिश

आरोपों का सामना करते हुए आईपीएस रतनलाल डांगी ने दैनिक भास्कर को दिए इंटरव्यू में साफसफाई दी। उन्होंने कहा, ÷यह पूरी तरह ब्लैकमेल की साजिश है। महिला मुझे बदनाम करने और पैसे वसूलने के लिए ये आरोप लगा रही है।÷ डांगी ने बताया कि उन्होंने पहले ही सीनियर अफसरों को इसकी लिखित शिकायत की थी। महिला द्वारा जहर खाकर धमकी देने, वीडियो कॉल पर लगातार निगरानी की मांग और अन्य शर्तें रखने का जिक्र किया।

महिला को मेरी शिकायत की भनक लगी तो वह पुलिस मुख्यालय पहुंच गई। यह बदनामी का सुनियोजित प्लान है,÷ डांगी ने कहा। उन्होंने दावा किया कि उनके पास महिला के ब्लैकमेल के पुख्ता सबूत हैं। डांगी वर्तमान में चंद्रखुरी अकादमी में महत्वपूर्ण पद पर हैं, इसलिए यह मामला उनकी करियर को प्रभावित कर सकता है। विभाग में ऐसे मामलों में अक्सर आरोपी अधिकारी बच जाते हैं, लेकिन डांगी की सफाई ने जांच को और जटिल बना दिया है।

जांच का बीड़ा संभाले आईजी आनंद छाबड़ाः डिजिटल साक्ष्य होंगे आधार

पुलिस मुख्यालय ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आईजी आनंद छाबड़ा को जांच अधिकारी नियुक्त किया। छाबड़ा की टीम पहले पीड़िता से बयान और डिजिटल साक्ष्य लेगी। उसके बाद डांगी का बयान रिकॉर्ड किया जाएगा। जांच टीम में महिला अफसरों को शामिल किया गया है, ताकि पीड़िता को सहज महसूस हो। ÷हम निष्पक्ष जांच करेंगे। सभी सबूतों की फॉरेंसिक जांच होगी,÷ एक अधिकारी ने बताया।

जांच रिपोर्ट की समयसीमा पर मुख्यालय चुप है, लेकिन स्रोतों के अनुसार दो सप्ताह में प्रारंभिक रिपोर्ट आ सकती है। डिजिटल साक्ष्य जैसे वीडियो कॉल रिकॉर्डिंग, मैसेज और कॉल लॉग्स जांच के केंद्र में होंगे। यदि आरोप सिद्ध हुए तो डांगी पर विभागीय कार्रवाई के साथ आपराधिक मुकदमा दर्ज हो सकता है।

पुलिस मुख्यालय की चुप्पीः समझौते का दबाव?

मामले में पुलिस मुख्यालय की चुप्पी सवाल खड़ी कर रही है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि शिकायत के बाद कुछ अधिकारी उसे समझौते के लिए दबाव बना रहे हैं। ÷विभाग वाले फोन करके कह रहे हैं कि मामला रफा-दफा कर लो,÷ महिला ने बताया। मुख्यालय से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया। डीजीपी अशोक जुनेजा ने केवल जांच के आदेश दिए हैं।

पीड़िता का दर्दभरा...

लेकिन राजनांदगांव और सरगुजा में आईजी बनने के बाद बात बिगडने लगी। बिलासपुर आईजी रहते हुए उत्पीडन चरम पर पहुंच गया। महिला के अनुसार, डांगी अपनी पत्नी की गैरमौजूदगी में उसे बंगले पर बुलाते थे। न आने पर तबादले की धमकी देते थे। चंद्रखुरी पुलिस प्रशिक्षण अकादमी में उसके पति की पोस्टिंग के बाद भी डांगी सुबह 5 बजे से रात 10 बजे तक वीडियो कॉल पर निगरानी रखते थे। पीड़िता ने दावा किया कि उसके पास आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य मौजूद हैं, जो उत्पीडन को प्रमाणित करते हैं। ÷मैं मानसिक रूप से टूट चुकी हूं। सात सालों से यह सिलसिला चल रहा है,÷ महिला ने शिकायत में लिखा। यह आरोप न केवल व्यक्तिगत शोषण को उजागर करते हैं, बल्कि पद के दुरुपयोग का भी इशारा करते हैं। पीड़िता का पति एसआई होने के कारण विभागीय दबाव का शिकार होने का डर जताया गया है।

नक्सलवाद के खिलाफ...

उन्मूलन के ऐलान के बाद से देशभर में सुरक्षा बलों ने लगातार मोर्चा संभाला है। 2025 में अब तक 9 शीर्ष माओवादी कमांडर मारे गए हैं, जिनकी मौत से संगठन का शीर्ष ढांचा लगभग ध्वस्त हो चुका है।

कभी माओवाद का गढ़ था

बस्तर, जो कभी माओवाद का गढ़ माना जाता था, अब सुरक्षा बलों की सबसे बड़ी सफलता का केंद्र बना है. यहां सिर्फ दो सालों में 427 माओवादी मारे जा चुके हैं। वही नक्सलियों ने पर्चा जारी कर 22 महीनों में 700 नक्सल साथियों के मारे जाने को स्वीकारा है।

टाइमलाइनः कब, कहां ...

इलाके में ढेर किया।

21 मई 2025, नारायणपुर (माड़): पोलित ब्यूरो महासचिव नंबाल्ला केशव राव उर्फ बसवराजू को छ्क्रत्र जवानों ने मुठभेड़ में मार गिराया।

5 जून 2025, बीजापुर (नेशनल पार्क क्षेत्र): केंद्रीय समिति सदस्य सुधाकर उर्फ नर सिंहाचलम ढेर हुआ।

18 जून 2025, छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर : केंद्रीय समिति सदस्य गजराला रवि उर्फ उदय को ग्रेहाउंड्स ने मार गिराया।

11 सितंबर 2025, गरियाबंद (माताल जंगल): केंद्रीय समिति सदस्य मनोज उर्फ मोडेम बालकृष्णा मारा गया।

14 सितंबर 2025, झारखंड (हजारीबाग): केंद्रीय समिति सदस्य सहदेव सोरेन उर्फ प्रवेश को सीआरपीएफ ने मुठभेड़ में ढेर किया।

22 सितंबर 2025, नारायणपुर (अबूझमाड़): केंद्रीय समिति सदस्य राजू दादा उर्फ कट्टा रामचंद्र रेड्डी और कोसा दादा उर्फ कादरी सत्यनारायण रेड्डी दोनों एक ही ऑपरेशन में मारे गए।

प्रभाव और मौजूदा स्थिति:

इन नौ कमांडरों के खात्मे के बाद अब माओवादी संगठन की रणनीति अस्त-व्यस्त हो चुकी है. सूत्रों के मुताबिक, शीर्ष नेतृत्व के कमजोर पडने से संगठन के अंदर असंतोष और अविश्वास बढ़ा है। क्षेत्रीय कमांडर अब केंद्रीय आदेशों के बिना ही काम कर रहे हैं, जिससे माओवादी ढांचे में फूट पड़ती दिख रही है।

महागठबंधन का...

तक भाजपा को तोड़ेंगे नहीं, तब तक छोड़ेंगे नहीं। आज वह समय आ चुका है। चुनाव के बाद बिहार की जनता भाजपा को खदेड़ देगी। महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है।

राज्योत्सव में पीएम का ...

के साथ विभिन्न व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पीएम के आगमन को ऐतिहासिक ...

करते हुए सभी व्यवस्थाओं को मूर्त रूप दें।

लोकेशन एवं सुरक्ष...

सिंह, संस्कृति विभाग के संचालक श्री विवेक आचार्य, रायपुर नगर निगम के आयुक्त विश्वदीप और लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

विधायक प्रतिनिधि भानु चंद्राकर गौरा-गौरी समितियों से की भेंट

कुरुद/नवप्रदेश। नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति चंद्राकर एवं विधायक प्रतिनिधि भानु चंद्राकर ने नगर भर के गौरा गौरा समितियों से भेंट कर उन्हें दीपावली और देवारी की बधाई देते हुए उन्होंने समस्त समितियों को सहयोग राशिया प्रदान करते हुए उन्हें सभी प्रकार की आवश्यकताओ और दिक्कतों, जरूरतों पर चर्चा करते हुए। उनसे समितियों की सेवा मे सदैव तत्पर रहने की बात कही।छत्तीसगढ़ मे विशेष रूप से मनाये जाने वाले पर्व देवारी अर्थात गौरा गौरी विवाह नगर भर की समितियों द्वारा बहुत ही धूमधाम और भक्तिभाव से मनाई गई।। नगर पालिका कुरुद अध्यक्ष ज्योति चंद्राकर - विधायक प्रतिनिधि भानु चंद्राकर ने वार्ड क्र 5 गोड़ पारा स्थित गोरा गौरी चौक, बैगा पारा गौरा गौरी चौक, इंदिरा नगर गौरा गौरी चौक, सिरसा पारा गौरा गौरी चौक, पचरी पार गौरा गौरी चौक, शांति नगर गौरा गौरी चौक, संजय नगर गौरा गौरी चौक समितियों के गौरा बारात मे सम्मिलित होकर माता गौरा और भगवान भोले की पूजा अर्चना कर नगर व क्षेत्र की सुख समृद्धि और खुशहाली मांगी।

हाथी के हमले में एक ग्रामीण की मृत्यु,मृतक के परिजन को वन विभाग ने दी तात्कालिक सहायता राशि

कसडोल /नवप्रदेश। बारनवापारा अभयारण्य क्षेत्र में विगत दिनों हाथी के हमले से एक ग्रामीण की मृत्यु हो गईवन विभाग द्वारा मृतक के परिजनों को तात्कालिक अग्रिम सहायता राशि 25000 रुपये प्रदान की गई है। साथ ही स्थानीय ग्रामों में मुनादी करवा दी गई है एवं ग्रामीणों से आग्रह किया गया है कि हाथियों की गतिविधि वाले क्षेत्रों में अत्यधिक सतर्कता बरतें और किसी भी स्थिति में उनके समीप न जाएं। वनमण्डलाधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार बारनवापारा अभयारण्य के ग्राम बार के समीपस्थ ग्राम हरदी निवासी कनकू राम पिता चमरू लाल (उम्र 68 वर्ष) की मृत्यु एक हाथी हमले में हो गई। घटना 22 अक्टूबर (बुधवार) शाम लगभग 4 बजे की है, जब मृतक अपने खेत की रखवाली के लिए जा रहे थे।घटना कक्ष क्रमांक 108 के समीप डीके जक्शन बेरियर के पास हुई। वहां तैनात बेरियर चौकीदार नंद कुमार ध्रुव द्वारा मृतक को आगे बढ़ने से रोका गया था, क्योंकि क्षेत्र में एक एकल (लोनर) हाथी का विचरण हो रहा था। चेतावनी के बावजूद मृतक आगे बढ़ गया जिससे यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई।घटना की जानकारी मिलते ही हाथी मित्र दल एवं वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तत्काल मौके पर पहुंचे और आसपास के ग्रामीणों को सावधानी बरतने एवं हाथी से दूरी बनाए रखने की समझाइश दी। घायल को प्राथमिक उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिथौरा ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।वन विभाग द्वारा यह भी बताया गया है कि क्षेत्र में हाथियों की आवाजाही पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु गश्ती दल सक्रिय है।

विधायक ओंकार साहू ने पूर्व सीएम बघेल के निवास में आयोजित गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में की सहभागिता

धमतरी/नवप्रदेश। धमतरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री ओंकार साहू आज भिलाई स्थित पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निवास पर आयोजित गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट महोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेसजन, जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।पूजा कार्यक्रम में परंपरागत विधि से भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की गई। विधायक श्री ओंकार साहू ने भगवान श्रीकृष्ण से प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि ÷गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति, गौ-सेवा और सहयोग की भावना से जोड़ती है। यह त्यौहार समाज में एकता और सेवा की प्रेरणा देता है।इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में प्रदेश की भाजपा सरकार ने कांग्रेस सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं – जैसे बिजली बिल हाफयोजना और गोधन न्याय योजना – को बंद कर जनता के हितों पर आघात पहुँचाया है।

डिस्पोजल -पानी उधार देने से किया इंकार महिला को पीटा

महासमुंद/नवप्रदेश। कोमाखान थाना क्षेत्र के ग्राम कसेकेरा में उधार सामान न देने पर आरोपियों ने महिला दुकानदार से मारपीट कर दी। रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम कसेकेरा निवासी पुनिया बाई यादव ने कोमाखान पुलिस को बताया कि वह गाँव में किराना दुकान चलाती हैं। 21 अक्टूबर की शाम 4 बजे वह दुकान पर थीं, तभी गांव के मनीराम पटेल, पन्ना पटेल एवं टोपराम निषाद दुकान आकर डिस्पोजल व पानी पाउच उधार मांगने लगे। उन्होंने पहले का उधारी पैसा देने कहा इससे नाराज मनीराम व पन्ना पटेल ने उनसे मारपीट की। जिससे गले व छाती में चोट आई है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2), 296, 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया है।

गोवर्धन पूजा का आयोजन श्रद्धालुओं ने की गौधन की आराधना

- गाय के गोबर से बनी आकृतियों पर चढ़े 56 भोग, पारंपरिक वेशभूषा में ग्वालों ने किया नृत्य

गरियाबंद/नवप्रदेश। दीपावली के अगले दिन गांधी मैदान गरियाबंद में गोवर्धन पूजा उत्सव समिति के तत्वावधान में भव्य आयोजन हुआ, जिसमें यादव समाज के सैकड़ों लोगों ने मिलकर परंपरा और आस्था का शानदार संगम प्रस्तुत किया।

यादव समाज अपनी परंपरा को निभाते हुए गाय के गोबर से गोधन-गोधनी के साथ सूर्य, चंद्रमा, गौ माता और चौकीदार की आकृतियां बनाई गईं। इन पर तिलक लगाकर 56 भोग का अर्पण किया गया।

पार्षद एवं समाजसेवी छगन यादव ने बताया कि ÷गोवर्धन पूजा भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीला का स्मरण कराती है। उन्होंने ब्रजवासियों की रक्षा के लिए अपनी कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर देवराज इंद्र के घमंड को तोड़ा था। इसी दिन से ब्रजवासी हर वर्ष गोवर्धन पूजा करते हैं। यह पर्व प्रकृति और पशुधन के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है।प्रह्लाद यादव उर्फ गुंचू ने कहा कि ÷यह पर्व हमारे सांस्कृतिक जीवन की आत्मा है। महिलाएं पारंपरिक परिधान पहनकर समूह में पूजा-अर्चना करती हैं, गोवर्धन की परिक्रमा करती हैं और परिवार की खुशहाली की कामना करती हैं।÷

गांधी मैदान में मंगल गीतों की गूंज के साथ गोवर्धन की परिक्रमा की गई। श्रद्धालु महिलाओं ने दीपक जलाकर आरती उतारी। पारंपरिक प्रथा के अनुसार गोधन को कूटने और उसे छलांग लगाकर पार करने की परंपरा का भी पालन हुआ। पूरे मैदान में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्रदेव का अभिमान तोड़ने के लिए ब्रजवासियों से गोवर्धन पर्वत की पूजा करने को कहा था। इससे क्रोधित होकर इंद्र ने भीषण वर्षा की, तब श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर सात दिनों तक ब्रजवासियों को शरण दी थी। सातवें दिन उन्होंने पर्वत को नीचे रखा और हर वर्ष गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट उत्सव मनाने का संकल्प लिया।इस वर्ष दीपावली दो दिवस पड़ने के कारण गोवर्धन पूजा बुधवार को की गई। गांधी मैदान में भव्य आयोजन के साथ साथ नगर एंव ग्रामीण क्षेत्र के घर-घर और मंदिरों में गौधन की पूजा कर लोगों ने समृद्धि की कामना की। अन्नकूट पर्व के माध्यम से लोगों ने प्रकृति, पशुधन और अन्नदाता के प्रति आभार व्यक्त किया।गोवर्धन पूजा उत्सव समिति में बीरू यादव, टिकेश्वर यादव, छगन यादव, प्रह्लाद यादव, अयोध्या यादव, लच्छीराम यदु, सुदामा यादव, प्रदीप यादव, रमेश यादव, हरिअर्जुन यादव, बेनु यादव, बिहारी यादव, अमृत यादव, संतोष यादव, हरिशचंद ध्रुव, हरिश नायक, वरुण प्रह्लाद यादव, प्रेम यादव, उत्तम यादव, घनश्याम यादव, मुकेश यादव, श्रवण यादव, शुभम यादव, करण यादव, दीपक यादव, निक्की यादव, शिवम यादव, देवेन्द्र यादव, नरेंद्र यादव, खेमराज यादव, दिना यादव, सुदर्शन यादव, शोयम यादव, सूरज यादव, तरुण यादव, नवीन यादव, ललित यादव, पुंटी यादव, जयप्रकाश, सोहन यादव, कान्हा यादव, मोलू यादव, बसंत यादव, दीपेश यादव, देवनाथ यादव, मधु यादव, अजय यादव, सुनील यादव, कमलेश यादव, उत्पल यादव, पुरुषोत्तम यादव, छोटू यादव, आदि उपस्थित रहे।

जिले में उल्लास और श्रद्धा से मनाया गया भाई दूज पर्व

- पुराना मंगल बाजार में बहनों ने भाइयों की दीर्घायु की कामना की
- परंपरा, प्रेम और आस्था से सराबोर रहा भाई-बहन के स्नेह का त्योहार

गरियाबंद/नवप्रदेश। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक पर्व भाई दूज (यम द्वितीया) गुरुवार को नगर सहित ग्रामीण अंचलों में हर्ष, भक्ति और परंपरा के रंगों में डूबकर मनाया गया। गरियाबंद के पुराना मंगल बाजार इलाके में सुबह से ही घरों में पर्व का उल्लास दिखाई दिया। बहनों ने स्नान कर उपवास रखा और भगवान श्री गणेश तथा यमदेव की पूजा-अर्चना कर भाइयों की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखद जीवन की कामना की। तिलक, आरती और मिठाई के साथ यह दिन भावनाओं और अपनत्व से सराबोर रहा।

बहनों ने अपने भाइयों को तिलक लगाते हुए पारंपरिक गीत गाए–÷भैया मोर दीर्घायु रहिबे, सुख समृद्धि आशीष पाबे।÷ भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनके स्नेह का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर पुराना मंगल बाजार, मैनपुर रोड, चांदी चौक और बस स्टैंड क्षेत्र में भी भाई दूज की रौनक देखने को मिली। हर घर में पूजा की थाली, दीया-बाती और रंगोली से सजा वातावरण प्रेम और संस्कार की मिसाल बना रहा।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी पारंपरिक रंग में डूबा भाई दूज पर्व विशेष रहा। गांव-गांव में महिलाओं ने समूह बनाकर गाय के गोबर से यमदेव की आकृति बनाई और विधिपूर्वक पूजा की। यमदेव की कथा सुनाते हुए उन्होंने भाइयों की दीर्घायु की कामना की। इस दौरान मंगलगान और लोकगीतों की मधुर स्वर लहरियों से पूरा वातावरण भक्तिभाव से भर उठा।

बुजुर्ग महिला धर्मीन बाई सिन्हा ने कहा भाई दूज अपन मया, संस्कार अउ आस्था के त्योहार हे। ए दिन बहिनी मन अपन भाई बर जो पूजा करथें, वो सिर्फ रिवाज नई ये, अपन संस्कृति के पहचान हे।÷ उन्होंने बताया कि पहले जमाने में बहनें मिट्टी के दीपक में रुई की बत्ती जलाकर भाइयों की आरती करती थीं और घर के आँगन में यमदेव की आकृति बनाकर पूजा करती थीं, ताकि घर में सुख-शांति बनी रहे।

वहीं लक्ष्मी सिन्हा ने भावनात्मक लहजे में कहा हम हर साल भाई दूज मनाथन, फेर हर बार अपन भाई ला देखके मन में नवा अपनत्व जाग जाथे। ए बंधन जीवन भर के सुरक्षा जइसन हे।÷ उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को भी इस पर्व का भाव समझना चाहिए, क्योंकि इसमें प्रेम, जिम्मेदारी और परिवार की एकता का सुंदर संदेश छिपा है।धार्मिक मान्यता के अनुसार, यह पर्व यमराज और उनकी बहन यमुना के स्नेह से जुड़ा है। कहा जाता है कि यमराज अपनी बहन यमुना के घर इसी दिन मिलने गए थे। यमुना ने प्रेमपूर्वक उनका स्वागत किया और भाइयों की दीर्घायु के लिए व्रत रखा। इस प्रसन्नता से प्रभावित होकर यमराज ने वरदान दिया कि इस दिन जो भाई-बहन व्रत और पूजन करेंगे, उन्हें अकाल मृत्यु का भय नहीं रहेगा। तभी से यह पर्व भाई दूज के रूप में मनाया जा रहा है।

नगर में दिनभर भाई दूज की रौनक बनी रही। दुकानों में मिठाइयों की खुशबू, पूजा सामग्री की रौनक और घरों में सजावट से पूरा वातावरण उत्सवमय नजर आया। बच्चों ने भी भाइयों-बहनों की रस्मों में उत्साह से भाग लिया।

पत्नी की मौत के मामले में आरोपी पति गिरफ्तार

इंस्टाग्राम रील को लेकर हुआ था विवाद

बलरामपुर/नवप्रदेश। थाना राजपुर अंतर्गत पुलिस चौकी बरियों क्षेत्र के ग्राम अखोराखुर्द (जवाखाड़) में एक महिला की संदिग्ध मौत के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतका के पति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कुन्दन राम पिता मोतीराम (उम्र 28 वर्ष), जाति पहाड़ी कोरवा, निवासी ग्राम अखोराखुर्द, थाना राजपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के रूप में हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 22 अक्टूबर 2025 को ग्राम अखोराखुर्द निवासी हिरनराम पिता बंदे राम ने चौकी बरियों में रिपोर्ट दर्ज कराई कि गाँव का कुन्दन राम घबराते हुए उसके घर आया और बताया कि उसकी पत्नी किरन के छाती में चाकू लग गया है। जब वह साथी रामसाय के साथ मौके पर पहुँचा, तो किरन घर के अंदर जमीन पर बिछे बिस्तर पर मृत अवस्था में पड़ी थी और उसके सीने में गहरा घाव था।

पूछताछ में आरोपी कुन्दन ने बताया कि उसकी पत्नी इंस्टाग्राम पर रील बनाकर सोशल मीडिया में डालती थी, जिससे दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। इसी बात को लेकर 21 अक्टूबर की रात भी झगड़ा हुआ था, जिसके बाद उसने घर की बिजली की तार काट दी थी। अगले दिन सुबह ÷नवा खाई÷ त्योहार मनाकर लौटने पर पत्नी ने बिजली तार जोड़ने को कहा और झगड़ा करने लगी। उसी दौरान वह सब्जी काटने वाला चाकू लेकर धमकाने लगी। झगड़े के बीच आरोपी ने पैर से धक्का मारा, जिससे चाकू उसके सीने में घुस गया और उसकी मौत हो गई।

सूचना पर बरियों पुलिस ने मौके पर पहुँचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया, चाकू जब्त किया और आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसे अपराध क्रमांक 238/2025 धारा 103(1) भा.न्या.सं. के तहत 23 अक्टूबर 2025 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

भटगांव के श्री मानस चौक 36 वां वर्ष भव्य मां काली उत्सव का किया जा रहा आयोजन

भटगांव/नवप्रदेश। नगर भटगांव के श्री मानस चौक में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य मां काली उत्सव का आयोजन किया गया है यह वर्ष 36 वां वर्ष है इस मां काली उत्सव में मां काली मुर्ति स्थापना कर मां काली की पुजा अर्चना करते हुए 9 दिनों तक मां सेवा भक्ति करते हैं जहां रात्रि को जसगीत गायन, भजन, कीर्तन का कार्यक्रम होते हैं रात्रि में विभिन्न क्षेत्रों से आए जसगीत मंडली जसगीत के दौरान झांझ ,मंजीरा, मांदर की थाप से पुरा बस्ती गुंजायमान रहता है दिपावली पर्व होने पर क्षेत्रों के लोगों का माता काली की दर्शन करने आना-जाना लगा रहता है मानो पुरा नगर भक्तिभय बना है ।और क्षेत्र क्षेत्र के गायन मंडलियां द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत कर कार्यक्रम का आनंद उठाते हुए पुन्य के भागी बन रहें हैं। इस कार्यक्रम के दौरान पुरस्कार भी रखा गया है जो अच्छे कार्यक्रम मां काली उत्सव के दौरान प्रस्तुत किया जाता है । उन्हें कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार 15001 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 11001ऊपये, तृतीय पुरस्कार ?7101 ? दिया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विक्रम करें- अध्यक्ष नगर पंचायत भटगांव , मुख्य अतिथि समापन- प्रकाश कुरें चिकित्सा अधिकारी बिलाईगढ़ विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत उपाध्यक्ष - प्रदीप देवांगन, नर्सिंग हिरवानी(गुरुजी) एवं समस्त पार्षदगढ़ नगर पंचायत भटगांव मां काली उत्सव कार्यक्रम के पदाधिकारीगढ़ संरक्षक जीवन रात्रे, अध्यक्ष- महेश राम हिरवानी, उपाध्यक्ष- लक्ष्मी बघेल, कोषाध्यक्ष- गौरीशंकर सोनवानी, सचिव- धरम टंडन, सहसचिव -किसन टंडन, माइक सचालक -भुवनेश्वर नारंग, टाईगर कुर्रे है।

गोवर्धन पूजा :गाय बैल को खिचड़ी खिलाई

- सद्भावना, सहयोग और परंपरा का सुंदर संगम आज

नगरी/नवप्रदेश। ग्राम घुटकेल में इस वर्ष गोवर्धन पूजा का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। यादव समाज सहित समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित इस पारंपरिक पर्व में ग्रामीणों ने साक्षात देवी को गैठा, सोहई, लाली बंधन और पुष्प अर्पित कर नमन किया। सभी ने सनातन परंपरा का पालन करते हुए विधि-विधान से पूजा कर ग्राम की खुशहाली, समृद्धि और सौहार्द की कामना की।

ग्राम प्रमुख और पुलिस ने संभाली व्यवस्था

कार्यक्रम को सफल और व्यवस्थित बनाने में ग्राम प्रमुख प्रफुल्ल चंद, समरथ ठाकुर तथा थाना बोराई प्रभारी नरेंद्र कुमार सिंह की विशेष भूमिका रही। उनके निर्देशन में एएसआई राकेश कुमार मिश्रा, डोमेन्द्र ओटी, महेंद्र कुंजाम और पुलिस टीम ने पूरी सतर्कता के साथ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की।सभी वर्गों की सक्रिय कार्यक्रम में भागीदारी देखने मिला साथ पूजा में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सामूहिक नाश्ता और पारस्परिक संवाद के आयोजन से ग्रामवासियों के बीच सौहार्द और एकता का वातावरण और अधिक प्रगाढ़ हुआ।

इस अवसर पर चैतराम मरकाम, वीरेंद्र यादव, रामस्वरूप यादव सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामवासियों ने कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी सहयोग, आस्था और एकजुटता की भावना को सशक्त बनाते हैं।

जिसमे गांव में परंपरा और संस्कृति का संगम

गोवर्धन पूजा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक पहचान का भी प्रतीक है। इस वर्ष का आयोजन पूरी तरह सफल रहा और यह उदाहरण प्रस्तुत करता है कि सहयोग, सद्भाव और परंपरा का संगम ही किसी समुदाय की सच्ची शक्ति है।

कोयला घोटाले के मास्टरमाइंड के करीबी के बालाजी होटल में रेड

- भाजपा- कांग्रेस और आप नेता- कार्यकर्ता समेत 18 पकड़ाया, 7.64 लाख से ज्यादा कैश मिला
- होटल के तीसरी मंजिल में सजी थी जुआरियों की महफ़िल

महासमुंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में हुए कोल स्कैम के मास्टरमाइंड सूर्यकांत तिवारी के करीब अजय नायडू के रायपुर रोड स्थित बालाजी होटल में देर रात पुलिस ने रेड मारकर 18 जुआरियों को पकड़ा है। मौके से 7 लाख 64 हजार कैश, 10 वाहन और 19 मोबाइल पुलिस ने जब्त किया है। पकड़े गए जुआरियों में भाजपा पार्षद पति और कांग्रेस कार्यकर्ता के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर एसडीएम न्यायालय में पेश किया गया, जहां से दोनों को जमानत दे दी गई है। सिटी कोतवाली प्रभारी शरद दुबे को बुधवार की रात मोबाइल पर सूचना मिली कि कोयला घोटाले का मुख्य आरोपी सूर्यकांत तिवारी के करीब अजय नायडू के रायपुर रोड स्थित बालाजी होटल में जुआ की महफ़िल सजी हुई है। थाना प्रभारी ने एक टीम तैयार कर के गुरुवार की रात करीब 1.30 बजे बालाजी होटल के तीसरी मंजिल पर बने हॉल में दबिश दी। मौके पर भाजपा की वार्ड नंबर 19 के पार्षद पति जसमीत बादल मक्कड़, आम आदमी पार्टी से निकाले गए अभिषेक जैन, कांग्रेस से जुड़े ग्राम पंचायत खरोरा सरपंच पुत्र कुणाल चंद्राकर, कांग्रेस नेता का भतीजा रणवीर सिंह, कांग्रेस कार्यकर्ता मेहुल सूचक, रवि ज्वैलर्स के रवि राठी, जमीन दलाल कृष्ण कुमार साहू, बोरवेल संचालक तुषार चौहान, हितेश चौहान, विपिन चंद्राकर, राहुल जैन, करण चोपड़ा, शशांक जैन, आनंद कामदार और राजेश पोपट को कार्डपत्ती खेलता हुआ पाया गया। पुलिस ने मौके से 7 लाख 64 हजार कैश, 19 मोबाइल और अलग-अलग जगह खड़े किया हुआ 10 वाहनों को जब्त कर सभी को जुआ एक्ट के तहत हिरासत में लिया गया। इनमें से भाजपा पार्षद पति एवं ट्रांसपोर्ट कारोबारी जसमीत बादल मक्कड़ और कांग्रेस कार्यकर्ता मेहुल सूचक पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर एसडीएम न्यायालय में पेश किया गया, जहां से दोनों को जमानत दे दी गई है।

हिमालय पार्क निवासी बालाजी होटल संचालक अजय नायडू छत्तीसगढ़ के बहू चर्चित कोयला घोटाले के किंगपिन सूर्यकांत तिवारी के बहुत ही करीब माने जाते हैं। इस घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने अजय नायडू के घर पर भी छापा मारा था। पुलिस सूत्र के अनुसार होटल में संदिग्ध गतिविधियां होता है लेकिन राजनीतिक रसूख के कारण कोई हाथ नहीं डालता। पुलिस के मुताबिक अजय नायडू खुद पैसा लेकर होटल में जुआ संचालित कर रहा था।

अन्नकूट के साथ भगवान श्रीकृष्ण को 56 भोग अर्पित किया

गौ वंश की आरती कर खिलाया खिचड़ी

महासमुंद/नवप्रदेश। कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा तिथि में शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गोवर्धन पूजा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ बुधवार को मनाया गया। लोगों ने घरों के सामने गोबर से गोवर्धन महाराज की प्रतिमा बनाकर पूजा अर्चना की। भगवान श्रीकृष्ण को अन्नकूट का भोग चढ़ाएं गए। किसानों ने गाय की आरती कर गुड़, खिचड़ी आदि खिलाया।

बता दे कि, यह पर्व मनुष्य का जीवन प्रकृति पर निर्भर है। पर्वत, नदियाँ, पशु-पक्षी और पेड़ सब हमारे रक्षक हैं। इस लिए कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजन करने का विधान है। मान्यताओं को अनुसार इस दिन अन्नकूट भी भगवान को अर्पित किया जाता है इसलिए इसे अन्नकूट के नाम से जाना जाता है। इस पर्व में प्रकृति के साथ मानव का सीधा संबंध

बताया गया है। भगवान श्रीकृष्ण ने इस परंपरा की शुरुआत की है।

गोवर्धन पूजा के दिन हर घर में गाय के गोबर से गोवर्धन महाराज की प्रतिमा बनाई जाती है और पूरे परिवार के साथ शुभ मुहूर्त में पूजा अर्चना की जाती है। साथ ही गाय और बैलों को नहलाकर, रंग, फूल और वस्त्रों से सजाया गया है। उनकी आरती की गई है और उन्हें शहद, घी, दही, गंगा जल, गुड़ आदि से बनाए पकवान खिलाया गया। बताया जाता है कि, पूजा और कृषि संस्कृति में गायें भारतीय जीवन और अर्थव्यवस्था का केंद्र रही हैं, इसलिए इस दिन उन्हें विशेष सम्मान दिया जाता है।

गोवर्धन पूजा पर भोग प्रसाद

गोवर्धन पूजा के दिन श्रद्धालु अन्नकूट बनाकर गिरिराज महाराज को भोग लगते हैं। अन्नकूट के साथ भगवान कृष्ण के लिए 56 भोग का प्रसाद भी अर्पित किया जाता है। यह परंपरा द्वापर युग से चली आ रही है।

गोवर्धन पूजा की कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार द्वापर युग में कार्तिक मास की प्रतिपदा तिथि के दिन ब्रज में पहले देवराज इंद्र की पूजा हुआ करती थी। लेकिन भगवान कृष्ण ने ब्रजवासियों से इंद्र के बजाय गोवर्धन पर्वत की पूजा करने की सलाह दी। भगवान कृष्ण की बात मानकर ब्रजवासियों ने गोवर्धन पर्वत की पूजा की परंपरा शुरू की। देवराज इंद्र को जब ब्रज में होने वाली इस घटना की जानकारी मिली तो उन्होंने अपने अहंकार में आकर पूरे ब्रज में मूसलाधार बरसात शुरू कर दी। धीरे धीरे ब्रजमंडल जल में डूबने लगा। लोग इंद्र के कोप से डरने लगे और भगवान श्रीकृष्ण से कहने लगे आपकी बातों में आकर हमनें इंद्रदेव को नाराज कर दिया जिससे उनका कोप हम पर बरस रहा है। तब भगवान कृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की और इसी के साथ इंद्रदेव के घमंड को भी चकनाचूर कर दिया। चारों तरह अस्त व्यस्त स्थिति होने की वजह से सभी सब्जियों को मिलाकर अन्नकूट तैयार किया गया, तब से हर वर्ष इस तिथि को गोवर्धन महाराज पूजा की जाती है और अन्नकूट का भोग भगवान श्रीकृष्ण को लगाया जाता है।

गौरा गौरी विवाह भक्तिभाव व धूमधाम से मनाया गया

कुरुद/नवप्रदेश। नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति चंद्राकर एवं विधायक प्रतिनिधि भानु चंद्राकर ने नगर भर के गौरा गौरा समितियों से भेंट कर उन्हें दीपावली और देवारी की बधाई देते हुए उन्होने समस्त समितियों को सहयोग राशिया प्रदान करते हुए उन्हें सभी प्रकार की आवश्यकताओ और दिक्कतों, जरूरतों पर चर्चा करते हुए। उनसे समितियों की सेवा मे सदैव तत्पर रहने की बात कही। छत्तीसगढ़ मे विशेष रूप से मनाये जाने वाले पर्व देवारी अर्थात गौरा गौरी विवाह नगर भर की समितियों द्वारा बहुत ही धूमधाम और भक्तिभाव से मनाई गई.। नगर पालिका कुरुद अध्यक्ष ज्योति चंद्राकर - विधायक प्रतिनिधि भानु चंद्राकर ने वार्ड क्र 5 गोड़ पारा स्थित गोरा गौरी चौक, समितियों के गौरा बारात मे सम्मिलित होकर माता गौरा और भगवान भोले की पूजा अर्चना कर नगर व क्षेत्र की सुख समृद्धि और खुशहाली मांगी।

न्यूज गैलरी

एसपी आशुतोष सिंह की सीबीआई में प्रतिनियुक्ति

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) आशुतोष सिंह का तबादला कर दिया गया है। उन्हें केंद्रीय गृह विभाग द्वारा प्रतिनियुक्ति पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) में एसपी बनाया गया है। यह तबादला हाल ही में हुई एक बैठक से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें एसपी आशुतोष सिंह की गृहमंत्री विजय शर्मा के साथ तीखी नोंकझोंक हुई थी। 2012 बैच के छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस अधिकारी आशुतोष सिंह उस समय चर्चा में आए थे, जब छत्तीसगढ़ के सभी कलेक्टर और एसपी की कानून व्यवस्था को लेकर संयुक्त बैठक हुई थी। इस बैठक के दौरान गृहमंत्री विजय शर्मा और एसपी आशुतोष सिंह के बीच तीखी बहस हुई थी। इस घटना के बाद विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि जब गृहमंत्री की बात एसपी नहीं सुन रहे हैं, तो आम जनता का क्या होगा। केंद्रीय गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में केवल महासमुंद एसपी आशुतोष सिंह का ही नाम शामिल है, जिससे इस तबादले को उक्त घटना से जोड़कर देखा जा रहा है।

भव्य एवं गरिमामय ढंग से आयोजित हो स्तरीय राज्योत्सव समारोह

बालोद/नवप्रदेश। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के अवसर पर पूरे राज्य में 02 से 04 नवंबर तक आयोजित होने वाली राज्योत्सव समारोह के अंतर्गत बालोद जिले में जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का आयोजन भव्य एवं गरिमामय ढंग से सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा आज संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में जिला मुख्यालय बालोद के स्व. सरयु प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह के आयोजन के तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को राज्योत्सव के तीन दिवसीय कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

गौरा-गौरी की शोभायात्रा में अखाड़ा दल के युवाओं ने दिखाया करतब

भाटापारा/नवप्रदेश। नगर में दीपोत्सव पर्व बड़े धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भगवान गौरा-गौरी मूर्ति जयका स्थापना नगर के अधिकांश वार्डो नयापारा वार्ड, डबरापारा, नयागंजवार्ड, हथनीपारा सुभाषवार्ड, शक्तिवार्ड, नेहरूवार्ड , मातादेवालय वार्ड सहित अनेक वार्डो में किया गया। जहां पर भगवान गौरा गौरी की विधिवत पूजा अर्चना, आदिवासी समाज सहित सभी समाज के लोगों ने किया। धनतेरस के दिवस गौरागौरी स्थापना फूल कूचरना का कार्यक्रम संपन्न किया गया था।

लक्ष्मी पूजन पर प्रातः 10 बजे संबंधित स्थल से भगवान गौरा-गौरी की मूर्ति हेतु चुलमाटी कार्यक्रम संपन्न किया गया एवं निर्धारित स्थल पर ले जाकर ,भगवान गौरा गौरी की मूर्ति संबंधित बैगाओं के द्वारा बनाई गई तथा रात्रि में भगवान गौरा गौरी की विधिवत वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न कराई।

गोवर्धन पूजा के दिन प्रातः 6 बजे टिकावन कार्यक्रम संपन्न किया। दोपहर 12 बजे भगवान गौरा-गौरी की भव्य शोभायात्रा गाजे बाजे व अखाडे के साथ विसर्जन कार्यक्रम स्थानीय कल्याण सागर तालाब में संपन्न किया गया।

इसी तारतम्य में नयापारा वार्ड ,धरमू गली गौरा गौरा चौक पर गौरागौरी की मूर्ति स्थापित, सतरूपा गणेष सिंह ध्रुव, सावित्री पुनउराम ध्रुव कदम सुरेशसिंह ध्रुव, कुंती जयसिंह ध्रुव, इन्दु गीताप्रसाद ध्रुव के देखरेख में ओमसिंह ,रामायण सिंह ,प्रेमसिंह ,जसपाल पालू, संतोष सुषीला रजक, कुमारी देवांगन, रोहणीरजक ,दीक्षा , रष्मि,लक्ष्मी ,आरती ,जानकी ,गौरी , कोमल, निकिता ध्रुव के व्दारा संपन्न किया। इसमें आदिवासी परिवार सहित वार्डवासीयों के सहयोग से यह कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सहभागिता बजरंग अखाड़ा दल के प्रमुख बजरंग ध्रुव के मार्गदर्शन में नन्हे मुन्ने बालकों में बाबू, जतिन, गगन, मयंक, तुषार, वासु टिकेश्वर ,कृष्णा, भूपेंद्र (बॉबी) ध्रुव, निखिल यादव, रितेष यादव, रितेन्द्र यादव,सन्नी ध्रुव, प्रवीण, सौरभ शैलेंद्र ,शेखर ,मोनू सहित अन्य ने आकर्षण हैरत अंगेज करतब दिखाए। विसर्जन कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग, ओम सिंह ,प्रेम, ऋषभ शिवम, अमन, गजेंद्र ,सोनू रवि रजक, हिमांषु यादव, शिव ध्रुव, गोलू ध्रुव, आदि थे।

प्रकाश की दुनिया में आना ही दीपावली है : अंशु दीदी

छुरा/नवप्रदेश। खड़मा स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र के ओम शांति भवन में दीपावली उत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी ने दीपावली उत्सव मनाते हुए श्रद्धालुओं से कहा कि दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला त्योहार है। दीपावली का संदेश है कि घर की साफसफाई के साथ-साथ आत्मा की भी सफाई करना जरूरी है। कलियुगी रूपी अंधकार की दुनिया में परमपिता परमात्मा से आत्मा का संयोग कर प्रकाश की दुनिया में आना ही दीपावली है। अंधकार से प्रकाश की ओर जाना मनुष्य से देवता बनने जैसा है। रामराज्य की संकल्पना ही है कि मनुष्य और जीव सभी कष्टों से मुक्त होंगे। प्रातः 8:00 बजे से ही दूर दराज गांव से संस्थान के सदस्यों का आवा जाहि लगा रहा। बहनों ने रंगोली सजाई तो माताओं ने दीप प्रज्वलित कर आध्यात्मिक वातावरण में दीप पर्व मनाए वही संस्था की संचालिका ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी ने बच्चों के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए केक काट कर सब को शुभकामनाएं दी।वरिष्ठ सदस्य अगहन सिंह ठाकुर,उपेंद्र चंद्राकर, यादराम साहू,गोविंद,एवं सज्जन यादव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए दीपावली पर्व की बधाई दिए। ब्रह्माकुमारी चंद्रिका, बी के नम्रता,बीके मंजू एवं अलका बहन ने सभी का मुख मीठा कराए व भाई बहन के स्नेह के प्रतीक भाई दूज का निमंत्रण दिया इस अवसर पर, खड़मा मुख्यालय के साथ साथ मेडली,पिपरछेड़ी, गायडबड़ी, करचाली, कनेशर, छुरा,से ब्रह्मकुमारीज पाठशाला के सदस्य गण मौजूद रहे।

मीटर चालू, बत्ती गुल-क्या स्मार्ट मीटर जनता की भूल?

सरसींवा(सारंगढ़-बिलाईगढ़)/नवप्रदेश। गोपी अजयः- देशभर में बिजली व्यवस्था को डिजिटल और पारदर्शी बनाने के नाम पर लगाए जा रहे अडानी स्मार्ट मीटर अब जनता के गले की फांस बनते जा रहे हैं। जहाँ सरकार इन मीटरों को आधुनिक और सटीक बताकर प्रचारित कर रही है, वहीं दूसरी ओर इनके लगने के बाद से बिजली बिलों में अचानक वृद्धि और अजीब तकनीकी गड़बड़ियों से लोग परेशान हैं।

ग्रामीण इलाकों में तो लोगों का कहना है कि ÷स्मार्ट मीटर लगने के बाद से बिजली कटने की घटनाएँ बढ़ गई हैं, और बिल भी पहले से ज्यादा आने लगे हैं।÷ अब एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है – बिजली कटने के बाद भी स्मार्ट मीटर में लाल रंग की लाइट

लगभग 30 सेकंड तक जलती रहती है।

लोगों का कहना है कि इसका मतलब यह है कि मीटर में कोई इनबिल्ट बैटरी या स्टोरेज सिस्टम मौजूद है, जो बिजली के बिना भी कुछ सेकंड तक सक्रिय रहता है। यही बात लोगों के मन में शक पैदा कर रही है कि आखिर बिजली कटने के बाद भी मीटर कैसे चालू रहता है?

ग्रामीण उपभोक्ताओं का मानना है कि यदि पूरे देश में लगभग 3.5 करोड़ स्मार्ट मीटर लगे हैं और हर मीटर में ऐसी बैटरी या यूनिट लगातार एक्टिव रहती है, तो इससे कंपनियाँ बिना उपयोग के भी करोड़ों रुपये की कमाई कर रही होंगी। लोग इसे फिल्म "बत्ती गुल मीटर चालू"से जोड़ते हुए कह रहे हैं कि अब यह फिल्म नहीं, बल्कि हकीकत बन चुकी है। स्मार्ट मीटर को लेकर कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं और आम नागरिक अब सरकार से इस पूरे सिस्टम की पारदर्शी जांच की मांग कर रहे हैं।

आम जनता का सवाल बिल्कुल सीधा

जब बत्ती गुल हो जाती है, तब मीटर चालू कैसे रहता है?

सरकार और बिजली कंपनियों को इस सवाल का जवाब देना ही होगा, वरना स्मार्ट मीटर का ये स्मार्ट लूट सिस्टम आने वाले दिनों में बड़ा जनआंदोलन खड़ा कर सकता है।

भालुओं के झुंड ने बैगा पर किया हमला

महासमुंद/नवप्रदेश। भालुओं के एक झुंड ने एक बैगा पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना कोमाखान से सटे ग्राम दरबेकेरा में बीती रात हुई है। घायल बैगा को बागबाहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसका इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम दरबेकेरा में गौरा-गौरी पूजा का सामूहिक आयोजन किया गया था। पूजा समाप्त होने के बाद देर रात करीब 3 बजे एक मादा भालू अपने दो शावकों के साथ गांव में पहुंची। भालुओं का यह दल सीधे पूजा

स्थल की ओर गया, जहाँ बैगा लखन सिंह ठाकुर (57) मौजूद थे। उन्होंने भालुओं को भगाने का प्रयास किया, लेकिन भालुओं ने उन पर हमला कर दिया। इस हमले में बैगा के जांघ और हाथ में गहरे जख्म आए हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग से गांव में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। गौरतलब है कि पखवाड़े भर पहले भी भालुओं के एक झुंड ने दो महिलाओं सहित तीन लोगों को घायल कर दिया था। बागबाहरा वन परिक्षेत्र के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भालुओं की बढ़ती गतिविधियों के कारण लोग दहशत में हैं।

अपात्र बीआरसी हरीश देवांगन पद से हटाए गए

शासन आदेश की अवहेलना पर कलेक्टर ने किया कार्यवाही

छुरा/नवप्रदेश। छुरा ब्लॉक में अपात्र व्याख्याता को बीआरसी बनाए जाने की खबर ने आखिरकार शासन-प्रशासन को झकझोर दिया। "गंगा प्रकाश" में प्रकाशित खबर "छुरा में शिक्षा विभाग का खुला खेल! शासन आदेश ताक पर, अपात्र व्याख्याता

बना बीआरसी" का बड़ा असर हुआ है।

गरियाबंद कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक, समग्र शिक्षा ने आदेश जारी कर विवादित बीआरसी हरीश कुमार देवांगन को तत्काल प्रभाव से पद से विमुक्त कर उनके मूल विद्यालय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसदा कला, फिंगेश्वर में पदस्थ कर दिया है।

जारी हुआ आदेश तत्काल प्रभाव से हटाए गए अपात्र बीआरसी। जिला मिशन संचालक द्वारा जारी आदेश क्रमांक 719/एस.एस/स्था./2025-26 दिनांक 22/10/2025 में उल्लेख किया गया है कि – समग्र शिक्षा के क्रियान्वयन में शिथिलता एवं विभिन्न शिकायतों के दृष्टिगत हरीश कुमार देवांगन को विकासखंड स्रोत केंद्र समन्वयक, छुरा से विमुक्त करते हुए मूल संस्था शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसदा कला, विकासखंड फिंगेश्वर में पदस्थ किया जाता है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

राज्योत्सव की तैयारी ...

कलेक्टर विनय लंगेह की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक

छत्तीसगढ़ स्थापना के 25 वर्ष की उपलब्धियों वाले स्टॉल लगाए जाएंगे

महासमुंद/नवप्रदेश। कलेक्टर विनय लंगेह की अध्यक्षता में आज समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा एवं रवि साहू, सभी एसडीएम तथा जिला स्तरीय अधिकारी , जनपद सीईओ एवं अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में आगामी महत्वपूर्ण आयोजनों और योजनाओं की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए कलेक्टर विनय लंगेह ने अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।

राज्योत्सव की तैयारी पर विशेष जोर

कलेक्टर लंगेह ने बताया कि राज्योत्सव कार्यक्रम 2 से 4 नवंबर तक मिनी स्टेडियम, महासमुंद में गरिमा पूर्ण रूप से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ स्थापना के 25 वर्ष की उपलब्धियों को दर्शाते हुए विभागीय स्टॉल लगाए जाएंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा, मंच व्यवस्था एवं सामग्री वितरण सूची शीघ्र तैयार की जाए ताकि आयोजन उत्कृष्ट और अनुकरणीय हो।

पीएम सूर्यघर योजना में 920 सोलर पैनल स्थापित

कलेक्टर ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत अब तक 920 हितग्राहियों को सोलर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं।

आवास एवं उज्ज्वला योजना की समीक्षा

कलेक्टर ने कहा कि जिले में शेष आवासों को पूर्ण करने तथा लंबित स्वीकृतियां शीघ्र जारी करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना के तहत जिले को नवीन 5360 का स्वीकृति प्राप्त हुआ है। उन्होंने सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों के अनुसार खाद्य विभाग को आबंटन की प्रक्रिया आगामी 15 दिनों में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

धान खरीदी की तैयारी, 16 चेक पोस्ट, निगरानी कड़ी

कलेक्टर ने कहा कि 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होगी। इसके लिए 16 चेक पोस्ट बनाए गए हैं ताकि अवैध परिवहन और आवक पर नियंत्रण रखा जा सके। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे चालू स्थिति में रहें, टीमें नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें और धान खरीदी नीति के 29 बिंदुओं की चेकलिस्ट अनुसार तैयारी सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना, 323 यात्री होंगे रवाना

बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना के तहत 27 अक्टूबर को 323 यात्री रवाना होंगे। कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने और सभी विकासखंडों को लक्ष्यानुसार जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए।

दीपोत्सव पर पालिका में अध्यक्ष ने की मां लक्ष्मी की पूजा

महासमुंद/नवप्रदेश। नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने दीपावली के पावन अवसर पर अध्यक्ष कक्ष में मां लक्ष्मी की पूजा कर कर्मचारियों के साथ खुशियां बांटी। इस दौरान उनकी माता श्रीमती सीतादेवी साहू भी पूजा में शामिल हुई। श्री साहू ने मां लक्ष्मी से नगर वासियों के जीवन में सुख समृद्धि व खुशहाली की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि दीपावली हिंदू संस्कृति का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। दिवाली का सबसे प्रमुख पौराणिक कथा भगवान राम से जुड़ा हुआ है। यह भगवान श्री राम की अयोध्या वापसी का पर्व है जहां लोगों ने उनकी स्वागत के लिए दीयों की कतारें सजाई थी। जो अज्ञानता और अंधकार को दूर करने का प्रतीक है। यह त्यौहार भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का एक जीवंत चित्रण है, जो हमें सदैव आशा और अच्छाई की विजय का संदेश देता है। भगवान राम तथा माता लक्ष्मी से यही प्रार्थना है कि सभी के जीवन में सुख समृद्धि का संचार हो। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पार्षद नीरज चंद्राकर, जितेंद्र मोहंती, हीरा चौहान सहित कर्मचारी अधिकारी गण उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, आरोपी युवक गिरफ्तार

लखनपुर/नवप्रदेश। एक युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अमूक प्रार्थीया और आरोपी युवक लाल दास साकिन ग्राम बगदरी से युवती की जान-पहचान फोन के जरिए से मई 2025 को हुआ था फोन से बातचीत करने के दौरान एक दूसरे को दोनों पसंद करने लगे। इस तालुक का नाजायज़ फायदा उठाते हुए आरोपी युवक ने युवती को शादी करूंगा बोलकर 25 मई 2025 को दारिमा एयरपोर्ट घुमाने लेकर गया घूमने के बाद दौरान वापसी के रात में युवती के घर रुका और खाना पीना खाने के बाद तथाकथित युवती के घरवाले सब सो गए तब बदनियत आरोपी युवक लाल दास शादी करूंगा कह कर युवती से शारीरिक संबंध बनाया इसके बाद वह लगातार युवती से शारीरिक संबंध बनाता रहा। जब युवती ने युवक के सम्मुख शादी करने की पेशकश रखी तो हवस के पुजारी ने शादी करने से साफ़ इनकार कर दिया। प्रार्थीया के द्वारा लखनपुर थाना पहुंच रिपोर्ट दर्ज कराया गया लखनपुर पुलिस धारा 69 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज करते हुए आरोपी युवक लाल दास पिता अधिन दास 20 वर्ष निवासी ग्राम बगदरी को 22 अक्टूबर दिन बुधवार की दोपहर लगभग 2:30 बजे गिरफ्तार करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

राजापारा वार्ड क्रमांक 3 में कार्तिक रामायण का शुभारंभ

सक्ती/नवप्रदेश। शारदा मानस मंडली राजापारा एवं मोहल्लेवासी के सहयोग से कार्तिक रामायण का 22 से बहुत ही भक्तिमय के साथ शुभारंभ किया गया कार्तिक रामायण का कार्यक्रम लगभग 65 वर्षों से शारदा मानस मंडली द्वारा किया जा रहा है मानस शारदा मंडली के साथ-साथ महिला मंडली के द्वारा कीर्तन भजन रात्रि में किया गया इस कार्यक्रम के मुख्य कार्यकर्ता ने बताया की लगभग 65 -70 साल से राजापारा में कार्तिक रामायण का आयोजन होता रहा है हमारे बुजुर्गों ने जिसकी शुरुआत की है उस शुरुआत को आगे बढ़ाने का काम हमारे द्वारा किया जा रहा है किसी वजह से इस कार्यक्रम को 15 दिन के लिए किया गया इस कार्यक्रम केअवसर पर मंडली के सदस्य सुंदर प्रधान, परस यादव, कृष्ण कुमार देवांगन अधिवक्ता, चौबे महाराज जूनियर, प्रेमलाल प्रधान पार्षद, महादेव, शंकर, गोरेलाल, हीरीलाल, रघुनंदन, तेजराम, कार्तिक, नवीन प्रधान, प्रासू परिहार, एवं महिला मंडली के सदस्य उपस्थित थे।

कलेक्टर ने वृद्धाश्रम और बालगृह में मनाई दीपावली, बुजुर्गों-बच्चों के संग बांटी खुशियां

प्रशासन ने जरूरतमंदों संग मिलकर मनाई दीपावली

मुंगेली/नवप्रदेश। दीपों के पर्व दीपावली का सच्चा अर्थ है अंधकार से प्रकाश की ओर, उदासी से उमंग की ओर और स्वार्थ से सेवा की ओर बढ़ना। इसी भावना को साकार करते हुए जिले के कलेक्टर कुन्दन कुमार सपरिवार जिले के वृद्ध आश्रम, बाल गृह और सियान सदन पहुंचकर वहां निवासरत बुजुर्गों और बच्चों के बीच दीपावली का पर्व मनाया।

कलेक्टर दंपती के पहुंचते ही इन संस्थानों में उल्लास का माहौल बन गया। बच्चों ने रंगोली से परिसर को सजाया था, वहीं बुजुर्गों ने आत्मीय मुस्कान से अपने ÷परिवार÷ जैसे मेहमानों का स्वागत किया। कलेक्टर ने वृद्धजनों एवं बच्चों से आत्मीय संवाद करते हुए उनका हालचाल जाना और सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ÷दीपावली का असली आनंद तभी है जब हम समाज के उन सदस्यों के साथ खुशियां साझा करें जो हमारे स्नेह और साथ के आकांक्षी हैं।÷ इस दौरान कलेक्टर एवं उनकी धर्मपत्नी ने अपने हाथों से वृद्धजनों और बच्चों को मिठाई, पटाखे, कंबल, साड़ी, कुर्ता और अन्य आवश्यक वस्तुएं भेंट कीं। उपहार पाकर सभी के चेहरे पर अपार खुशी और अपनापन झलक उठा। कलेक्टर ने वृद्धाश्रम एवं सियान सदन के निवासियों से उनके स्वास्थ्य, भोजन, स्वच्छता, सुरक्षा और सुविधा की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आश्रमों में रह रहे सभी बुजुर्गों और

बच्चों की देखभाल में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का दायित्व केवल योजनाएं लागू करना नहीं, बल्कि हर व्यक्ति के जीवन में खुशियां पहुंचाना भी है। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि ÷हमारे बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव, आशीर्वाद और स्नेह से ही समाज की दिशा तय होती है। इनकी सेवा करना हम सबका नैतिक कर्तव्य है।÷ वृद्ध आश्रम के प्रभारी ने बताया कि कलेक्टर के आगमन से वहां रहने वाले सभी निवासियों में अति हर्ष का वातावरण बना रहा। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा दिखाई गई यह आत्मीयता और संवेदनशीलता बुजुर्गों को अपनेपन का अहसास कराती है। दीपावली के इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारी, समाजसेवी संस्था के सदस्य एवं स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे।

महालक्ष्मी की प्राण-प्रतिष्ठा, भक्तों ने की समृद्धि की कामना

दीपावली के पावन अवसर पर, धनतेरस के दिन शहर के प्रमुख मंदिरों में पूजा तथा पंडालों में धन और समृद्धि की देवी, माता महालक्ष्मी की प्रतिमाओं की विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा रामगोपाल तिवारी वार्ड, बाल मंदिर में की गई। वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक अनुष्ठानों के बीच यह प्रतिष्ठा महोत्सव पूर्ण श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ, जिसमें दीपावली के दिन महाआरती एवं दीपदान का आयोजन किया गया था इस पांच दिवसीय पर्व में पांचवे दिन हवन पूजन किया गया। प्रतिष्ठा में साक्षी बनने के लिए भक्तों की भीड़ देखने को मिली, भक्तों ने बड़ी श्रद्धा से माता की आराधना की और सुख, समृद्धि एवं आरोग्य की कामना की।

मजदूर में नाराजगी, सांसद राठिया से मिले संविदाकर्मी

कोल माइंस में संविदाकर्मियों का फूटा गुस्सा मजदूर हितों की अनदेखी पर हड़ताल की चेतावनी!

घरघोड़ा (रायगढ़)/नवप्रदेश। एनटीपीसी कोल माइंस प्रोजेक्ट, तलाईपल्ली में कार्यरत संविदाकर्मियों ने मजदूर हितों की अनदेखी और पूर्व में दिए गए पत्र पर कोई कार्यवाही न होने के खिलाफ तीखी नाराजगी जताई है। संविदाकर्मियों ने परियोजना प्रमुख को पुनः स्मरण पत्र सौंपते हुए चेतावनी दी है कि यदि अगले तीन दिवस के भीतर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल करने पर विवश होंगे। संविदाकर्मियों का कहना है कि वे Contract Labour (Regulation & Abolition) Act, 1970 तथा Factories Act, 1948 / Mines Act, 1952 के तहत कार्य कर रहे हैं, परंतु उन्हें न तो समान कार्य के लिए समान वेतन मिल रहा है और न ही आवश्यक भत्तों एवं सुविधाओं का लाभ दिया जा रहा है। 15 अक्टूबर 2025 को मजदूरों ने एक लिखित पत्र के माध्यम से एनटीपीसी प्रबंधन को

तीन मुख्य मांगें प्रस्तुत की थीं – 1. संविदाकर्मियों को स्थायी कर्मचारियों की तरह HRA, Communication Allowance एवं Conveyance Allowance का लाभ मिले। 2. सभी ठेका कंपनियों का एकीकरण (One Site - One Contract) कर पारदर्शिता और समानता सुनिश्चित की जाए। 3. Maintenance Contract की अवधि 1 वर्ष से बढ़ाकर 3 वर्ष की जाए, ताकि श्रमिकों को स्थायित्व एवं सामाजिक सुरक्षा मिल सके। मजदूरों का आरोप है कि पत्र प्रेषण के बाद सात दिन बीत जाने के बावजूद एनटीपीसी प्रशासन ने न तो कोई जवाब दिया, न कोई कार्रवाई की। यह स्थिति Contract Labour Act, 1970 की धारा 21 के उल्लंघन के समान है, जिसमें नियोक्ता को समय पर सूचना देना और श्रमिक हितों की रक्षा करना अनिवार्य बताया गया है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि प्रबंधन ने अब भी ध्यान नहीं दिया, तो संविदाकर्मी Factories Act, 1948 की धारा 111ए (WorkersÓ Right to Representation) के अंतर्गत अपने अधिकारों की रक्षा हेतु आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इधर, संविदाकर्मियों का एक प्रतिनिधिमंडल सांसद राधेश्याम राठिया (लोकसभा क्षेत्र - रायगढ़) से भी मिला और परियोजना से जुड़े मुद्दों की विस्तृत जानकारी उन्हें सौंपी।

सांसद राठिया ने मजदूरों की समस्याओं को गंभीर बताते हुए कहा कि वे मामले की जानकारी संबंधित मंत्रालय और प्रबंधन स्तर तक पहुँचाएंगे। इस मुलाकात के बाद अब यह प्रकरण राजनीतिक हलचल भी पैदा करने लगा है। संविदाकर्मियों ने स्पष्ट कहा है कि यदि उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो हड़ताल से होने वाली उत्पादनगत हानि और प्रशासनिक अव्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी एनटीपीसी प्रबंधन की होगी।

अवैध बिजली कनेक्शन से महिला की मौत, आरोपी गिरफ्तार

लखनपुर/नवप्रदेश। लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लहपटरा में अवैध बिजली कनेक्शन के कारण हुई एक महिला की दर्दनाक मौत के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस सहायता केंद्र मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर से प्राप्त बिना नंबरी मर्ग डायरी के आधार पर थाना लखनपुर में मर्ग क्रमांक 109/2025 धारा 194 बीएनएसएस के तहत मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ की गई।

मर्ग जांच के दौरान मृतका अमृता बाई के पति मोतीराम राजवाड़े सहित गवाहों के बयान से यह तथ्य सामने आया कि गांव के ही सूरज राजवाड़े पिता विकुल राम राजवाड़े (उम्र 38 वर्ष) ने अपने खेत में मोटर पंप चलाने के लिए बिजली खंभे से अवैध रूप से कनेक्शन खींचा था। उसी तार के संपर्क में आने से अमृता बाई की जान चली गई। घटना के दिन अमृता बाई भगवान दास के खेत की मेड पर घास काट रही थी, तभी बिजली के करंट से बेहोश होकर गिर पड़ी। उसे तत्काल जिला अस्पताल अम्बिकापुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में बिजली विभाग से प्रतिवेदन मंगवाया, जिसमें यह कनेक्शन नाजायज और असुरक्षित पाया गया। जांच में स्पष्ट हुआ कि आरोपी सूरज राजवाड़े को यह जानकारी थी कि अवैध बिजली कनेक्शन से किसी की जान जा सकती है, इसके बावजूद उसने यह जोखिमपूर्ण कार्य किया। इस आधार पर थाना लखनपुर में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 254/2025 धारा 105 बीएनएस एवं 135 विद्युत अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी सूरज राजवाड़े को उसके घर से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार करते हुए घटना में प्रयुक्त बिजली तार पुलिस को सौंप दिया, जिसे विधिवत जब्त किया गया। मामले में पर्याप्त सबूत मिलने पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

कार्रवाई: 55 प्रकरणों में 214 जुआड़ियों पर गिरी गाज

मुंगेली/नवप्रदेश। दीपावली पर्व मे जुआ खेलते 55 प्रकरण में 214 जुआड़ियान के विरूद्ध कार्यवाही कर 52 पत्ती ताश, नगदी 1,34,975 रूपये जप्त कर जुआ एक्ट की कार्यवाही की गई।

18 से 21 अक्टूबर तक ''ऑपरेशन बाज'' के तहत जिले के समस्त थाना/चौकी क्षेत्रान्तर्गत 52 पत्ती ताश से रूपये पैसे का दांव लगाकर जुआ खेलते घेराबंदी कर जुआड़ियानों के विरूद्ध जुआ एक्ट की कार्यवाही किया गया। जिले के समस्त थाना/चौकी मे जुआड़ियानों को रूपये पैसे का दांव लगाकर 52 पत्ती ताश जुआ खेलते पकड़ा गया। जुआ कार्यवाही जरहागांव क्षेत्रांतर्गत ग्राम बरेला मे जुआड़ियान चन्द्र कुमार पटेल, जुग्गू धुरी, अजय पटेल, संदीप पटेल, प्रियांशु पटेल, जलेश्वर पटेल, भांगी पटेल, दिलेश पटेल, रमेश्वर पटेल से कुल नगदी 2600 रूपए, ग्राम खम्हरिया मे जुआड़ियान प्रतिम पात्रे, सतीश कुमार रात्रे, सुद्धू रात्रे, अर्जुन मिरी, शिवकुमार यादव, तोप सिंह रात्रे, भगवती यादव से नगदी जुमला रकम फड़ एवं पास से 2530 रूपये, ग्राम सोढ़ार मे जुआड़ियान यशवंत मसीह, दिनेश पात्रे, नरेन्द्र पाटले, अजय कुमार पात्रे, मोतीलाल, बबलू पात्रे से कुल नगदी 7700 रूपये, ग्राम केशरूवाडीह मे जुआड़ियान, अमन साहू, कौशल उर्फ पप्पू विश्वकर्मा, प्रेम लाल साहू, मोनू पटेल, सुरज कुर्रे, लक्ष्मीनारायण टण्डन, रामखिलावन कुर्रे, अशवंत मिरी से 2750 रूपये, ग्राम फरहदा मे जुआड़ियान, दुकालू राम साहू, परमानंद साहू, रमेश कुमार भास्कर, मनीष पहरे से 1290 रूपये, ग्राम ढोढ़मा मे जुआड़ियान, परमेश्वर कुर्रे, राजेश लहरे, अजय कुमार कुर्रे, सुखनंदन यादव से 530 रूपये, ग्राम ठकुरीकापा मे जुआड़ियान, नंदकुमार पटेल, किशोर पटेल, राकेश यादव, भुनेश जायसवाल, रमन जायसवाल, मोनू साहू, सुमन ध्रुव, नन्कू सोनकर, धर्मेन्द्र साहू से 2260 रूपये, ग्राम केशरूवाडीह मे जुआड़ियान, अमन साहू, कौशल उर्फ पप्पू विश्वकर्मा, प्रेम लाल साहू, मोनू पटेल, सूरज कुर्रे, लक्ष्मीनारायण टण्डन, रामखिलावन कुर्रे, अशवंत मिरी से 2750 रूपये कुल 13 प्रकरण मे 55 जुआड़ियान से 22410 रूपये फड़ एवं पास से जप्त किया गया।

थाना सरगांव क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बड़ियाडीह मे तामेश्वर निषाद, चुकेश यादव, संजू निषाद, अशोक, गमखिलावन, संजय निषाद के कब्जे से 02 प्रकरण मे 3180 रूपये व थाना चिल्फी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कान्हाकापा मे जुआड़ियान श्रीराम साहू, कमलेश साहू व ग्राम रैतराखुर्द मे, रामवतार ध्रुव, परदेशी मरावी, पतिराम ध्रुव, प्रदीप नेताम, रामनारायण उइके एवं ग्राम घाटापानी मे, राजेश राम साहू, विष्णु लाल के कब्जे से कुल 04 प्रकरण मे 09 जुआड़ियान से जुमला रकम 3085 रूपये जप्त किया गया।

भैंस से टकराया बाइक सवार, एक की मौत

लखनपुर/नवप्रदेश। अंबिकापुर बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 130 स्थित जजगी रेड नदी पुलिया के समीप भैंस के सामने आ जाने से बाइक सवार अनियंत्रित होकर भैंस से जा टकराए। घटना में बाइक चालक घायल हो गया और लखनपुर अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मोटरसाइकिल के पीछे बैठे युवक बाल बाल बच गया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सलुक फैकरा ग्राम कुंवरपुर निवासी अपने साथी रवेश सिंह ग्राम अधला के साथ मोटरसाइकिल में सवार होकर किसी कार्य से उदयपुर जा रहे थे। जैसे ही बाइक सवार जजगी रेड नदी के समीप पहुंचे अचानक दौड़कर सामने से एक भैंस आ गई चालक मोटरसाइकिल से अपना नियंत्रण खो दिया।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में पहली बार महासंगम यूथ पार्लियामेंट का आयोजन

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले में पहली बार आयोजित होने जा रहा है "महासंगम यूथ पार्लियामेंट–एक ऐसा मंच जो युवाओं को लोकतंत्र की कार्यप्रणाली, संसदीय विमर्श और नीति-निर्माण की बारीकियों से जोड़ने का अवसर प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम आगामी 24 अक्टूबर (शुक्रवार) को प्रातः 9:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक असेंबली हॉल, मल्टीपरपज़ स्कूल, पेंड्रा में आयोजित किया जाएगा। इस अनूठे आयोजन का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करना, संवाद कौशल को प्रोत्साहित करना और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी की भावना को मजबूत बनाना है। यूथ पार्लियामेंट में प्रतिभागी विद्यार्थी विधानसभा और लोकसभा सत्रों की कार्यप्रणाली का वास्तविक अनुभव प्राप्त करेंगे। वे विभिन्न नीतिगत और सामाजिक विषयों पर अपने विचार रखेंगे, बहस करेंगे और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में सार्थक योगदान देंगे। आयोजनकर्ताओं ने बताया कि यह मंच युवाओं के लिए न केवल एक शिक्षाप्रद अनुभव होगा बल्कि उन्हें अपने विचारों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत करने और नीति-निर्माण की दिशा में सोचने की प्रेरणा भी देगा।

कार्यक्रम में जिलेभर के अलावा छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों से भी युवा प्रतिभागी शामिल होंगे। प्रतिभागियों को विधानसभा एवं लोकसभा की तर्ज पर सत्र संचालन, प्रश्नकाल, शून्यकाल, बहस और प्रस्ताव पारित करने जैसी गतिविधियों का अनुभव कराया जाएगा। यूथ पार्लियामेंट का संचालन और आयोजन अनंद बजाज, विवान असनानी, अनन्या चतुर्वेदी, अनन्या दुबे, आर्ची अग्रवाल, आदित्य मलानी, आदित्य फर्मानिया, मही मिश्रा, श्यामंतक दुबे, श्रुति मोटवानी, अंशुमान वैश्य, अंश तमरकार, अक्षत नामदेव, तनमय केशरी, अमित राठौर, आयुष्मान राकेश शर्मा, अंशिका अग्रवाल, दिव्या चतुर्वेदी, प्रज्ञा चतुर्वेदी सहित युवाओं की एक सशक्त टीम द्वारा किया जा रहा है।

रजत जयंती महोत्सव पर जनपद सभागार में किसान संगोष्ठी का आयोजन

लखनपुर/नवप्रदेश। रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर जनपद सभागार में किसान संगोष्ठी कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र से आये किसान, जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष शशि कला सिंह रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े, मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी, ओबीसी मोच के जिला अध्यक्ष राजेंद्र जयसवाल,विधायक प्रतिनिधि राकेश साहू, एवं जनपद सदस्य प्रतिनिधि सुरेश सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन कृषि

विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशु चिकित्सा विभाग एवं मत्स्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना के साथ किया गया।इस अवसर पर मुख्य वक्ता कामेश्वर राजवाड़े ने किसानों को संबोधित करते हुए आधुनिक कृषि तकनीक, बीज चयन, सिंचाई प्रणाली और उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी। और पशु धन पर भी बल दिया। मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में जैविक खेती के महत्व एवं उसके लाभों के बारे में किसानों को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि जैविक खेती न केवल भूमि की उर्वरता को बनाए रखती है बल्कि यह किसानों की आय बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक है। इसी क्रम में विक्रम सिंह ने राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी विस्तारपूर्वक देते हुए किसानों को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया। कृषि विभाग के अधिकारी सूर्यकांत गुप्ता एवं कृषि महाविद्यालय की प्रोफेसर अजीमा ने मृदा परीक्षण एवं मिट्टी की गुणवत्ता सुधार के विषय में किसानों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। जिला सहकारी समिति के प्रबंधक कमल नयन पांडेय ने किसानों को सहकारी योजनाओं की जानकारी दी, वहीं उद्यान विभाग के अधिकारी उमेश पैकरा ने उद्यानिकी योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत की।

तैयारी

छठ महापर्व की रौनक से सजे बाजार, प्रशासन ने सफाई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

मुंगेली में लोक आस्था का पर्व छठ पूजा 25 अक्टूबर से, तैयारियां को अंतिम रूप दिया

मुंगेली/नवप्रदेश। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा इस वर्ष शनिवार, 25 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जो मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025 को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ समाप्त होगा। जिले में इस चार दिवसीय अनुष्ठान की तैयारियां जोरों पर हैं, जहां छठव्रती और श्रद्धालु पूरी श्रद्धा के साथ पर्व मनाने की तैयारियों में जुटे हैं।

पर्व की प्रमुख तिथियां-25 अक्टूबर-नहाय-खाय, 26 अक्टूबर खरना, 27 अक्टूबर अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अघ्य, 28 अक्टूबर उदीयमान सूर्य को प्रातरू अर्घ्य (पारण का

दिन)तैयारियों का जायजा-नगर में छठ पूजा मुख्य रूप से शहर के नदी घाटों और तालाबों के किनारे मनाई जाती है। स्थानीय प्रशासन ने इन घाटों की साफ-सफाई, रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। छठ पूजा समितियों के सदस्य भी घाटों को सजाने और व्रतियों के लिए सुविधाएं जुटाने में सक्रिय हैं।बाजारों में रौनक-छठ पूजा के नजदीक आते ही मुंगेली के बाजारों में भी खास रौनक देखने को मिल रही है।

दौरा और सूप, मिट्टी के चूल्हे, गन्ने, फल, और पूजन सामग्री की दुकानें सज चुकी हैं। व्रती महिलाएं और परिवार के सदस्य अभी से ही पूजा सामग्री की खरीदारी शुरू कर चुके हैं। छठ पूजा सूर्य देव और छठी मैया के प्रति गहरी आस्था का प्रतीक है, और मुंगेली सहित पूरे छत्तीसगढ़ में यह पर्व भक्तिमय माहौल में मनाया जाएगा।

भाई-बहन के प्रेम का पर्व भाईदूज मनाया

मुंगेली/नवप्रदेश। दीपावली पर्व के पांचवे दिन भाई-बहन के प्रेम का पर्व भाईदूज मनाया गया। भाईदूज के अवसर पर बहने अपने भाई के माथे पर तिलक लगाकर उनकी आरती की तथा भाई के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। वहीं भाईयों ने बहनों को उपहार प्रदान किया।

पं. दीनानाथ उपाध्याय के अनुसार कार्तिक शुक्ल पक्ष तृतीया को यमुना ने पूजन कर यमराज को सत्कार पूर्वक भोजन कराया। इससे यह तीनों लोकों में यम द्वितीया नाम से प्रसिद्ध है, इसी समय से भाई दूज प्रथा लागू है। इस दिन बहिन के साथ से भोजन करने से पुष्टि धन-धान्य में वृद्धि श्रेष्ठ रत्न को प्राप्त करता है। बहिन को दक्षिण स्वर्ण अलंकार वस्त्र अन्न देकर बहिन की पूजा करनी चाहिए। भगिनी न हो तो अन्य बहिन के नाता से भोजन करनी चाहिए। भगिनों के हाथ से भोजन करने का शास्त्र में बहुत बड़ा महत्व है। पिता के बहिन के हाथ से श्रावण शुक्ल द्वितीया को और मामा की लड़की के हाथ से भाद्र शुक्ल द्वितीया मौसी और फूफू के लड़की के हाथ से अश्वीन शुक्ल द्वितीया को और सगी बहन के हाथ से कार्तिक शुक्ल द्वितीया को बल सुख शांति बढ़ाने वाले बहिनी के हाथ से भोजन करें। जिस तिथि को यमुना ने यमराज देव का सब जगत के भगिनी के प्यार से भोजन कराया है।

तोरवा छठ घाट बनेगा आस्था का केंद्र, 60 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना

तैयारी को लेकर कलेक्टर, एसएसपी के नेतृत्व में छठ पूजा समिति के साथ हुई बैठक

बिलासपुर/नवप्रदेश। दीपावली के समापन के साथ ही अब बिलासपुर में आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारी जोरों पर है। बिलासपुर का प्रसिद्ध तोरवा छठ घाट, जो पाटलिपुत्र संस्कृति विकास मंच, भोजपुरी समाज और सहजानंद समाज के संयुक्त तत्वावधान में पिछले 25 वर्षों से छठ महापर्व का केंद्र रहा है, एक बार फिर श्रद्धालुओं से गुलजार होने जा रहा है। समिति का दावा है कि यह विश्व का सबसे बड़ा स्थायी छठ घाट है। लगभग एक किलोमीटर लंबे घाट पर इस वर्ष 27 और 28 अक्टूबर को व्रती श्रद्धालु सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करेंगे।

तोरवा छठ घाट पर हर वर्ष की तरह इस बार भी 50 से 60 हजार श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है। इस विशाल आयोजन की व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन ने भी मोर्चा संभाल लिया है। बुधवार को कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह की अध्यक्षता में छठ पूजा समिति और विभिन्न विभागों के अधिकारियों की एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें सुरक्षा, स्वच्छता, पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था और अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि बिलासपुर का छठ पूरे देश में प्रसिद्ध है और यह अब शहर की पहचान बन चुका है। प्रशासन हर वर्ष की तरह इस बार भी आयोजन को सफल बनाने में हर संभव सहयोग करेगा। उन्होंने अधिकारियों के साथ छठ घाट का निरीक्षण किया और व्यवस्था के हर पहलू की समीक्षा की। छठ पूजा समिति ने बैठक में मांग रखी कि घाट पर हर वर्ष अस्थायी रूप से लगाई जाने वाली लाइटों को स्थायी रूप से लगाया जाए।

पार्किंग और यातायात व्यवस्था

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दो और चार पहिया वाहनों की पार्किंग व्यवस्था बिलासा उपवन में की जाएगी। इसके लिए प्रवेश और निकासी के अलग-अलग मार्ग तय किए जा रहे हैं, ताकि जाम की स्थिति न बने। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आने-जाने वाले सभी रास्तों को दुरुस्त किया जाए और मार्गों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था रहे। नगर निगम आयुक्त अमित कुमार ने बताया कि घाट की सफाई का काम लगभग पूरा हो चुका है और बिजली विभाग की मदद से प्रकाश व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके अलावा गुरुनानक चौक से छठ घाट तक के मार्ग का डामरीकरण भी किया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में कोई परेशानी न हो। बैठक में जिला प्रशासन और छठ पूजा समिति के बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनी। समिति ने कुछ स्थायी मांगें रखीं जिन पर प्रशासन ने उदारता से विचार करने का आश्वासन दिया। कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि तोरवा छठ घाट न केवल धार्मिक स्थल है, बल्कि यह एक मनोरम पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित हो सकता है। यहां वर्षभर सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन होने चाहिए ताकि इस स्थान का सदुपयोग हो सके।

सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस जवान रहेंगे तैनात

एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि छठ महापर्व के दौरान सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। पूरे क्षेत्र में 300 से अधिक पुलिस जवान तैनात रहेंगे, जो घाट, सड़कों और पार्किंग स्थलों पर निगरानी रखेंगे। पूरे घाट क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरों से कवर किया जाएगा और ड्रोन कैमरे भी निगरानी में लगाए जाएंगे। घाट पर पुलिस का एक कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा

न्यूज गैलरी

सेवानिवृत्त शिक्षक विद्यालयों में करेंगे नि:शुल्क अध्यापन

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले के विद्यालयों से सेवानिवृत्त हो चुके प्राचार्य, व्याख्याता एवं शिक्षक अब विद्यालयों में बच्चों को नि:शुल्क पढ़ाएंगे। यह शैक्षिक अध्यापन कार्य पूर्णता नि:शुल्क होगा तथा सत्र के अंत में जिला प्रशासन के द्वारा इन शिक्षकों को सम्मानित करते हुए कलेक्टर द्वारा प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया जाएगा। शिक्षा गुणवत्ता अभियान के क्षेत्र में अभिनव पहल करते हुए कलेक्टर संजय अग्रवाल ने विगत कुछ वर्षों में सेवानिवृत्त हुए प्राचार्य, व्याख्याता, शिक्षकों एवं सहायक शिक्षकों से अपील की है कि जो शिक्षक सेवानिवृत्ति के उपरांत भी अपने पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए जिले में शिक्षा का अलख जगाने के लिए कक्षा अध्यापन करना चाहते हैं, वे स्वैच्छिक कक्षाध्यापन कर सकते हैं। जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार टांडे ने बताया कि इस वर्ष को मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। सेवानिवृत्ति के पश्चात भी बहुत से शिक्षक स्वेच्छा से कक्षा अध्यापन करना चाहते है। ऐसे शिक्षकों की सेवाएं जिले, राज्य एवं देशहित में लिया जाना प्रासंगिक होगा। जिले में शिक्षा गुणवत्ता अभियान वर्ष के अंतर्गत मिशन प्लस का संचालन भी किया जा रहा है।

---

75 परिवारों की जान खतरे में, दुर्घटना की आशंका

नियमों को दरकिनार कर आवासीय भूमि पर अवैध निर्माण, उठाई दीवार

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर के विनोबा नगर की आर-1 गली इन दिनों प्रशासनिक लापरवाही और अतिक्रमण के चलते चर्चा में है। राजेश मिश्रा नामक व्यक्ति ने आवासीय भूमि पर व्यावसायिक अवैध निर्माण करते हुए सड़क की जमीन तक कब्जा कर लिया है, जिसकी शिकायत वार्डवासियों ने पार्षद मंजीत गोस्वामी के साथ बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल, नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार सहित जोन कमिश्नर के संज्ञान में लाया बावजूद इसके उस व्यक्ति के हौसले इतने बुलन्द हैं कि वह बेधड़क अपना कार्य करवा रहा हैं।

बताया जा रहा है कि दीवार करीब 2 फुट आगे तक सड़क पर बढ़ा दी गई है, जिससे गली में अब अंधा मोड़ बन गया है और किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। 15 अक्टूबर को ही मिला था नोटिस, फिर भी दीवार खड़ी। प्रशासन के नगर निगम जोन कमिश्नर ने 15 अक्टूबर को अवैध निर्माण रोकने का नोटिस जारी किया था, लेकिन उसके बावजूद राजेश मिश्रा ने न सिर्फ आदेश की अवहेलना की बल्कि दीवार उठाकर कानून को खुली चुनौती दे डाली। गली में रहने वाले करीब 75 मकानों के परिवार अब हर पल खतरे में हैं। रहवासियों का कहना है कि दीवार की वजह से गली में वाहन मुड़ना भी मुश्किल हो गया है और किसी भी वक्त हादसा हो सकता है।

वार्डवासी कलेक्टर-आयुक्त से की कार्रवाई की मांग

बुधवार को आर-1 गली के रहवासी और संजय परिसर सोसाइटी के सदस्य नगर निगम जोन कमिश्नर, आयुक्त और कलेक्टर से मिले और तत्काल कार्रवाई की मांग की। अधिकारियों ने यह माना कि निर्माण अवैध है और इसके लिए कोई लिखित अनुमति नहीं ली गई है, लेकिन प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत तीन नोटिस जारी करने की बाध्यता होने के कारण कार्रवाई में विलंब बताया गया। नाराज रहवासियों ने साफ कहा है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो पूरा मामला हाईकोर्ट में ले जाया जाएगा,लोगों का कहना है कि जब अवैधता साबित हो चुकी है,तो फिर नियमों की आड़ में ऐसे अपराधियों को राहत क्यों ?

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

बिलासपुर/नवप्रदेश। 2री वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल सकरी में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बिलासपुर पुलिस रेंज की तीन इकाईयाँ जिला पुलिस बल बिलासपुर, मुंगेली, 2री वाहिनी, छ.स.बल, सकरी, नगर सेना, बिलासपुर एवं जिला जेल, बिलासपुर पुलिस बैण्ड के प्लाटूनों द्वारा परेड का भव्य आयोजन कर शहीदों को सलामी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर रेंज संजीव शुक्ला द्वारा 1 सितम्बर 2024 से 31 अगस्त की अवधि में सम्पूर्ण देश में शहीद हुए अर्द्धसैनिक बल व पुलिस बल के जवानों की नामावली सूची का वाचन कर शहीदों को श्रद्धांजली दी गई। पुलिस महानिरीक्षक शुक्ला ने शहीद के परिजनों का सम्मान कर उनका कुशलक्षेम लिया। इस अवसर पर कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह,

एसपी मुंगेली भोजराम पटेल, सेनानी 2री वाहिनी छ.स.बल सकरी से मनोज कुमार खिलारी (भा.पु.से), सेवानिवृत्त पुलिस महानिरीक्षक डी.एस. राजपाल, सेवानिवृत्त पुलिस उप महानिरीक्षक एच.आर.मनहर एवं टी.एक्का, सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक सी.डी. टण्डन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बिलासपुर राजेन्द्र जायसवाल एवं रामगोपाल करियारे, जिला सेनानी नगर सेना दीपांकुरनाथ सैमुअल, उप पुलिस अधीक्षक मंजुलता केरकेट्टा, अनिता प्रभा मिंज, शिवचरण सिंह परिहार एवं जिवेश तिवारी, उप पुलिस अधीक्षक मुंगेली लालचंद मोर्य एवं संजय साहू, उप पुलिस अधीक्षक गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही श्याम कुमार सिदार उपस्थित थे।

असामाजिक तत्वों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई: एसएसपी

■ गुंडागर्दी करने वालों को दी चेतावनी

बिलासपुर/नवप्रदेश। थाना सिविल लाइन क्षेत्र के रिवर व्यू में युवकों के बीच हुए विवाद और मारपीट के मामले में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों पक्षों पर कड़ी कार्रवाई की है। बताया गया कि प्रार्थी अपने मित्रों के साथ घूमने निकले थे, इसी दौरान लाला राजक और संदीप कश्यप अपनी मोटरसाइकिल से पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विवाद बढ़ने पर प्रार्थी के साथी नागेश बंजारे और दो विधि से संघर्षरत बालकों के साथ दोनों युवकों की मारपीट हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों के खिलाफ अपराध दर्ज किया। लाला राजक की रिपोर्ट पर नागेश बंजारे एवं विधि से संघर्षरत बालकों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 1265/25 धारा 126(2), 296, 351(2), 115(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। वहीं सार्थी खरे की रिपोर्ट पर लाला राजक और संदीप कश्यप के खिलाफ भी समान धाराओं में अपराध दर्ज किया गया है। घटना में दोनों पक्षों के युवकों को चोटें आईं, जिनका पुलिस द्वारा तत्काल उपचार और चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। मारपीट में शामिल सभी आरोपियों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई है, वहीं दो विधि से संघर्षरत बालकों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

संदिग्धों की रोज होगी निगरानी

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि ऐसे असामाजिक तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे युवकों को यह एहसास होना चाहिए कि गुंडागर्दी करने की हिम्मत दोबारा न कर सकें। जिनका रिकॉर्ड संदिग्ध है, उनकी प्रतिदिन निगरानी की जाए और आवश्यकतानुसार जेल भेजा जाए। इस कार्रवाई में सीएसपी सिविल लाइन और टीआई सिविल लाइन की तत्परता की सराहना की गई है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि शहर में शांति भंग करने वालों पर अब वैधानिक शिकंजा और भी कसने वाला है।

सहकारी समिति का निर्वाचन कार्यक्रम जारी

बिलासपुर/नवप्रदेश। बजरंग प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी समिति मर्यादित तिलक नगर का निर्वाचन कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचित किये जाने वाले सदस्यों की संख्या 11 होगी। नामांकन पत्र 31 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक प्रस्तुत किये जा सकते है। नामांकन पत्रों की जांच एवं सूची का प्रकाशन 2 नवम्बर, नामांकन पत्रों की वापसी, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के अंतिम सूची का प्रकाशन एवं निर्वाचन चिन्हों का आबंटन 3 नवम्बर दोपहर 12 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा।

सिम्स में सड़क दुर्घटना व अन्य आपात मामलों में तत्परता से उपचार

बिलासपुर/नवप्रदेश। सिम्स में दिवाली पर्व के अवसर पर विभिन्न आपात स्थितियों में आए मरीजों का त्वरित उपचार किया गया। 20 अक्टूबर को सड़क दुर्घटना (रोड ट्रैफिक एक्सीडेंट) के 12 मामले, मारपीट के 5 मामले तथा 1 जलने का मामला सामने आया। वहीं 21 अक्टूबर को सड़क दुर्घटनाओं के 12 मामले, मारपीट के 4 मामले एवं 3 जलने के मामले सिम्स में उपचार हेतु भर्ती किए गए। सभी मरीजों का उपचार सिम्स चिकित्सालय में किया जा रहा है।

सिम्स प्रशासन के अनुसार, इस वर्ष दिवाली पर्व के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में गंभीर मामलों की संख्या कम रही है। बिलासपुर क्षेत्र की कुछ घटनाओं को छोड़कर कोई अत्यधिक गंभीर मामला दर्ज नहीं हुआ है। सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा कि दिवाली के समय सड़क दुर्घटनाओं एवं जलने जैसी घटनाओं की संभावना को देखते हुए सिम्स प्रशासन ने पहले से ही सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कर ली थीं। प्रत्येक वार्ड और इमरजेंसी विभाग को अलर्ट मोड पर रखा गया था ताकि किसी भी परिस्थिति में तत्काल उपचार मिल सके। वहीं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने बताया कि त्योहार के दौरान मरीजों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए दवा आपूर्ति, डॉक्टरों की ड्यूटी और नर्सिंग स्टाफ की उपस्थिति की विशेष मॉनिटरिंग की गई। टीमवर्क के कारण सभी मामलों का समय पर उपचार संभव हुआ। सिम्स की चिकित्सा टीम, नर्सिंग स्टाफ, और सहायक कर्मचारियों ने दिवाली पर्व के दौरान सतर्कता और सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

भाई दूज आत्मिक जागृति का देता है संदेश: बीके स्वाति

भाई दूज का पर्व श्रद्धा के साथ मनाया गया

बिलासपुर/नवप्रदेश। दीपावली के शुभ अवसर के बाद मनाया जाने वाला भाई दूज पर्व भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक तो है ही, परंतु इसका गहरा आध्यात्मिक अर्थ भी है। भाइयों के विशेष दो त्योहार होते हैं। एक भाई दूज और दूसरा रक्षाबंधन। यह दो विशेष दिन भाइयों का दिन है। वास्तव में देखा जाता है तो परमात्मा जब इस संसार में आते हैं तो हम सब आत्माएं उसकी संतान होने के नाते भाई-भाई है। एक ही पिता के संतान है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर की मुख्य शाखा टेलीफोन एक्सचेंज रोड स्थित राजयोग

भवन की संचालिका बीके स्वाति दीदी ने इस अवसर पर कहा कि भाई दूज का अर्थ केवल स्थूल टीका लगाना नहीं है, बल्कि आत्मा को उसके सच्चे स्वरूप की पहचान देना है। यह पर्व आत्मिक जागृति का संदेश देता है। भाई दूज केवल एक पारिवारिक परंपरा नहीं बल्कि आत्मिक दृष्टि से यह वह दिन है जब आत्मा अपने परमपिता परमात्मा से पुनः आत्मीय संबंध जोड़ती है। परमात्मा ही वह सर्वश्रेष्ठ भाई हैं जो सदा हमारी रक्षा मार्गदर्शन और कल्याण के कार्य में सहयोगी रहते हैं। दीदी ने बताया कि भारतीय संस्कृति में पर्वों के पीछे गहरे अर्थ छिपे हैं। भाई दूज पर बहन अपने भाई के माथे पर तिलक लगाती है, जो यह संकेत देता है कि आत्मा सदा पवित्रता, सत्यता और श्रेष्ठता के मार्ग पर चले। यह तिलक केवल रोली या चंदन का नहीं, बल्कि आत्मा को ज्ञान और योग रूपी शक्ति का तिलक है। भाई दूज का यह पर्व केवल स्नेह का नहीं, बल्कि संस्कारों के संकल्प का पर्व है। इस दिन प्रत्येक भाई को अपने मन में यह दृढ़ निश्चय लेना चाहिए कि समाज की प्रत्येक कन्या, प्रत्येक नारी मेरे लिए बहन स्वरूप है। उसकी रक्षा करना, उसकी मर्यादा का सम्मान करना मेरा पवित्र कर्तव्य है। जब संकल्प पवित्र हों और संस्कार उज्ज्वल हो तब समाज स्वर्ग समान बनता है। बीके स्वाति दीदी ने कहा जब आत्मा परमात्मा की स्मृति में स्थित होती है तो उसके भीतर दिव्यता जागृत होती है।

कैट बिलासपुर इकाई का दीपावली मिलन समारोह 27 को

बिलासपुर/नवप्रदेश। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स कैट बिलासपुर द्वारा आयोजित होने वाले दीपावली मिलन समारोह में आप सभी कैट परिवार के सदस्य एवम सभी व्यापारी बंधु सादर आमंत्रित हैं। यह आयोजन व्यापारी समाज के बीच आपसी सौहार्द, एकता और उत्साह का प्रतीक है। दीपावली मिलन समारोह में व्यापारी, उद्योगपति, युवा व्यापारी, महिला उद्यमी एवं विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी सभी सादर आमंत्रित है। राष्ट्रीय

उपाध्यक्ष जितेंद्र गांधी, प्रदेश उपाध्यक्ष राजू सलूजा, बिलासपुर अध्यक्ष किशोर पंजवानी, महामंत्री हीरानंद जयसिंह, कोषाध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के 12 लाख व्यापारी एवं नागरिकों को दीपावली की शुभकामनाएं दी। साथ ही सभी व्यापारियों से कहा है कि दीपावली मिलन समारोह में अपनी उपस्थिति देकर आयोजन को सफल बनाएं।

पर्व

हेमू नगर स्थित बरम बाबा मंदिर में हुआ आयोजन

गोवर्धन पूजा और अन्नकूट पर्व श्रद्धा के साथ मनाया गया

बिलासपुर/नवप्रदेश। दीपावली के अगले दिन मनाया जाने वाला गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महापर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ पूरे देश में मनाया गया। यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण द्वारा इंद्र के अहंकार के दमन और गोवर्धन पर्वत की पूजा से जुड़ा है। मान्यता है कि इस दिन श्रीकृष्ण ने अपने बाल रूप में गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा उंगली पर उठाकर ब्रजवासियों को मूसलधार वर्षा से बचाया था। तभी से यह पर्व प्रकृति, गौ-सेवा और अन्नदान के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है।

कार्यक्रम में पहुंचे श्रद्धालुओं ने श्री श्री 1008 प्रेम दास जी महाराज और श्री राधे श्याम महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पाटलिपुत्र संस्कृति विकास समाज के अध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र कुमार दास भी उपस्थित रहे और उन्होंने भक्तों के साथ पूजा-अर्चना में भाग लिया। पूरे मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन के मधुर स्वर गूंजते रहे। भक्तों ने दीपक जलाकर भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए और गोवर्धन पर्व की कथा का श्रवण किया। पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्सव जैसा वातावरण रहा। मंदिर प्रांगण में भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण को अन्नकूट का भोग अर्पित किया, जिसमें विभिन्न प्रकार के व्यंजन, मिठाइयां और प्रसाद शामिल थे। पूजा-अर्चना के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

पर्व का महत्व और परंपरा

गोवर्धन पूजा के दिन श्रद्धालु गोबर से गोवर्धन पर्वत और भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा का निर्माण करते हैं, फिर उनका विधिवत पूजन करते हुए अन्नकूट का भोग लगाया जाता है। अन्नकूट का अर्थ है अन्न का विशाल पर्वत, जिसमें तरह-तरह के व्यंजन बनाकर भगवान को समर्पित किए जाते हैं। यह पर्व समृद्धि, आभार और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक माना जाता है। बिलासपुर के हेमू नगर स्थित बरम बाबा मंदिर में भी मंगलवार को गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महापर्व बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भक्तों ने गोबर से भगवान श्रीकृष्ण और गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाकर पूजन-अर्चन किया।

न्यूज़ गैलरी

सस्ते आयात और डंपिंग से इस्पात क्षेत्र को नुकसान, नीतिगत समर्थन जरूरी

नई दिल्ली। देश के इस्पात क्षेत्र को 2023-24 और 2024-25 के दौरान प्रमुख वैश्विक स्टील उत्पादकों के सस्ते आयात एवं डंपिंग के कारण भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। आरबीआई ने अक्तूबर बुलेटिन में प्रकाशित लेख में कहा, अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमतें कम होने के कारण इस्पात आयात में बढ़ोतरी देखी गई है। 2023-24 में भारत के इस्पात आयात में 22 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। आयात वृद्धि से इससे घरेलू इस्पात उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। ऐसे में घरेलू इस्पात उत्पादन की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन की जरूरत है।स्टील अंडर सीजः अंडरस्टैंडिंग द इम्पैक्ट ऑफ डंपिंग ऑन इंडिया शीर्षक वाले लेख में कहा गया है, वैश्विक उत्पादकों के सस्ते इस्पात की डंपिंग से घरेलू इस्पात उत्पादन को खतरा हो सकता है। हालांकि, इसे उपयुक्त नीतिगत उपायों से कम किया जा सकता है। हाल ही में सुरक्षा शुल्क लगाने की पहल इस्पात आयात डंपिंग के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है।भारत ने खपत मांग को पूरा करने के लिए इस्पात उत्पादों का आयात किया। देश के लौह एवं इस्पात आयात में 2024-25 की पहली छमाही में 10.7 फीसदी की वृद्धि रही। वहीं, 2024-25 की दूसरी छमाही में कमी दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण रक्षोपाय शुल्क था। 45% इस्पात दक्षिण कोरिया और चीन समेत कई?देशों से भारत आयात करता है। लेख में कहा गया है कि 2022 से घरेलू खपत और उत्पादन के बीच का अंतर बढ़ गया है। 2024-25 के दौरान चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया और वियतनाम से इस्पात आयात में वृद्धि दर्ज की गई है।

ऑनलाइन बिक्री अब त्योहारों पर ही निर्भर नहीं, अब पूरे साल खरीदारी

नई दिल्ली। देश में ऑनलाइन खरीद-बिक्री की निर्भरता अब सिर्फ त्योहारी मौसम पर नहीं रह गई है। लोग अब पूरे साल ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं। परामर्शदाता कंपनी रेडसीर ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा, भारत का ऑनलाइन खुदरा क्षेत्र अब पूरे वर्ष में अधिक संतुलित मांग की राह पर बढ़ रहा है। देश में ऑनलाइन खरीद-बिक्री की निर्भरता अब सिर्फ त्योहारी मौसम पर नहीं रह गई है।लोग अब पूरे साल ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं।हालांकि, त्योहारी मौसम के दौरान बिक्री की रफ्तार बढ़ाने में मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की भूमिका अब भी काफी महत्वपूर्ण है। परामर्शदाता कंपनी रेडसीर ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा, भारत का ऑनलाइन खुदरा क्षेत्र अब पूरे वर्ष में अधिक संतुलित मांग की राह पर बढ़ रहा है। इसके बावजूद मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी श्रेणियां अब भी वार्षिक त्योहारी उछाल पर निर्भर हैं। यानी त्योहारों के दौरान मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स ही अब भी बिक्री की रफ्तार तय करते हैं।

उड़ान योजना ने नौ वर्षों में 3.23 लाख फ्लाइट्स के जरिए 1.56 करोड़ से अधिक यात्रियों को दी सुविधा

पहलः 2027 के बाद भी जारी रहेगा विस्तारित 'उड़ान' फ्रेमवर्क

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) योजना ने नौ वर्षों में 3.23 लाख उड़ान फ्लाइट्स के माध्यम से 1.56 करोड़ से अधिक यात्रियों को सुविधा प्रदान की। इस योजना के तहत, 649 मार्गों का संचालन शुरू किया गया है, जो 93 अप्रयुक्त और कम सेवा वाले हवाई अड्डों को जोड़ते हैं, जिनमें 15 हेलीपोर्ट और 2 वॉटर एयरोड्रम शामिल हैं।

इस बीच, एयरलाइन ऑपरेटरों और क्षेत्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर को समर्थन देने के लिए सरकार ने वीजीएफ के रूप में 4,300 करोड़ रुपए से अधिक वितरित किए हैं और क्षेत्रीय संपर्क योजनाओं (आरसीएस) के तहत हवाई अड्डे के विकास में 4,638 करोड़ रुपए का निवेश किया है।मंत्रालय क्षेत्रीय संपर्क योजना की

9वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस अवसर पर नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति के तहत 21 अक्टूबर, 2016 को शुरू की गई उड़ान एक परिवर्तनकारी पहल रही है, जिसका उद्देश्य आम नागरिक के लिए हवाई यात्रा को किफायती और सुलभ बनाना है।उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 27 अप्रैल, 2017 को शिमला और दिल्ली के बीच शुरू की गई पहली उड़ान ने क्षेत्रीय विमानन संपर्क में एक नए युग की शुरुआत की।सिन्हा ने एक विस्तारित उड़ान फ्रेमवर्क के माध्यम से अप्रैल 2027 के बाद भी इस योजना को जारी रखने की मंत्रालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जिसमें पहाड़ी, पूर्वोत्तर और आकांक्षी क्षेत्रों के साथ संपर्क और लगभग 120 नए गंतव्यों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।मंत्रालय के अनुसार, हाल ही में की गई एक प्रमुख पहल अगस्त 2024 में सी-प्लेन संचालन के लिए व्यापक दिशानिर्देशों की शुरुआत और सी-प्लेन और हेलीकॉप्टरों के लिए विशेष बोली दौर, उड़ान 5.5 का शुभारंभ है।इस दौर के अंतर्गत, विभिन्न तटीय और द्वीपीय क्षेत्रों में 30 वॉटर एयरोड्रम को जोड़ने वाले 150 मार्गों के लिए लेटर ऑफ इंटेंट जारी किए गए हैं।मंत्रालय के अनुसार, उड़ान केवल एक योजना नहीं है; यह परिवर्तन का कैटेलिस्ट है और हवाई यात्रा को समावेशी, सस्टेनेबल और हमारी विकास यात्रा का एक अभिन्न अंग बनाने की भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

रिलायंस ने मिडिल ईस्ट से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई, रूस पर निर्भरता में कमी के संकेत

अमेरिकी दबाव के बीच ऊर्जा रणनीति में बदलाव भारत की वैश्विक तेल बाज़ार में नई भूमिका

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) से कच्चे तेल की अपनी खरीद में भारी बढ़ोतरी की है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कंपनी ने पिछले हफ्ते कम से कम 25 लाख बैरल तेल खरीदा है। यह बड़ा बदलाव ऐसे वक्त में सामने आया है, जब अमेरिका भारत पर रूसी कच्चे तेल के आयात पर अंकुश लगाने के लिए लगातार दबाव बढ़ा रहा है। इस कदम का असर कंपनी के संचालन और भारत की ऊर्जा रणनीति पर पड़ सकता है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में व्यापारियों के हवाले से कहा गया है कि मिडिल ईस्ट क्षेत्र में रिलायंस की खरीदारी गतिविधियों में यह उल्लेखनीय वृद्धि है, जिसे रूसी आपूर्ति के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। इस बदलाव का ग्लोबल क्रूड ऑयल मार्केट के साथ-साथ भारत की भूमिका पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार, इस प्राइवेट रिफाइनरी

कंपनी ने इराक के बसरा मीडियम , अल-शाहीन और कतर लैंड से कम से कम 25 लाख बैरल तेल खरीदा है। यह खरीदारी मिडिल ईस्ट कच्चे तेल के लिए रिलायंस के सामान्य खरीद पैटर्न की तुलना में अधिक सक्रियता को दिखाती है।पहले रिलायंस रूसी तेल पर काफी हद तक निर्भर रही है, लेकिन हाल में मिडिल ईस्ट से बढ़ी यह खरीदारी रणनीति में बदलाव का संकेत दे रही है। रिपोर्ट में व्यापारियों के हवाले से कहा गया है कि इन हाजिर सौदों के अलावा, रिलायंस बड़ी संख्या में रूसी कच्चे तेल जैसी गुणवत्ता वाले क्षेत्र से अन्य तेल की उपलब्धता के बारे में भी पूछताछ कर रही है। व्यापारियों ने बताया कि हाल ही में हुई खरीदारी में यह तेजी सामान्य से काफी ज्यादा रही है।

गौरतलब है कि अमेरिका बार-बार भारत और चीन पर रूसी तेल नहीं खरीदने को लेकर दबाव बढ़ा रहा है। रूसी तेल खरीदने के कारण अमेरिका ने भारत पर 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ भी लगा दिया है। इसी महीने की शुरुआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें वचन दिया है कि युद्ध समाप्त होने तक भारत मॉस्को से तेल की सभी खरीद बंद कर देगा। हालांकि, नई दिल्ली ने ऐसी किसी भी बातचीत से साफ इनकार किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय रिफाइनरों ने मोटे तौर पर संकेत दिया है कि वे ओपेक+ उत्पादक (रूस) से खरीद कम करेंगे, लेकिन इसे पूरी तरह बंद नहीं करेंगे।

खुल्ले पैसों का झंझट खत्म 5,10 वाले पैक की वापसी

अब उतनी ही कीमत में मिलेगा ज्यादा सामान

नई दिल्ली। बाजार में एक बार फिर से 2, 5, 10 और 20 की लोकप्रिय कीमतों पर रोजमर्रा के सामान मिलने की उम्मीद है। यह बड़ा बदलाव सरकार द्वारा त्तस्ज्ञ दरों में कटौती और उसके बाद कंपनियों को मिले नए निर्देशों के कारण हो रहा है।

अब कंपनियां कम कीमतों पर पुराने पैक बेचने के बजाय, उन्हीं कीमतों पर थोड़ा ज्यादा वजन वाले पैक बाजार में ला रही हैं। इससे न सिर्फ उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी बल्कि दुकानदारों और ब्रांड्स को भी पुराने लोकप्रिय सिस्टम पर लौटने में आसानी होगी।दरअसल, सितंबर 2022 में लागू हुई GST दरों में कटौती के बाद कंपनियों को नियमों के स्पष्ट न होने के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ा। चूंकि सरकार ने यह साफ नहीं किया था कि कंपनियां कम कीमतों की भरपाई वजन बढ़ाकर कर सकती हैं या नहीं, इसलिए ब्रांड्स ने अपने पैक की कीमतें असमान रूप से घटा दीं।उदाहरण के लिए, पारले-जी का 5 वाला पैक 4.45 में बिकने लगा और 1 की कैंडी 88 पैसे में मिलने लगी।

इन गैर-राउंड कीमतों की वजह से न तो ग्राहक संतुष्ट थे और न ही दुकानदार। ग्राहकों को छुट्टे पैसे लेने या देने में भारी परेशानी होती थी और कई दुकानदार तो फर्क चुकाने के लिए मिठाई या टॉफी थमा देते थे। डिजिटल पेमेंट करने वालों से पूरी रकम ली जाती थी, जिससे असुविधा और बढ़ गई थी।अब सरकार ने साफ कर दिया है कि अगर कंपनियां सामान का वजन बढ़ाकर पुरानी कीमतों पर उसे बेचती हैं, तो इसे जीएसटी नियमों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा। इस स्पष्टीकरण के बाद पारले, बिसलेरी, मोंडेलेज़ जैसी बड़ी स्नस्म्ह्रत्न कंपनियों ने पुराने दामों पर नए पैक की तैयारी शुरू कर दी है। ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पारले प्रोडक्ट्स के उपाध्यक्ष मयंक शाह ने बताया कि अब बिस्कुट और स्नैक्स के पैक में 11-12प्रतिशत तक ज्यादा वजन होगा, लेकिन दाम वही (5, ?10) रहेंगे। स्नैक्स इंडस्ट्री में तो नया उत्पादन शुरू भी हो चुका है।

खेल, मनोरंजन

भारतीय पहलवान विश्वजीत मोरे ने कुश्ती चैंपियनशिप में जीता कांस्य

स्पोर्ट्स डेस्क। मोरे ने 55 किग्रा वर्ग में पदक जीता। मोरे ने इससे पहले जॉर्जिया के जियोर्जी कोचालिड्ज़े के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता (9-1) से मुकाबला जीतकर रेपचेज में अपने मौके का पूरा फायदा उठाया। भारतीय ग्रीको रोमन पहलवान विश्वजीत मोरे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-23 कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक अपने नाम किया।

विश्वजीत ने कजाकिस्तान के येरासिल ममायरबेकोव को 5-4 से हराया। मोरे ने 55 किग्रा वर्ग में पदक जीता। मोरे ने इससे पहले जॉर्जिया के जियोर्जी कोचालिड्ज़े के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता (9-1) से मुकाबला जीतकर रेपचेज में अपने मौके का पूरा फायदा

उठाया।तीन महिला पहलवानों को मिली हार भारत की तीन महिला पहलवानों को हालांकि अपने-अपने शुरुआती दौर में हार का सामना करना पड़ा। हन्नी कुमारी (50 किग्रा) यूडब्ल्यूडब्ल्यू ध्वज तले प्रतिस्पर्धा कर रही स्वियातलाना कटेंका के खिलाफ एक करीबी मुकाबले में पटखनी खाने से हार गईं। कटेंका ने जब भारतीय पहलवान के खिलाफ पिन मूव हासिल किया तो स्कोर 4-6 था। दीक्षा मलिक (72 किग्रा) क्वालीफिकेशन दौर से आगे नहीं बढ़ सकीं और चीन की युकी लियू से 3-9 से हार गईं। इसके बाद लियू को भी हार का सामना करना पड़ा जिससे इस भारतीय पहलवान के लिए प्रतियोगिता में बने रहने का रास्ता बंद हो गया। प्रिया मलिक (76 किग्रा) को भी क्वालिफिकेशन में हार का सामना करना पड़ा। अमेरिका की काइली रेनी वेल्कर ने उन्हें तकनीकी श्रेष्ठता (10-0) से करारी शिकस्त दी। अमेरिकी पहलवान सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं और अगर वह अगला मुकाबला जीत जाती हैं तो प्रिया के लिए रेपचेज का रास्ता खुल जाएगा। कुणाल हालांकि 60 किग्रा वर्ग में क्वार्टर फाइनल में इजराइल के मेलकामु फेटेने से 2-4 से हारकर बाहर हो गए। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत सर्बिया के रोलैंड वर्गा पर तकनीकी श्रेष्ठता (8-0) से प्रभावशाली जीत के साथ की थी। प्रिंस 82 किग्रा में अपना क्वालीफिकेशन मुकाबला उज्बेकिस्तान के समंदर बोबोनाजारोव से हार गए।

भारतीय टेलिविजन पर पहली बार दिखेंगे बिल गेट्स, स्मृति ईरानी के क्योंकि...2% का बने हिस्सा; प्रोमो हुआ जारी

स्मृति ईरानी की टीवी पर वापसी के बाद से अब शो में एक के बाद एक कई ट्विस्ट आ रहे हैं। शो में अब बिजनेसमैन बिल गेट्स नजर आने वाले हैं।भारतीय टीवी के मशहूर शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी के नए सीजन में हाल ही में साक्षी तंवर ने कैमियो किया है। अब शो में एक और बड़ा ट्विस्ट आ रहा है।

शो में अमेरिकी बिजनेसमैन बिल गेट्स की एंट्री हुई है। मेकर्स ने प्रोमो जारी किया है जिसमें बिल अभिनेत्री स्मृति ईरानी के साथ वीडियो कॉल पर बात करते हुए नजर आ रहे हैं। शो में बिल का कैमियो रहेगा जो एक खास मकसद से लाया जा रहा है।हाल ही में जारी हुए प्रोमो में शो की पूर्व केंद्रीय मंत्री और अभिनेत्री स्मृति ईरानी को वीडियो कॉल पर दुनिया के सबसे मशहूर

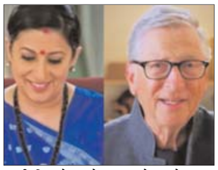

उद्यमी बिल गेट्स से बात करते हुए देखा जा सकता है। यह छोटा-सा प्रोमो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया। इस वीडियो को देखने के बाद कई लोगों की तरफ से रिएक्शन्स सामने आ रहे हैं।

कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' के रिलीज डेट का एलान

कॉमेडियन-एक्टर कपिल शर्मा की आगामी फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' के रिलीज डेट की घोषणा हो चुकी हैं।मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा अभिनीत फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 को लेकर बड़ी अपडेट आ गई है। यह फिल्म बहुत जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है। निर्माताओं ने इसके रिलीज डेट का एलान कर दिया है। आइए जानते हैं सिनेमाघरों में कब रिलीज होगी फिल्म। कपिल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। यह क्लिप फिल्म के पोस्टर की एक स्लाइड थी जिसमें सभी कलाकार नजर आ रहे हैं। रिलीज की तारीख का खुलासा करते हुए, कॉमेडियन-अभिनेता ने लिखा, ÷दोगुने कन्फ्यूजन और चार गुना मस्ती के लिए तैयार हो जाइए। किस किसको प्यार करूं 2, हंसी का धमाल सिर्फ सिनेमाघरों में 12 दिसंबर 2025 को शुरू होगा।रिलीज डेट के सामने आते ही नेटिजंस काफी खुश हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, फिल्म से ज्यादा

हनी सिंह के गाने का इंतजार है। वहीं दूसर यूजर ने कहा, फिल्म बहुत शानदार होने वाली है। एक और यूजर ने कहा, केंडी यो यो हनी सिंह। इसके अलावा अन्य यूजर्स कपिल शर्मा के कॉमेडी अंदाज को देखने का इंतजार कर रहे हैं। किस किसको प्यार करूं 2 का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी कर रहे हैं। इसके निर्माता रतन जैन और गणेश जैन हैं। फिल्म में कॉमेडी, भ्रम और तमाशा का ड्रामा देखने को मिलेगा। फिल्म के पहले पार्ट को भी दर्शकों का काफी प्यार मिला था। इस फिल्म का निर्माण अब्बास-मस्तान द्वारा वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के तहत अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से किया जा रहा है। कपिल शर्मा की यह फिल्म 12 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

चैंपियंस लीग : आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को 4-0 से रौंदा

लंदन। चैंपियंस लीग में आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को 4-0 से धूल चटाई। विक्टर ग्योकेरेस मुकाबले के हीरो रहे, जिन्होंने 2 गोल दागे। इसी के साथ आर्सेनल ने अपनी शानदार शुरुआत बरकरार रखी है। टीम ने अपने पिछले तीन मुकाबलों में एक भी गोल नहीं खाया है।एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ मुकाबले में पहला हाफ कड़ा और रणनीतिक रहा, जिसमें दोनों टीमों के लिए कुछ ही स्पष्ट मौके थे, लेकिन कोई गोल नहीं देखने को मिला।ब्रेक के बाद भी यही स्थिति नजर आ रही थी, लेकिन इसी बीच सेंटर-बैक गेब्रियल मैगलहेस ने 57वें मिनट में डेक्लन राइस के सटीक फ्री-किक को हेडर से गोल में बदलकर मैच का खाता खोला।इस गोल के बाद आर्सेनल के खिलाड़ियों ने आक्रामक तेवर दिखाए। माइल्स लुईस-स्केली के

शानदार रन ने गेब्रियल मार्टिनेली को दूसरा गोल करने का मौका दिया। मार्टिनेली ने मुकाबले के 64वें मिनट गोल दागते हुए आर्सेनल को 2-0 से बढ़त दिलाई।67वें मिनट स्ट्राइकर विक्टर ग्योकेरेस ने गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया। यह आठ मैचों में उनका आर्सेनल के लिए पहला गोल था।

सिर्फ तीन मिनट बाद ही स्वीडिश फॉरवर्ड ने फिर से गोल किया, इस बार गेब्रियल के एक खतरनाक कॉर्नर से किए गए नॉकडाउन को गोल में बदलकर मैच में अपना दूसरा गोल दागा। आर्सेनल ने सिर्फ 14 मिनट में चार गोलों की शानदार बौछार कर दी।इससे पहले, एक अन्य मुकाबले में फर्मिन लोपेज ने हैट्रिक लगाकर बार्सिलोना को ओलंपियाकोस के खिलाफ 6-1 से शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।स्पेन के विंगर के संयमित फिनिश ने मेजबान टीम को हाफ टाइम तक 2-0 की बढ़त दिला दी थी, लेकिन अयूब एल काबी ने ओलंपियाकोस के लिए पेनाल्टी के जरिए जवाबी गोल दागा।

अभिनव बिंद्रा को मिला सम्मान, चुने गए 2026 शीतकालीन ओलंपिक के मशालवाहक

नई दिल्ली। अभिनव बिंद्रा ने इस सम्मान की घोषणा करते हुए अपने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, मिलानो कॉर्टिना 2026 ओलंपिक मशाल रिले के लिए मशालवाहक चुने जाने पर मैं सचमुच बहुत खुश हूं। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा को अगले साल होने वाले शीतकालीन ओलंपिक 2026 के लिए मशालवाहक चुना गया है। यह खेल आयोजन छह से 22 फरवरी 2026 के बीच इटली के मिलान और कॉर्टिना डी'अम्पेजो में होगा।बिंद्रा ने इस सम्मान की घोषणा करते हुए अपने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, %मिलानो कॉर्टिना 2026 ओलंपिक मशाल रिले के लिए मशालवाहक चुने जाने पर मैं सचमुच बहुत खुश हूं। ओलंपिक मशाल का मेरे दिल में हमेशा एक खास स्थान रहा है। यह सपनों, दृढ़ता और खेल द्वारा हमारी दुनिया में लाई गई एकता का प्रतीक है। बीजिंग ओलंपिक 2008 में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ने आगे कहा, एक बार फिर से ऐसा मौका मिलना सम्मान की बात है और यह इस बात की खूबसूरत याद दिलाता है कि खेल क्या संभव बनाते हैं। इस अविश्वसनीय सम्मान के लिए 'मिलानकोर्टिना2026' का धन्यवाद। यह इटली द्वारा आयोजित चौथा शीतकालीन ओलंपिक होगा। इस सत्र में कुल 16 खेलों में 116 पदक स्पर्धाएं होंगी।

कार्यालय कलेक्टर जिला-मुंगेली (छ.ग.)

// निविदा आमंत्रण //

क्र./7414/ प्रपत्र शाखा/2025 मुंगेली, दिनांक 17/10/2025

जिला कार्यालय मुंगेली के लिए वर्ष 2025-26 हेतु स्थानीय बाजार से लेखन सामग्री क्रय किया जाना है, इस हेतु निविदा अवधि वित्तीय वर्ष 2025-26 तक होगी।

कलेक्टर कार्यालय मुंगेली के लिए उपरोक्त अवधि के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 29/10/2025 को अपरान्ह 1:00 बजे तक आमंत्रित की जा रही है, तथा उसी दिन दोपहर 03:00 बजे तक प्राप्त निविदा खोली जाएगी।

क्रय सामग्री की सूची एवं निविदाओं की शर्तें कलेक्टर कार्यालय मुंगेली के सूचना पटल पर चस्पा है।

जी-252604319/3

डिप्टी कलेक्टर,
हेतु कलेक्टर, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

बस्तर: अब समृद्धि की ओर

नई औद्योगिक नीति के साथ निवेश और आर्थिक प्रगति का नया दौर

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय, प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

बस्तर यह नाम सुनते ही आंखों के सामने घने जंगल, झरनों की गूंज और जनजातीय लोककला की अनूठी छवियां उभर आती हैं। पर अब बस्तर की पहचान केवल प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर तक सीमित नहीं रहेगी। छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति ने इस क्षेत्र को औद्योगिक निवेश, रोजगार और सामाजिक विश्वास का नया केंद्र बना दिया है। बस्तर की नई पीढ़ी इस बदलाव को महसूस भी कर रही है। माओवादी हिंसा का दायरा तेजी के साथ सिकुड़ रहा है और युवा उत्साह के साथ बाकी दुनिया से कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं।

संस्कृति और उद्योग का संगम

बस्तर की जनजातीय कला और कारीगरी सदियों से यहां की आत्मा रही है। ढोकरा कला, घड़वा धातु कला, बांस और लकड़ी के सजावटी सामान, वस्त्र और स्थानीय हस्तशिल्प आज भी विश्व में पहचान रखते हैं। नई औद्योगिक नीति ने इन पारंपरिक उत्पादों को आधुनिक बाजार से जोडऩे की दिशा में विशेष पहल की है। जनजातीय हस्तशिल्प और कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन देकर उन्हें बस्तर के अपने ब्रांड रूप में स्थापित किया जा रहा है। स्थानीय बुनकरों, शिल्पकारों और महिला कारीगरों को उद्योग स्थापित करने में प्राथमिकता और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

औद्योगिक निवेश और विकास

बस्तर में उद्योगपतियों ने सरकार को 967 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं और सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए 52,000 करोड़ रुपये की योजनाएं तैयार की हैं। बस्तर में खनन, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण व एमएसएमई क्षेत्र में निवेश हो रहा है। इसके अलावा सार्वजनिक क्षेत्र से सबसे बड़ा निवेश एनएमडीसी की 43,000 करोड़ की परियोजनाएं हैं, रेलवे और सड़क निर्माण में भी निवेश चल रहा है। सरकार मार्च 2026 तक नक्सल उन्मूलन का लक्ष्य लेकर चल रही है जिससे स्थानीय सुरक्षा और निवेश में सुधार हो रहा है। आज बस्तर में निवेश का माहौल पहले से कहीं ज्यादा आसान और पारदर्शी हो गया है। उद्यमियों के लिए इंसेंटिव कैलकुलेटर जैसी व्यवस्था ने लाभ की जानकारी सुलभ बना दी है। उद्योग स्थापित करने पर नक्सल पीड़ित परिवारों को विशेष अनुदान, अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के लिए अतिरिक्त 10 प्रतिशत सब्सिडी, आत्मसमर्पित नक्सलियों को रोजगार देने वाले उद्योगों को 40 प्रतिशत वेतन-सब्सिडी जैसे प्रावधानों से न केवल उद्योग तेजी से बढ़ेंगे, बल्कि बस्तर के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में स्थाई रोजगार मिलेगा। इस प्रकार बस्तर में औद्योगिक निवेश में तेजी आ रही है और यह क्षेत्र सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है।

पर्यटन-संस्कृति की नई उड़ान

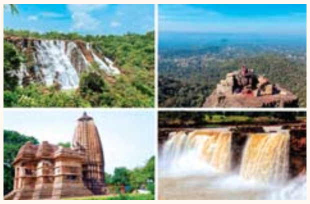

बस्तर को पर्यटन के लिहाज से दुनिया ने हमेशा विशेष माना है। चित्रकोट और तीरथगढ़ जैसे मनोहारी झरने, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान और घने वन इसे और समृद्ध करते हैं। सरकार ने अब पर्यटन को औद्योगिक नीति का हिस्सा बनाकर होमस्टे, ईको-टूरिज़्म और सांस्कृतिक महोत्सवों को बढ़ावा दिया है। बस्तर दशहरा को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए बड़े प्रयास किया जा रहे हैं। तीरथगढ़ जलप्रपात पर ग्लास ब्रिज बनाने की योजना पर काम चल रहा है। संपूर्ण बस्तर में पर्यटन सर्किल का विकास किया जा रहा है। महत्वपूर्ण यह है, कि इन योजनाओं से सीधे जनजातीय समुदायों को भागीदार बनाया जा रहा है। उनके नृत्य, गीत, त्यौहार और कला को पर्यटन से जोड़कर आय के नए अवसर तैयार हो रहे हैं। बस्तर का यह बदलाव स्थानीय युवाओं को अपने ही जिले में रोजगार और उद्यमिता के अवसर देगा। पारंपरिक उत्पादों को आधुनिक तकनीक और मार्केटिंग से जोड़कर इन्हें वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने की योजना तैयार है।

हरियाली से समृद्धि की राह

इंद्रावती-महानदी जोड़ो परियोजना एवं बोध घाट सिंचाई परियोजना से बस्तर में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। यह बहुउद्देशीय परियोजना इंद्रावती नदी पर आधारित है और लगभग 50,000 करोड़ रुपये की लागत से दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर सहित बस्तर के कई जिलों के 7 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में स्थायी सिंचाई सुविधा प्रदान करेगी। इससे करीब 269 गांवों को सीधे लाभ मिलेगा। परियोजना के तहत नहर नेटवर्क, जलाशय और पम्प हाउस का निर्माण होगा, जिससे किसानों को खरीफ और रबी दोनों मौसमों में जल उपलब्ध होगा, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और क्षेत्र की खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी। इसके अतिरिक्त, परियोजना से 200 मेगावाट बिजली उत्पादन भी होगा, जो ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करेगा और स्थानीय रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देगा।

विश्वास और विकास का संगम

नई औद्योगिक नीति केवल निवेश या व्यापार की बात नहीं करती, बल्कि एक ऐसे सामाजिक बदलाव की रूपरेखा है, जिसमें बस्तर का हर वर्ग साझेदार बने। यहां का भविष्य अब नक्सलवाद नहीं, बल्कि हुनर, संस्कृति और उद्योग का मेल तय करेगा। राज्य सरकार माओवाद प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ यह सुनिश्चित करने में जुटी है कि अब बस्तर के अंदरूनी क्षेत्रों में हिंसा का माहौल खत्म हो चुका है। 'नियद नेल्ला नार' कार्यक्रम के अंतर्गत सुरक्षा बलों के नौ स्थापित 54 कैंपों के आसपास बस से 327 गांव में आधारभूत बुनियादी सुविधाओं का विकास किया गया है और यहां के लोगों को सभी प्रकार की नागरिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। जो लोग कभी हाशिए पर जीवन जी रहे थे, आज वह समाज की मुख्य धारा से जुड़ चुके हैं। बस्तर में शांति स्थापित करने के लिए सरकार वर्ष 2026 के अंत तक यहां नक्सलवाद के समूल खात्मे को लेकर प्रतिबद्ध है। इस अभियान का व्यापक असर भी यहां देखने को मिल रहा है। बड़ी पैमाने पर नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्य धारा से जुड़ रहे हैं और बस्तर के विकास में सहभागी भी बन रहे हैं। 'विकास भी, विश्वास भी', यही है बस्तर की नई पहचान। यहां जंगल की हरियाली, लोक कला का रंग और उद्योग की चहल-पहल मिलकर समृद्धि की नई तस्वीर रच रहे हैं।

नियद नेल्ला नार

327 गांवों में प्रभावी क्रियान्वयन

मोबाइल कनेक्टिविटी

600 + मोबाइल टावर स्थापित

शिक्षा

50 स्कूलों में दोबारा पढ़ाई शुरू

बिजली

5500 से अधिक घरों में विद्युतीकरण

सड़क निर्माण

278 कि.मी. नई सड़कों का निर्माण

रोजगार

90,000 से अधिक युवाओं को कौशल प्रिशक्षण

सुरक्षा

3202 'बस्तर फाइटर्स' की नियुक्ति

रेल सेवा

140 कि.मी. नई रेल लाइन विस्तार

तेंदूपत्ता

तेंदूपत्ता 5500 रु./बोरा दर से भुगतान

उद्योग और निवेश में रिकॉर्ड प्रगति

नई औद्योगिक नीति 2024-30 के क्रियान्वयन के साथ राज्य में औद्योगिक निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नवंबर 2024 से जुलाई 2025 के बीच राज्य को 6.65 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। सिंगल विंडो सिस्टम और रोजगार देने वाले उद्योगों को विशेष 7.50 लाख करोड़ रुपये के नवेश उपायों के चलते निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है।

नक्सल प्रभावित इलाकों में संचार क्रांति लगेंगे 400 नए बीएसएनएल टावर

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित और दूरस्थ इलाकों में अब संचार की नई क्रांति आने वाली है। केंद्र सरकार यहां 400 नए बीएसएनएल टावर लगाने जा रही है, जिससे इन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट कनेक्टिविटी की बड़ी समस्या दूर हो सकेगी।

डिजिटल कनेक्टिविटी से विकास को मिलेगा नया आयाम

बस्तर	बीजापुर	दंतेवाड़ा	नारायणपुर	कांकेर	कोंडागांव	सुकमा
26	59	25	33	81	90	66

बस्तर ओलंपिक

बस्तर ओलंपिक को इस वर्ष से खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के रूप में आयोजित करने की सहमति भी दे दी। इस दौरान लक्ष्मी बाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान का क्षेत्रीय केंद्र छत्तीसगढ़ में स्थापित करने, खेल सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु नए स्टेडियम और प्रशिक्षण केंद्रों की स्था पना पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने इन पहलों को युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया।

बस्तर व कोंडागांव को स्वर्ण पदक

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने संपूर्णता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले आकांक्षी जिलों और विकासखंडों को सम्मानित किया। बस्तर व कोंडागांव जिलों सहित छह विकासखंडों को सभी छह संकेतकों में पूर्ण संतृप्ति के लिए स्वर्ण पदक मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों और दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की सबसे अधिक आवश्यकता है। रजत, कांस्य और ताम्र पदकों से अन्य जिलों और विकासखंडों को भी नवाजा गया। मुख्यमंत्री ने इस अभियान को विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में एक मजबूत कदम बताया।

S-45674

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा, मीनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट काम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431 संपादक-चन्द्रशेखर धोटे *(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, फोन नंबर : 07752-468654, navpradesh bilaspur01@gmail.com